अधिकतम 36 डिग्री से.
न्यूनतम 26 डिग्री से.
सूर्योदय 5.19
सूर्यास्त 7.25
सोना 24 कैरेट: 1,44,530.00
चांदी (प्रति किलो): 2,60,000
सेंसेक्स : 75,527.95
अमेरिका : 95.11
कैनेडियन : 68.01
आस्ट्रेलिया : 67.02

दैनिक अर्थ प्रकाश

खबरों की विश्वसनीयता, हमारी पहचान

चंडीगढ़, हरियाणा, पंजाब, दिल्ली, हिमाचल एवं उत्तर प्रदेश से प्रकाशितः उत्तराखंड, बिहार, राजस्थान, छत्तीसगढ़ में भी प्रसारित

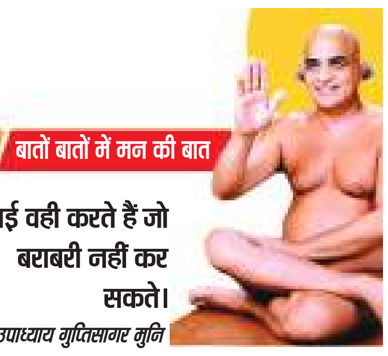

बातों बातों में मन की बात

बुराई वही करते हैं जो बराबरी नहीं कर सकते।

-उपाध्याय गुप्तिसागर मुनि

वर्ष 01 | करनाल, रविवार, 14 जून, 2026 | ज्येष्ठ कृष्ण पक्षः चतुर्दशी, विक्रमी संवत-2083 | www.arthparkash.com | YouTube/Arth Parkash TV | अंक : 226 | मूल्य 2.00 रुपये | पृष्ठः 8

न्यूज़ ब्रीफ

लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ अगले आर्मी चीफ होंगे

नई दिल्ली। लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ देश के अगले आर्मी चीफ होंगे। केंद्र सरकार ने शनिवार को चीफ ऑफ आर्मी स्टाफ के लिए उनकी नियुक्ति की मंजूरी दी। सेठ मौजूदा आर्मी चीफ जनरल उपेंद्र द्विवेदी की जगह लेंगे, जिनका कार्यकाल 30 जून को खत्म होगा। उसी दिन सेठ भारत के 31वें आर्मी चीफ का पद संभालेंगे। वे अभी उप सेना प्रमुख के पद पर हैं। उन्होंने दो महीने पहले, 1 अप्रैल को यह पद संभाला था। उप सेना प्रमुख भारतीय सेना के दूसरे सबसे बड़े अधिकारी होते हैं। बतौर उप सेना प्रमुख धीरज सेठ आर्मी चीफ के साथ मिलकर सेना के कामकाज, सैन्य तैयारियों और नई तकनीक को शामिल करने जैसे अहम काम देखते हैं। सेना के संचालन और व्यवस्थाओं को बेहतर तरीके से चलाने की जिम्मेदारी भी उनके पास होती है।

अभिषेक बनर्जी के घर रात 3 बजे पुलिस की रेड, चार घंटे तक तलाशी

कोलकाता। ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी के कालीघाट स्थित घर पर कोलकाता पुलिस ने शुक्रवार देर रात 3 बजे छापा मारा। पुलिस टीम सेंट्रल फोर्स के जवानों के साथ पहुंची। पुलिस अधिकारी अंदर गए, जवान गेट के बाहर पहरा देते रहे। तलाशी अभियान करीब 4 घंटे तक चला। छापे की सूचना मिलते ही ममता बनर्जी तुरंत अभिषेक के घर आईं, थो?ी देर रुकीं फिर वापस चली गईं। पुलिस सूत्रों के मुताबिक यह छापेमारी अभिषेक के पीए सुमित रॉय का पता लगाने के लिए की गई थी। सुमित के खिलाफ सालबोनी पुलिस स्टेशन में वित्तीय धोखाधड़ी को लेकर केस दर्ज है। तब से पुलिस सुमित की तलाश में है। रॉय का मोबाइल फोन आखिरी बार बनर्जी के कालीघाट आवास पर ट्रेस किया गया था। जिसके बाद पुलिस ने यहां छापा मारा। अभिषेक ने आरोप लगाया कि पुलिस अधिकारी ताला तोड़कर घर में घुसे और हर कमरे की तलाशी ली।

पंजाब में आम आदमी पार्टी सरकार की उल्टी गिनती शुरू : मुख्यमंत्री नायब सैनी

अबोहर में विशाल ओबीसी महासम्मेलन को मुख्यमंत्री सैनी ने किया संबोधित

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

चंडीगढ़, 13 जून। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा है कि राज्य में उनकी उलटी गिनती शुरू हो चुकी है। अबोहर नगर निगम चुनावों में भाजपा की शानदार जीत प्रदेश में आगामी बदलाव की शुरुआत है। अगले विधानसभा चुनाव में पंजाब में भाजपा की सरकार बनेगी, उसके बाद नशा बेचने वाला एक भी व्यक्ति नहीं मिलेगा। मुख्यमंत्री सैनी शनिवार को पंजाब के अबोहर में आयोजित एक विशाल ओबीसी महासम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

इस दौरान उनके साथ हरियाणा के लोक निर्माण मंत्री श्री रणबीर गंगवा, पंजाब भाजपा अध्यक्ष केवल सिंह ढिल्लों, पूर्व अध्यक्ष सुनील जाखड़ और कई वरिष्ठ नेता उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अपने संबोधन में पंजाब की वीर और देशभक्त भूमि को नमन करते हुए यहां के किसानों, व्यापारियों, युवाओं और माताओं के योगदान को सराहा। उन्होंने पंजाब की वर्तमान सरकार द्वारा चलाए गए युद्ध-नशों के विरुद्ध अभियान को पूरी तरह फेल बताया और कहा कि आदमी पार्टी की सरकार सिर्फ खोखले नारों और विज्ञापनों में व्यस्त है। उन्होंने पंजाब सरकार को हर मोर्चे पर नाकाम बताते हुए कहा कि महिलाओं को 1,000 रुपए देने की योजना सिर्फ एक राजनीतिक हथकंडा साबित हुई, जिसका अब तक पंजीकरण भी शुरू नहीं हुआ। उन्होंने पंजाब सरकार पर अबोहर के साथ घोर राजनीतिक उपेक्षा का आरोप लगाया और कहा कि इस नगर निगम को मात्र 5 करोड़ रुपए देकर यहां की जनता का अपमान किया गया है, जबकि इससे ज्यादा फंड तो हरियाणा सरकार ने अपने छोटे से छोटे गांव को दिया है।

नायब सिंह सैनी ने कहा कि आप पार्टी को अहसास हो चुका है कि अगले विधानसभा चुनाव के बाद पंजाब में उनकी सत्ता नहीं रहेगी इसलिए कुछ लोग दोनों हाथों से पंजाब को लूटने में लगे हुए हैं। उन्होंने आप पार्टी को लुटेरों की टोली बताया और कहा कि इनके मुखिया केजरीवाल का भी ईमानदारी का चोला उतर चुका है। उन्होंने पंजाब के मुख्यमंत्री सरदार भगवंत सिंह मान के उस बयान का हवाला दिया जिसमें मान ने पंजाब में 5 साल में 65 हजार नौकरियां देने की बात कही है , इस पर सैनी ने कहा कि हरियाणा सरकार ने 55 हजार नौकरियां तो पिछले एक साल में ही अपने प्रदेश के युवाओं को दे दी हैं। मुख्यमंत्री ने हरियाणा सरकार द्वारा लागू की गई योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी और कहा कि पंजाब के लोगों ने भी अगर विधानसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों में विश्वास जताया तो ये सब योजनाएं पंजाब में भी लागू होंगी। उन्होंने आगे कहा कि यही नहीं इस प्रदेश में किसानों की फसलों को एमएसपी पर खरीद कर , फसल खराबे पर उचित मुआवजा देकर और उद्योगपतियों को उनके उद्योगों के अनुकूल माहौल देकर पंजाब को देश में नंबर वन सूबा बनाएंगे।

एयरफोर्स का ट्रांसपोर्ट विमान क्रैश होकर दो हिस्सों में बंटा, पायलट समेत पांच की मौत

असम के जोरहाट एयरबेस पर दर्दनाक हादसा, लैंडिंग के दौरान विमान में लगी आग

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

गुवाहाटी, 13 जून। असम में जोरहाट के रौरिया इंडियन एयरबेस पर शनिवार सुबह 10 बजे लैंडिंग के दौरान वायुसेना का विमान क्रैश हो गया। इस हादसे में पायलट समेत 5 जवानों की मौत हो गई। इनमें स्क्वाड्रन लीडर प्रशांत सिंह, फ्लाइट लेफ्टिनेंट शुभम कुमार, सार्जेंट जितेंद्र शर्मा, अग्निवीरवायु खेमाराम कुमावत और अग्निवीरवायु दानिश आलम शामिल हैं। एक को-पायलट घायल हो गया है।

हादसा उस समय हुआ, जब विमान एयरबेस पर उतरने की कोशिश कर रहा था। हादसे के बाद उसमें आग लग गई और दो हिस्से में टूट गया। यह AN-32 मालवाहक विमान था, जिसका इस्तेमाल सैनिकों और सामान की ढुलाई के लिए किया जाता है। हादसे की वजह सामने नहीं आई है।

इंडियन एयरफोर्स ने बताया कि विमान रुटीन उड़ान पर था। साथ ही अपील कि शुरुआती नतीजे आने तक कोई अंदाजा न लगाएं। कोर्ट ऑफ इंक्वायरी के आदेश दे दिए हैं।

शुरुआती रिपोर्टों से पता चला है कि यह दुर्घटना विमान के लैंड करने के तुरंत बाद हुई। विमान से आग की लपटें और घना धुआं निकलता देखा गया। एयरपोर्ट और भारतीय वायुसेना की इमरजेंसी टीमें तुरंत मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने का काम शुरू किया। विमान को कितना नुकसान हुआ है और किसी के हताहत होने के बारे में तुरंत कोई जानकारी नहीं मिल पाई।

भारतीय वायु सेना ने विमान के दुर्घटना होने की पुष्टि की है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर लिखा,÷ आज जोरहाट में लैंडिंग के दौरान भारतीय वायु सेना का एक एएन-32 विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना के कारणों का पता लगाने के लिए एक जांच समिति का गठन किया जा रहा है। सोवियत मूल का एएन-32 एक ट्विन-इंजन वाला टैक्टिकल ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट है, जो दशकों से वायु सेना के लिए एक अहम विमान रहा है, खासकर मुश्किल इलाकों और उत्तर-पूर्व व हिमालयी सीमा के ऊंचे इलाकों में। इस ताजा घटना ने एक बार फिर इस विमान के ऑपरेशनल इतिहास की ओर ध्यान खींचा है। गौरतलब है कि जून 2019 को 13 लोगों को लेकर वायु सेना का एएन-32 विमान अरुणाचल प्रदेश के मेचुका के लिए जोरहाट एयर फोर्स स्टेशन से उड़ान भरने के बाद लापता हो गया। बड़े पैमाने पर चलाए गए सर्च ऑपरेशन के बाद, विमान का मलबा अरुणाचल प्रदेश के पहाड़ी इलाके में मिला और उस पर सवार सभी 13 लोगों को मृत घोषित कर दिया गया।

जुलाई 2016 में एक और एएन-32 विमान चेन्नई से पोर्ट ब्लेयर जाते समय बंगाल की खाड़ी के ऊपर लापता हो गया था, जिसमें 29 लोग सवार थे। भारत के सबसे बड़े सर्च ऑपरेशन में से एक के बावजूद विमान का पता सालों तक नहीं चल सका और उस पर सवार सभी लोगों को मृत मान लिया गया। आखिरकार 2024 में विमान से जुड़ा मलबा मिला।

एयरफोर्स एन 32 विमानों को बदलने की तैयारी में

भारतीय वायुसेना अपने पुराने AN-32 और IL-76 मालवाहक विमानों को बदलने की तैयारी कर रही है। इसके लिए नए मीडियम ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट खरीदे जाएंगे, ताकि भविष्य में सैनिकों, हथियारों और सैन्य सामान की ढुलाई की जरूरतें पूरी की जा सकें।

पीएम मोदी फ्रांस दौरे पर रवाना

नवाचार, निवेश व रणनीतिक साझेदारी पर रहेगा फोकस

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

नई दिल्ली, 13 जून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को फ्रांस और स्लोवाकिया की यात्रा पर रवाना हुए। वहां उनका कूटनीतिक कार्यक्रम काफी व्यस्त रहेगा, जिसमें द्विपक्षीय बातचीत, बहुपक्षीय बैठकें और आर्थिक व सांस्कृतिक सहयोग पर खास जोर देना शामिल है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में पीएम मोदी ने कहा, अगले कुछ दिनों में, मैं कई कार्यक्रमों में शामिल होने के लिए फ्रांस और स्लोवाकिया में रहूंगा, जिनमें द्विपक्षीय बातचीत, बहुपक्षीय बैठकें और भारतीय समुदाय के लोगों से बातचीत शामिल है। मेरा ध्यान आर्थिक और सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने पर होगा।

उन्होंने कहा, इस यात्रा की शुरुआत नीस में होने वाले कार्यक्रमों से होगी, खासकर 'भारत इनोवेट्स' कार्यक्रम से, जिसमें राष्ट्रपति मैक्रों भी मौजूद रहेंगे। चूंकि भारत और फ्रांस भारत-फ्रांस इनोवेशन वर्ष मना रहे हैं, इसलिए भारत इनोवेट्स एक शानदार मंच होगा जो इनोवेटर्स, स्टार्टअप्स और इनोवेशन की दुनिया से जुड़े लोगों को एक साथ लाएगा।

नीस में पीएम मोदी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ भी बातचीत करेंगे, जहां दोनों नेता भारत-फ्रांस विशेष वैश्विक रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा करेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों नेता संयुक्त रूप से 'भारत इनोवेट्स' कार्यक्रम का उद्घाटन भी करेंगे, जिसमें भारत, फ्रांस और अन्य देशों के प्रमुख स्टार्टअप्स, इनोवेटर्स और वेंचर कैपिटल फंड्स एक साथ आएंगे।

500 यूनिट से अधिक बिजली खपत करने वालों पर बढ़ेगा बिल का बोझ

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

नई दिल्ली, 13 जून। दिल्ली के बिजली उपभोक्ताओं को जून महीने में बड़ा झटका लग सकता है। दिल्ली विद्युत विनियामक आयोग (डीईआरसी) ने राजधानी की तीनों बिजली वितरण कंपनियों, बीएसईएस राजधानी पावर लिमिटेड (बीआरपीएल), बीएसईएस यमुना पावर लिमिटेड (बीवाईपीएल) और टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (टीपीडीडीएल) को अप्रैल 2026 के लिए पावर परचेज एडजस्टमेंट चार्ज (पीपीएसी) वसूलने की अनुमति दे दी है। इसके चलते अधिक बिजली खपत करने वाले उपभोक्ताओं के बिलों में बढ़ोतरी देखने को मिलेगी।

डीईआरसी ने पीपीएसी लागू करने को दी मंजूरी

यह पहली बार है जब दिल्ली में पीपीएसी की समीक्षा और वसूली मासिक आधार पर की जाएगी। इससे पहले यह प्रक्रिया प्रत्येक तीन महीने में होती थी। डीईआरसी के अनुसार, बिजली उत्पादन कंपनियों से बिजली खरीदने की लागत में वृद्धि होने पर उसका कुछ हिस्सा उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के लिए पीपीएसी लगाया जाता है। कोयला और अन्य ईंधनों की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण बिजली खरीद महंगी हुई है, जिसके चलते यह कदम उठाया गया है।

डीईआरसी ने बीआरपीएल को 17.94 प्रतिशत, बीवाईपीएल को 17.43 प्रतिशत और टीपीडीडीएल को 16 प्रतिशत पीपीएसी लगाने की अनुमति दी है, हालांकि आयोग ने बिजली कंपनियों की ओर से मांगी गई दरों की तुलना में कम दरों को मंजूरी दी है। आम उपभोक्ताओं के लिए राहत की बात यह है कि दिल्ली सरकार की बिजली सब्सिडी का लाभ लेने वाले अधिकांश परिवारों पर इसका सीधा असर नहीं पड़ेगा। 200 से 400 यूनिट तथा 500 यूनिट तक बिजली खर्च करने वाले सब्सिडी लाभार्थियों के बिलों में कोई अतिरिक्त बोझ नहीं आएगा, क्योंकि सब्सिडी बिल राशि के बजाय खपत की गई यूनिटों पर आधारित है।

गर्व 5000 किमी रफ्तार से आ रही मिसाइल भी नहीं बचेगी, यह तकनीक हासिल करने वाला भारत 5वां देश

मल्टी लेयर्ड बैलिस्टिक डिफेंस सिस्टम का टेस्ट कामयाब

अर्थ प्रकाश नेटवर्क

बालासोर। भारत अब लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलों, यहां तक कि इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल के खतरों का भी मुकाबला कर सकता है। DRDO ने 10 और 11 जून को लगातार 3 फ्लाइट टेस्ट किए गए, जिनमें मल्टी-लेयर्ड बैलिस्टिक मिसाइल डिफेंस सिस्टम का प्रदर्शन किया गया। इसमें इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल क्लास तक के खतरों समेत बैलिस्टिक मिसाइलों को रोकने और बेअसर करने की क्षमता भी शामिल है।

यह स्वदेशी तकनीक दुश्मन की मिसाइलों को लक्ष्य तक पहुंचने से पहले हवा में ही नष्ट कर देती है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 13 जून को टेस्टिंग की तस्वीरें X अकाउंट पर शेयर की हैं। इसके साथ-साथ नेवल एंटी शिप मिसाइल-मीडियम रेंज का भी टेस्ट किया गया। इसे भारत की समुद्री स्ट्राइक और डिफेंस स्किल को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है।

टेस्टिंग से पहले 11 गांव खाली कराए गए थे

ओडिशा के बालासोर जिले में DRDO के तय मिसाइल टेस्ट से पहले दोनों दिन 11 गांव खाली कराए थे। चांदीपुर स्थित इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज के लॉन्च पैड-3 के 3.5 किमी के दायरे से 11,442 लोगों को अस्थायी तौर पर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया था। हालांकि टेस्टिंग के बाद शाम को उन्हें घर लौटने की अनुमति दे दी गई थी। चांदीपुर इंटीग्रेटेड टेस्ट रेंज से जब भी लंबी दूरी और रणनीतिक महत्व की मिसाइलों का टेस्ट होता है, तब-तब लॉन्च पैड के आस-पास के गांवों को एहतियातन खाली करा लिया जाता है।

क्या होती है इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल

आसान भाषा में इंटरकॉन्टिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल को बहुत लंबी दूरी तक मार करने वाली मिसाइल कहा जा सकता है। यह ऐसी मिसाइल होती है जो एक महाद्वीप से दूसरे महाद्वीप तक पहुंच सकती है। आमतौर पर 5,500 किलोमीटर से ज्यादा दूरी तक मार कर सकती है। इसके अलावा यह परमाणु हथियार ले जाने में भी सक्षम होती है। यह मिसाइल रॉकेट की तरह ऊपर अंतरिक्ष की ओर जाती है, फिर बहुत ऊंचाई से पृथ्वी की ओर लौटती है और बहुत तेज स्पीड से टारगेट पर हमला करती है। इसी वजह से इसे दुनिया के सबसे शक्तिशाली रणनीतिक हथियारों में गिना जाता है।

मल्टी लेयर्ड BMD का काम दुश्मन की बैलिस्टिक मिसाइल को उसके टारगेट तक पहुंचने से पहले ही मार गिराना है। यह कई लेवल पर काम करता है- जैसे पहले रडार मिसाइल का पता लगाते हैं। कमांड सेंटर खतरे का आकलन करता है।

जेल में बंद गैंगस्टर से जुड़े दो व्यक्ति बठिंडा से गिरफ्तार; दो पिस्तौल बरामद

जेल में बंद गैंगस्टर फिरोजपुर क्षेत्र में एक आपराधिक नेटवर्क चला रहा था: डीजीपी गौरव यादव

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों में से एक आपराधिक पृष्ठभूमि वाला आरोपी है और उसके विरुद्ध कई मामले दर्ज हैं: एडीजीपी एजीटीएफ प्रमोद बान

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 13 जून। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशानुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के दौरान बड़ी सफलता हासिल करते हुए पंजाब पुलिस की एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) ने दो व्यक्तियों को दो देसी .32 बोर पिस्तौलों तथा पांच जिंदा कारतूसों सहित गिरफ्तार किया है। यह जानकारी आज यहां पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने दी।

गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान कुलदीप सिंह उर्फ चीमा निवासी गांव अकलिया कलां, बठिंडा तथा अभिमान सिंह उर्फ अभि निवासी भागू वाली ढाणी, गांव खुंडे हलाल, श्री मुक्तसर साहिब के रूप में हुई है।

डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपी फिरोजपुर क्षेत्र में सक्रिय एक जेल में बंद गैंगस्टर द्वारा संचालित आपराधिक नेटवर्क से जुड़े हुए हैं।

उन्होंने बताया कि कुलदीप सिंह उर्फ चीमा एक आपराधिक पृष्ठभूमि वाला आरोपी है और उसके विरुद्ध हत्या के प्रयास तथा आर्म्स एक्ट से संबंधित कई मामले दर्ज हैं।

नेटवर्क में शामिल अन्य सहयोगियों की पहचान करने तथा इसके आगे-पीछे के संबंध स्थापित करने के लिए आगे की जांच जारी

डीजीपी ने कहा कि इस नेटवर्क में शामिल अन्य सहयोगियों की पहचान करने तथा इसके आगे-पीछे के संबंध स्थापित करने के लिए आगे की जांच जारी है। इस ऑपरेशन के बारे में जानकारी देते हुए अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) प्रमोद बान ने बताया कि एजीटीएफ बठिंडा की एक टीम नियमित गश्त ड्यूटी पर थी, तभी उन्होंने बठिंडा के कैंटोनमेंट बाईपास रिंग रोड पर सर्विस रोड के दाहिनी ओर झाड़ियों में बैठे दो संदिग्ध व्यक्तियों को देखा। उन्होंने बताया कि पुलिस पार्टी को देखकर दोनों व्यक्ति घबरा गए और छिपने की कोशिश करने लगे। संदेह होने पर पुलिस टीम ने उन्हें काबू कर लिया और तलाशी के दौरान उनके कब्जे से अवैध हथियार और जिंदा कारतूस बरामद किए। इस संबंध में एफआईआर संख्या 156 दिनांक 12.06.2026 को आर्म्स एक्ट की धारा 25 के तहत थाना सिविल लाइन, बठिंडा में दर्ज की गई है।

गैंगस्टरों ते वार का 144वां दिन: पंजाब पुलिस द्वारा 519 स्थानों पर छापेमारी; 249 गिरफ्तार

पुलिस टीमों ने 101 व्यक्तियों के विरुद्ध एहतियाती कार्रवाई की, 9 को पूछताछ के बाद किया रिहा

लोग एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 के माध्यम से गुप्त रूप से गैंगस्टरों के बारे में रिपोर्ट कर सकते हैं

युद्ध नशों विरुद्ध के 469वें दिन 109 नशा तस्कर गिरफ्तार

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 13 जून। राज्य में चल रहे निर्णायक अभियान 'गैंगस्टरों ते वार' के 144वें दिन पंजाब पुलिस ने आज पूरे प्रदेश में गैंगस्टरों के सहयोगियों के चिन्हित एवं मैप किए गए 519 ठिकानों पर छापेमारी की।

उल्लेखनीय है कि 'गैंगस्टरों ते वार' पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के लिए छेड़ी गई एक निर्णायक लड़ाई है, जिसकी शुरुआत 20 जनवरी, 2026 को पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव द्वारा की गई थी। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब के समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें पूरे राज्य में विशेष अभियान चला रही हैं।

144वें दिन पुलिस टीमों ने छह हथियारों सहित 249 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, जिससे अभियान की शुरुआत के बाद कुल गिरफ्तारियों की संख्या बढ़कर 36,630 हो गई है।

इसके अतिरिक्त 101 व्यक्तियों के विरुद्ध एहतियाती कार्रवाई की गई, जबकि 9 व्यक्तियों को पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस टीमों ने 7 भगोड़े अपराधियों (पीओ) को भी गिरफ्तार किया।

लोग एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन नंबर 93946-93946 के माध्यम से वांछित अपराधियों और गैंगस्टरों के बारे में गुप्त रूप से जानकारी दे सकते हैं तथा अपराध एवं आपराधिक गतिविधियों संबंधी सूचनाएं भी साझा कर सकते हैं।

इस दौरान पुलिस टीमों ने नशों के खिलाफ अपनी मुहिम 'युद्ध नशों विरुद्ध' को 469वें दिन भी जारी रखते हुए आज 109 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया तथा उनके कब्जे से 356 ग्राम हेरोइन, 11 किलोग्राम भुक्की, 713 नशीली गोलियां और 19,470 रुपये की ड्रग मनी बरामद की। इसके साथ ही केवल 469 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या बढ़कर 68,115 हो गई है।

नशा मुक्ति अभियान के तहत पंजाब पुलिस ने आज 10 व्यक्तियों को नशा छुड़ाने तथा पुनर्वास उपचार के लिए प्रेरित किया है।

स्पीकर संधवां ने पारिवारिक रिश्तों को मजबूत बनाने के लिए माता-पिता से अपने बच्चों के साथ अधिक से अधिक समय बिताने की अपील की

पंजाब के युवाओं को नशों से दूर रहने और स्वस्थ जीवनशैली के लिए खेलों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया

समाज से नशों के खात्मे के लिए पूरे राज्य में 67,000 से अधिक नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया: कुलतार सिंह संधवां

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 13 जून। पंजाब विधानसभा के स्पीकर स कुलतार सिंह संधवां ने आज नशों के खिलाफ जीरो-टॉलरेंस नीति की पुष्टि करते हुए कहा कि पंजाब सरकार द्वारा नशों के खिलाफ अपनी निर्णायक मुहिम में तेजी लाई गई है, जिसके परिणामस्वरूप अब तक 67,000 से अधिक नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा कि अवैध पदार्थों की आपूर्ति में शामिल व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। स्पीकर ने कहा कि नशों के पूर्ण खात्मे के लिए लोगों का योगदान बेहद महत्वपूर्ण है। उन्होंने लोगों से जिम्मेदार नागरिकों के रूप में अपने कर्तव्यों का पालन करने और पुलिस के साथ नशीले पदार्थों की तस्करी संबंधी जानकारी साझा करने की अपील की। नागरिकों को नशीले पदार्थों से संबंधित किसी भी संदिग्ध गतिविधि की तुरंत कानून लागू करने वाली एजेंसियों को सूचना देनी चाहिए। पुलिस विभाग सूचना देने वाले के विवरण को पूरी तरह गोपनीय रखेगा। नशों के पूर्ण खात्मे के लिए सरकार और समुदाय के बीच तालमेल बेहद आवश्यक है।

उन्होंने माता-पिता से अपने बच्चों के विकास के वर्षों के दौरान बेहद सतर्क रहने और उनके साथ सहयोगात्मक व्यवहार रखने की अपील की। माता-पिता को बच्चों को बुरी आदतों से दूर रखने के लिए उनके साथ अधिक से अधिक समय बिताना चाहिए। युवाओं को शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देने के लिए खेलों को अपनी दैनिक जीवनशैली में अपनाना चाहिए। युवा पीढ़ी को अपनी ऊर्जा को शिक्षा और खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की दिशा में लगाना चाहिए। स्पीकर संधवां ने कहा कि हमारी सरकार ने नशों की बुराई को समाप्त करने का दृढ़ संकल्प लिया है। नशों के खिलाफ चल रही राज्य स्तरीय मुहिम के तहत नशों की बड़ी सप्लाई लाइनों को सफलतापूर्वक तोड़ दिया गया है, जिसके कारण अनगिनत युवाओं को नशों की दलदल में जाने से बचाया गया है। अंत में उन्होंने कहा कि पंजाब के युवाओं के भविष्य को नशों से बचाने के लिए जनसहयोग अंतिम और बेहद महत्वपूर्ण कड़ी है।

'युद्ध नशों विरुद्ध' अभियान के सकारात्मक परिणाम आने लगे सामने

90 हजार से अधिक नशा पीड़ितों को नशामुक्ति, उपचार और पुनर्वास की सुविधा प्रदान की गई

नशे की लत के खिलाफ जंग में शिक्षकों, अभिभावकों और समाज की भूमिका सबसे अधिक महत्वपूर्ण: डॉ. बलबीर सिंह

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 13 जून। पंजाब सरकार की 'युद्ध नशों विरुद्ध' मुहिम के सकारात्मक परिणाम अब स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगे हैं। अधिकारियों का कहना है कि इस अभियान की सफलता केवल नशा तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई पर निर्भर नहीं करती, बल्कि रोकथाम, समय पर पहचान, प्रभावी उपचार और परिवार व समाज के सहयोग पर भी आधारित है।

1 मार्च 2025 को शुरू किया गया यह अभियान पंजाब की सबसे महत्वपूर्ण नशा-विरोधी पहलों में से एक बन चुका है। इसके तहत जहां नशा तस्करों और अवैध नेटवर्क के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है, वहीं नशामुक्ति, पुनर्वास और जन-जागरूकता को भी समान महत्व दिया जा रहा है।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह के अनुसार, 1 मार्च 2025 से मई 2026 तक राज्य के नशामुक्ति केंद्रों और ओपिओइड असिस्टेड ट्रीटमेंट केंद्रों में 90 हजार से अधिक नशा प्रभावित व्यक्तियों का उपचार किया गया। उन्होंने कहा कि यह आंकड़ा दर्शाता है कि सरकार केवल दंडात्मक कार्रवाई तक सीमित नहीं है, बल्कि प्रभावित लोगों को सामान्य जीवन में वापस लाने के लिए गंभीर प्रयास कर रही है।

मंत्री ने कहा कि शिक्षकों, अभिभावकों और समाज की भूमिका ऐसे युवाओं की पहचान करने में बेहद महत्वपूर्ण है, जिनमें नशे की आदत विकसित होने का खतरा हो। अक्सर नशे की लत के शुरुआती संकेत अनदेखे रह जाते हैं, जबकि वे व्यवहारिक, भावनात्मक और शारीरिक बदलावों के रूप में सामने आते हैं।

नशे के प्रारंभिक संकेतों में अचानक स्वभाव में बदलाव, चिड़चिड़ापन, पढ़ाई या काम में रुचि कम होना, परिवार से दूरी बनाना, अत्यधिक गोपनीयता, बार-बार पैसों की मांग, नए मित्रों का साथ, नींद में गड़बड़ी और खेल-कूद जैसी गतिविधियों में रुचि घटना शामिल हैं। वहीं, शारीरिक लक्षणों में व्यक्तिगत स्वच्छता की अनदेखी, लगातार थकान, आंखों का लाल होना, अत्यधिक नींद आना, खान-पान की आदतों में बदलाव तथा बिना कारण वजन बढ़ना या घटना शामिल हो सकते हैं।

विशेषज्ञों ने परिवारों को सलाह दी है कि वे ऐसे संकेतों को नजरअंदाज न करें। बच्चों के साथ संवेदनशील और सहयोगपूर्ण संवाद बनाए रखें तथा आवश्यकता पड़ने पर मनोवैज्ञानिकों या चिकित्सकों की मदद लेने में संकोच न करें।

अभियान के तहत किए गए उपचार और पुनर्वास प्रयासों से कई लोगों का जीवन बदला है। अमृतसर के मनप्रीत सिंह (परिवर्तित नाम) ने बताया कि नशामुक्ति केंद्र ने उन्हें जीवन की नई दिशा दी और आज वे नशे से मुक्त होकर बेहतर भविष्य की ओर बढ़ रहे हैं। वहीं, तरनतारन के खुशबाज़ सिंह (परिवर्तित नाम) ने कहा कि उपचार और काउंसलिंग ने उन्हें सामान्य जीवन में लौटने में मदद की है।

सरकार ने अभिभावकों से बच्चों के साथ अधिक समय बिताने, सकारात्मक संवाद बनाए रखने, उनकी गतिविधियों पर नजर रखने और उन्हें खेल, सांस्कृतिक तथा सामुदायिक कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए प्रेरित करने की अपील की है।

भगवंत मान सरकार का मानना है कि नशामुक्ति, पुनर्वास और काउंसलिंग नशे की समस्या से निपटने के तीन प्रमुख स्तंभ हैं। सरकार का लक्ष्य नशीले पदार्थों की आपूर्ति रोकने, जागरूकता बढ़ाने और प्रभावित लोगों की सफल रिकवरी सुनिश्चित करने का है। सरकार का स्पष्ट संदेश है कि नशों के खिलाफ लड़ाई में कठोर कार्रवाई के साथ-साथ रोकथाम, उपचार और पुनर्वास के प्रयास लगातार जारी रहना आवश्यक हैं, तभी पंजाब को नशे की समस्या से स्थायी रूप से मुक्त किया जा सकेगा।

पंजाब पुलिस व फिक्की कैस्केड ने तस्करी एवं जालसाजी से निपटने के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम किया आयोजित

सेमिनार का उद्देश्य अवैध व्यापार से निपटने के लिए पुलिस अधिकारियों को कानूनी एवं प्रक्रियात्मक उपकरणों से सुसज्जित करना

अर्थ प्रकाश संवाददाता

जालंधर, 13 जून। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान की दूरदर्शी सोच के अनुरूप संगठित आर्थिक अपराधों के विरुद्ध अपनी प्रवर्तन क्षमताओं को उन्नत करने की प्रतिबद्धता को और मजबूत करते हुए पंजाब पुलिस द्वारा फिक्की कैस्केड (कमेटी अगेंस्ट स्मगलिंग एंड काउंटरफिटिंग एक्टिविटीज डेस्ट्रॉयिंग द इकोनॉमी) के सहयोग से पुलिस अधिकारियों के लिए आधे दिन का क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किया गया। महाराजा रणजीत सिंह पंजाब पुलिस अकादमी, फिल्लौर में पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव के निर्देशों पर आयोजित इस प्रशिक्षण सेमिनार में राज्यभर के 60 पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया।

विशेष पुलिस महानिदेशक (यातायात एवं सड़क सुरक्षा) पंजाब अमरदीप सिंह राय ने कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन करते हुए अवैध व्यापार की बढ़ती जटिलता और त्वरित प्रवर्तन की आवश्यकता पर बल दिया उन्होंने कहा कि नकली सामान का व्यापार और तस्करी न केवल वैध व्यवसायों तथा सरकारी राजस्व को नुकसान पहुंचाती है, बल्कि उपभोक्ताओं की सुरक्षा को भी खतरे में डालती है तथा अवैध नेटवर्क को बढ़ावा देती है।

सभा को संबोधित करते हुए पंजाब के अतिरिक्त सचिव, गृह मामले, अंकुरजीत सिंह ने अवैध व्यापार की बढ़ती जटिलता का उल्लेख करते हुए पुलिस कर्मियों द्वारा सक्रिय प्रवर्तन की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया। जेल विभाग के सचिव मोहम्मद तैयब ने आर्थिक अपराधों के विरुद्ध जमीनी स्तर पर कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए निरंतर पुलिस सतर्कता के महत्व को रेखांकित किया।

दिल्ली के पूर्व विशेष पुलिस आयुक्त एवं फिक्की कैस्केड के सलाहकार दीप चंद ने नकली सामान के व्यापार और तस्करी के गंभीर आर्थिक एवं सामाजिक प्रभावों पर चर्चा की। उन्होंने संबंधित कानूनी और नियामक ढांचे की व्यापक जानकारी प्रदान करते हुए विशेष रूप से ट्रेडमार्क अधिनियम, 1999, कॉपीराइट अधिनियम, 1957 तथा भारतीय न्याय संहिता, 2023 के प्रभावी उपयोग के संबंध में अधिकारियों का मार्गदर्शन किया।

उद्योग जगत का दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हुए आईटीसी में कॉर्पोरेट मामलों के उपाध्यक्ष आशीष पाल ने बड़े पैमाने पर हो रही तस्करी तथा नकली सिगरेटों के व्यापार पर प्रकाश डाला। उन्होंने सरकार को होने वाले भारी राजस्व नुकसान, ट्रेडमार्क उल्लंघन तथा उपभोक्ताओं के विश्वास में कमी की ओर ध्यान आकर्षित किया।

महाराजा रणजीत सिंह आर्म्ड फोर्सेज प्रिपरेटरी इंस्टीट्यूट के 7 कैडेट सेना और वायु सेना में कमीशंड अधिकारी बने

अमन अरोड़ा ने अधिकारियों को दी शुभकामनाएं; उत्कृष्ट सेवा देकर पंजाब का नाम रोशन करने के लिए किया प्रेरित

अर्थ प्रकाश/जिनेंद्र जैन

एस.ए.एस. नगर, 13 जून। पंजाब के लिए गर्व की बात है कि महाराजा रणजीत सिंह आर्म्ड फोर्सेज प्रिपरेटरी इंस्टीट्यूट (एम.आर. एस. एफ.पी.आई.) के 7 पूर्व कैडेट आज भारतीय सेना और भारतीय वायु सेना में कमीशंड अधिकारी के रूप में शामिल हुए हैं। यह उल्लेखनीय उपलब्धि देश की रक्षा सेवाओं में योगदान देने के लिए पंजाब सरकार द्वारा संचालित इस संस्थान की बढ़ती भूमिका को दर्शाती है।

देहरादून स्थित भारतीय सैन्य अकादमी (आई.एम.ए.) की 158वीं रेगुलर कोर्स पासिंग आउट परेड में एम.आर.एस.एफ.पी.आई. के चार कैडेटों को सेना में कमीशन प्राप्त हुआ। इस परेड की समीक्षा भारत की राष्ट्रपति एवं सशस्त्र सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने की।

नव नियुक्त सेना अधिकारियों में होशियारपुर के परमजोत सिंह शामिल हैं, जिनके पिता व्यवसायी हैं और माता स्वास्थ्य विभाग में स्टाफ नर्स के रूप में कार्यरत हैं। इसी प्रकार मोहाली के अभय सिंह राघव सेना अधिकारी बने हैं, जिनके पिता स्वास्थ्य विभाग में सिविल रजिस्ट्रेशन अधिकारी तथा माता एक निजी विद्यालय में अध्यापिका हैं। होशियारपुर के अनिकेत कहोल सेना में अधिकारी बने हैं, जिनके पिता व्यवसायी हैं, जबकि पठानकोट के अनुराग चौहान भी सेना अधिकारी के रूप में नियुक्त हुए हैं। इसके अतिरिक्त, तीन कैडेट हैदराबाद के डुंडीगल स्थित एयर फोर्स अकादमी की 217वीं कोर्स संयुक्त स्नातक परेड में फ्लाइंग ऑफिसर बने हैं। इस परेड का निरीक्षण भारत के रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह ने किया। फ्लाइंग ऑफिसर के रूप में कमीशन प्राप्त करने वालों में रूपनगर (रोपड़) के उदयबीर सिंह शामिल हैं, जिनके पिता भारतीय वायु सेना के पूर्व सैनिक रह चुके हैं। एस.ए.एस. नगर के वासू मेहता, जिनके माता-पिता सरकारी अध्यापक हैं, तथा एस.ए.एस. नगर के करण कौशिश, जिनकी माता न्यायिक अदालत में कार्यरत हैं और पिता व्यवसायी हैं, भी फ्लाइंग ऑफिसर बने हैं।

पंजाब के रोजगार सृजन, कौशल विकास एवं प्रशिक्षण मंत्री श्री अमन अरोड़ा ने सभी कैडेटों को कमीशन प्राप्त करने पर बधाई दी। उन्होंने उन्हें सेवा अधिकारी के रूप में अपने करियर में और अधिक मेहनत करने तथा उत्कृष्ट सेवाएं देकर राज्य का गौरव बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार राज्य के युवाओं को भारतीय सशस्त्र सेनाओं में शामिल होने के लिए हर संभव सहायता प्रदान कर रही है।

मावां -धीयां सम्मान योजना का लाभ हर पात्र महिला तक पहुंचाना हमारा संकल्प: रौड़ी

अर्थ प्रकाश संवाददाता

गढ़शंकर, 13 जून। पंजाब विधानसभा के डिप्टी स्पीकर एवं गढ़शंकर विधानसभा क्षेत्र से विधायक स जय कृष्ण सिंह रौड़ी की अगुवाई में आज गढ़शंकर स्थित उनके कार्यालय में पंजाब सरकार की महत्वपूर्ण मुख्यमंत्री मावां -धीयाँ सम्मान योजना संबंधी एक विशेष प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर का उद्देश्य योजना को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करना तथा प्रत्येक पात्र महिला तक इसका लाभ पहुंचाने के लिए आवश्यक प्रक्रियाओं और बारीकियों से अवगत करवाना था।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए डिप्टी स्पीकर स जय कृष्ण सिंह रौड़ी ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार महिलाओं के सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध है और यह योजना उसी सोच का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा हो सकता है जब उनका लाभ अंतिम पात्र व्यक्ति तक पहुंचे और यही सरकार का संकल्प है।

डिप्टी स्पीकर रौड़ी ने अधिकारियों, कर्मचारियों तथा स्वयंसेवकों से अपील की कि वे घर-घर जाकर पात्र महिलाओं को योजना के बारे में जागरूक करें और पंजीकरण प्रक्रिया में उनकी हर संभव सहायता करें। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र महिला केवल जानकारी के अभाव में सरकारी सुविधाओं से वंचित नहीं रहनी चाहिए।

प्रशिक्षण शिविर के दौरान योजना से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों को पात्रता शर्तों, पंजीकरण प्रक्रिया, आवश्यक दस्तावेजों, आवेदनों की जांच तथा लाभार्थियों को मिलने वाली सुविधाओं के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। इस प्रशिक्षण में भाग लेने वाले प्रत्येक व्यक्ति की शंकाओं का समाधान करते हुए योजना के सफल क्रियान्वयन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी किए गए।

डिप्टी स्पीकर रौड़ी ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार जनकल्याणकारी योजनाओं को पारदर्शी और प्रभावशाली तरीके से लोगों तक पहुंचाने के लिए लगातार प्रयासरत है तथा मावां -धीयाँ सम्मान योजना महिलाओं की आर्थिक मजबूती की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी, स्वयंसेवक तथा क्षेत्र के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे, जिन्होंने योजना का लाभ प्रत्येक पात्र लाभार्थी तक पहुंचाने के लिए पूरा सहयोग देने का भरोसा दिया।

वर्ल्ड एल्डर एब्यूज़ अवेयरनेस डे पर पंजाब ने प्रस्तुत किया समावेशी सुशासन का मॉडल

'भगवंत मान सरकार, तुहाडे द्वार': 1076 हेल्पलाइन पंजाब के बुजुर्गों को सम्मान, आत्मनिर्भरता और सेवाओं तक आसान पहुँच प्रदान कर रही है

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 13 जून। विश्व बुज़ुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस के अवसर पर पंजाब सरकार की 1076 डोरस्टेप गवर्नेंस पहल वरिष्ठ नागरिकों के कल्याण और सम्मानजनक जीवन सुनिश्चित करने की दिशा में एक प्रभावी मॉडल के रूप में उभरकर सामने आई है। 'भगवंत मान सरकार, तुहाडे द्वार' अभियान के तहत बुज़ुर्गों को पेंशन, प्रमाण-पत्रों और अन्य सरकारी सेवाओं की सुविधा सीधे उनके घरों तक उपलब्ध कराई जा रही है। वरिष्ठ नागरिकों के लिए सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाना, लंबी कतारों में खड़ा होना और दस्तावेज़ी प्रक्रियाओं को पूरा करना अक्सर कठिन और थकाऊ अनुभव होता है। 74 वर्षीय गुरमेल कौर जैसी अनेक बुज़ुर्ग महिलाएँ अब सरकारी कार्यों के लिए अपने परिवार पर निर्भर नहीं हैं। वे केवल एक फोन कॉल के माध्यम से घर बैठे सरकारी सेवाओं का लाभ उठा रही हैं। पंजाब सरकार ने दिसंबर 2023 में 'भगवंत मान सरकार, तुहाडे द्वार' पहल की शुरुआत की थी। इसका उद्देश्य नागरिकों को सरकारी कार्यालयों के बार-बार चक्कर लगाने से राहत देना और सेवाओं को उनके घर तक पहुँचाना था। 45 सेवाओं के साथ शुरू हुई यह पहल आज 29 विभागों की 436 सेवाओं तक विस्तार कर चुकी है। 1076 हेल्पलाइन पर कॉल करने के बाद प्रशिक्षित सेवा सहायक आवेदक के घर पहुँचकर आवश्यक दस्तावेज़ों की प्रक्रिया पूरी करवाता है। इस पहल को व्यापक जनसमर्थन मिला है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार अब तक 3.31 लाख से अधिक आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। सेवा को और अधिक सुलभ बनाने के लिए डोरस्टेप सेवा शुल्क को 120 रुपये से घटाकर मात्र 50 रुपये कर दिया गया है।

नगर परिषद चुनाव: गुरदासपुर, दीनानगर व कादियां में कहीं पर आप, कहीं पर कांग्रेस तो कहीं शिअद ने मारी बाजी

अर्थ प्रकाश संवाददाता

पठानकोट, 13 जून। गुरदासपुर जिले में शनिवार को हुए नगर परिषद चुनावों के अधिकांश नतीजे घोषित कर दिए गए हैं। हालांकि दीनानगर की एक वार्ड का परिणाम अभी घोषित नहीं किया गया है। नगर परिषद गुरदासपुर में कांग्रेस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए सबसे अधिक सीटों पर जीत दर्ज की है। कुल 29 वार्डों में से कांग्रेस ने 21 सीटें हासिल की हैं। इसके अलावा सत्ताधारी पार्टी 7 सीटों पर जीत दर्ज करने में सफल रही, जबकि वार्ड नंबर 4 से एक निर्दलीय उम्मीदवार विजेता रहा। नगर परिषद दीनानगर में कुल 15 वार्डों में से 14 वार्डों के नतीजे घोषित किए गए हैं। अब तक घोषित परिणामों के अनुसार कांग्रेस ने 7 सीटें, आम आदमी पार्टी ने 6 सीटें और भारतीय जनता पार्टी ने 1 सीट हासिल की है। वहीं शिरोमणि अकाली दल अपना खाता नहीं खोल सका। इसके अलावा वार्ड 6 में ईवीएम में खराबी के चलते नतीजा घोषित नहीं किया जा सका। वहीं नगर परिषद कादियां में शिरोमणि अकाली दल सबसे आगे रहा। कुल 15 वार्डों में से अकाली दल ने 6 सीटें, कांग्रेस ने 4 सीटें, निर्दलीय उम्मीदवारों ने 2 सीटें, सत्ताधारी पार्टी ने 2 सीटें और भारतीय जनता पार्टी ने 1 सीट हासिल की।

दीनानगर में मशीन खराब: दीनानगर के वार्ड नंबर 6 में ईवीएम में तकनीकी खराबी आने के कारण परिणाम घोषित नहीं किया जा सका। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि आने वाले दिनों में इस वार्ड में दोबारा मतदान कराया जा सकता है। हालांकि प्रशासन की ओर से अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

चुनाव मैदान में थे 235 उम्मीदवार

बता दें नगर कौंसिल गुरदासपुर, नगर कौंसिल दीनानगर और नगर कौंसिल कादियां में 235 उम्मीदवार चुनाव मैदान में थे। इसमें 120 गुरदासपुर, 62 दीनानगर और 53 कादियां के उम्मीदवार थे। तीनों नगर कौंसिलों पर 109 पोलिंग बूथ बनाए गए थे। तीनों नगर कौंसिलों में शांतिपूर्ण चुनाव करवाने के लिए 2500 के करीब पुलिस कर्मी तैनात किए गए थे।

कादियां के वार्डों 6 में नहीं होते हैं चुनाव

नगर कौंसिल कादियां के अधीन आते वार्ड 6 में अहमदिया जमात के लोग रहते हैं। इस वार्ड पर बिना चुनाव के हर बार अहमदिया समुदाय की तरफ से खुद नुमाइंदा चुना जाता है। पिछले बार इस वार्ड के पार्षद रहे अब्दुल वासे ने बताया कि इस बार उनका वार्ड 6 महिला आरक्षित है। इस बार उनके वार्ड की पार्षद महिला समुदाय से होगी। बाकी वार्डों के चुनाव परिणाम आने के बाद जमात की ओर से शहर और समाज की बेहतरी को ध्यान में रखते हुए अधिक बहुमत हासिल करने वाली पार्टी का समर्थन दिया जाएगा।

नीट परीक्षार्थियों की मदद को सभी जिलों में बनेंगे हेल्प डेस्क

मुख्य सचिव ने राज्य के उपायुक्तों, पुलिस अधीक्षकों के साथ की बैठक

कानून-व्यवस्था, ट्रैफिक डायवर्जन पर एसपी करेंगे फैसला

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 13 जून। हरियाणा में आगामी 21 जून को होने वाली नीट की पुनर्परीक्षा के दौरान राज्य के सभी जिलों में परीक्षार्थियों की मदद के लिए हेल्प डेस्क बनाए जाएंगे। शनिवार को मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी ने परीक्षा की तैयारियों तथा सुरक्षा प्रबंधों के संबंध में राज्य के सभी जिला उपायुक्तों के साथ की बैठक की।

बैठक में जिला उपायुक्तों के अलावा, पुलिस अधीक्षक, पुलिस आयुक्त तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारी व नेशनल टेस्टिंग एजेंसी के महानिदेशक अभिषेक सिंह भी मौजूद रहे।

मुख्य सचिव ने सभी उपायुक्तों को निर्देश दिए कि वह हर परीक्षा केंद्र पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित करें और परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की अनियमितता या गड़बड़ी न होने दें। सभी केंद्रों का समय पर निरीक्षण किया जाए ताकि वहां बिजली, पीने के पानी, साफ-सफाई, चिकित्सा सहायता और अन्य आवश्यक सुविधाओं की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके।

उन्होंने डिप्टी कमिश्नरों को पुलिस, शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवहन विभागों के अधिकारियों के साथ तालमेल बनाने के निर्देश दिए ताकि परीक्षा का संचालन सुचारू रूप से हो सके। परीक्षा केंद्रों के आसपास कानून-व्यवस्था बनाए रखने, ट्रैफिक प्रबंधन को प्रभावी बनाने और परीक्षार्थियों को किसी भी तरह की असुविधा न होने देने के लिए विशेष प्रबंध किए जाने चाहिए।

नीट परीक्षा की विश्वसनीयता बनाए रखने पर जोर देते हुए मुख्य सचिव ने कहा कि निष्पक्ष और पारदर्शी प्रक्रिया सुनिश्चित करना सभी संबंधित अधिकारियों की सामूहिक जिम्मेदारी है। बैठक में सुरक्षा उपायों, निगरानी व्यवस्था, परीक्षा केंद्रों पर सुविधाओं और अंतर-विभागीय समन्वय पर भी विस्तृत चर्चा हुई। डिप्टी कमिश्नरों को निर्देश दिए गए कि वे सभी तैयारियां समय से पहले पूरी कर लें ताकि परीक्षा शांतिपूर्ण, पारदर्शी और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हो सके।

परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए जिला प्रशासनों को हेल्प डेस्क स्थापित करने और परीक्षा के समय, रिपोर्टिंग शेड्यूल तथा दिशा-निर्देशों के संबंध में पर्याप्त जन सूचना सुनिश्चित करने के लिए कहा गया।

महिला सशक्तिकरण को मिलेगा नया आयामः रेणु बाला गुप्ता

करनाल (अप्रस/शैलेंद्र जैन)। महापौर रेणु बाला गुप्ता ने हरियाणा राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष नियुक्त होने पर उषा प्रियदर्शी को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की हैं। उन्होंने कहा कि यह नियुक्ति महिला सशक्तिकरण एवं महिला हितों की रक्षा के प्रति हरियाणा सरकार की प्रतिबद्धता को और अधिक मजबूत करने वाला महत्वपूर्ण कदम है। महापौर रेणु बाला गुप्ता ने विश्वास व्यक्त करते हुए कहा कि उषा प्रियदर्शी के कुशल नेतृत्व, प्रशासनिक अनुभव और समाज सेवा के प्रति समर्पण से प्रदेश में महिलाओं के अधिकारों के संरक्षण, नारी सम्मान तथा सुरक्षा से जुड़े प्रयासों को नई दिशा और गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि महिला आयोग समाज में महिलाओं की आवाज को सशक्त बनाने और उन्हें न्याय दिलाने की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी निभाता है। महापौर ने कहा कि वर्तमान समय में महिलाओं की सुरक्षा, शिक्षा, आत्मनिर्भरता और सामाजिक भागीदारी को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक है।

पानीपत के औद्योगिक सेक्टर-28 में खुलेंगे नए रेस्टोरेंट

सरकार ने मांगे आवेदन, अधिकतम दो इकाइयों को मिलेगी अनुमति

दो महीने तक ऑनलाइन आवेदन का मौका

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 13 जून। हरियाणा सरकार ने पानीपत के इंडस्ट्रियल सेक्टर-28 में रेस्टोरेंट स्थापित करने के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। शहरी स्थानीय निकाय विभाग की ओर से जारी सार्वजनिक नोटिस के अनुसार सेक्टर-28 (इंडस्ट्रियल जोन) में अधिकतम दो रेस्टोरेंट इकाइयों को अनुमति देने की प्रक्रिया शुरू की गई है। इच्छुक आवेदकों को निर्धारित अवधि के भीतर ऑनलाइन आवेदन करना होगा।

नोटिस के अनुसार यह प्रक्रिया 10 नवंबर, 2017 की नीति और सेक्टर-28 से संबंधित संशोधित विकास योजना प्रावधानों के तहत संचालित की जा रही है। सरकार ने सीमित नेट प्लांड एरिया (एनपीए) के भीतर निर्धारित श्रेणियों की गतिविधियों को अनुमति देने का प्रावधान रखा है। जारी नीति के अनुसार किसी सेक्टर में रेस्टोरेंट जैसी सुविधा को कुल क्षेत्रफल की निर्धारित सीमा के भीतर अनुमति दी जा सकती है। सेक्टर-28 के लिए अधिकतम दो इकाइयों को अनुमति देने का प्रस्ताव रखा गया है। इससे औद्योगिक क्षेत्र में काम करने वाले कर्मचारियों और आने-जाने वाले लोगों के लिए भोजन एवं आतिथ्य सुविधाओं का विकल्प बढने की संभावना है।

विभाग ने स्पष्ट किया है कि आवेदन केवल ऑनलाइन माध्यम से स्वीकार किए जाएंगे और इन्हें सीएलयू पोर्टल के जरिए जमा करना होगा। नोटिस जारी होने की तिथि से दो महीने की अवधि पूरी होने के बाद प्राप्त आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि ऑनलाइन प्राप्त आवेदन निर्धारित समयावधि पूरी होने के बाद विचार के लिए लिए जाएंगे।

सरकार ने कहा है कि आवेदन प्राप्त होने के बाद अंतिम निर्णय लागू नीति, उपलब्ध सीमा और नियमानुसार लिया जाएगा। अनुमति प्रक्रिया के दौरान संबंधित प्रावधानों और स्वीकृति शर्तों का पालन किया जाएगा। इस पहल से सेक्टर-28 में औद्योगिक गतिविधियों के साथ सहायक सेवाओं के विस्तार की संभावना बनेगी। सरकार की मंशा निर्धारित नीति ढांचे के भीतर ऐसी सुविधाओं को विकसित करने की है ताकि औद्योगिक क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं का दायरा बढ़ाया जा सके।

न्यूज ब्रीफ

तीन दिवसीय राष्ट्रीय 'समीक्षा' कार्यक्रम संपन्न

यमुनानगर (अप्रस/वीरेंद्र त्यागी)। डीएवी डेंटल कॉलेज, यमुनानगर में इंडियन सोसाइटी ऑफ पेरियोडोंटोलॉजी एंड इम्प्लांटोलॉजी द्वारा आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय समीक्षा कार्यक्रम का समापन हो गया। कार्यक्रम में देश के विभिन्न राज्यों और नेपाल से आए पोस्टग्रेजुएट विद्यार्थियों को मसूड़ों की बीमारियों, डेंटल इम्प्लांट्स, डिजिटल वर्कफ़्लो, लेज़र तकनीक तथा आधुनिक दंत चिकित्सा पद्धतियों की जानकारी दी गई। पेरियोडोंटोलॉजी विभाग की एचओडी डॉ. निफिया पंडित, डॉ. शालिनी गुगलानी और डॉ. दीपिका के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में विशेषज्ञों ने पेरियोडोंटल सर्जरी, क्लिनिकल केस स्टडी और आधुनिक उपकरणों के उपयोग पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया। विद्यार्थियों ने कहा कि कार्यक्रम से उन्हें आगामी परीक्षाओं और व्यावसायिक जीवन में उपयोगी ज्ञान प्राप्त हुआ। विशेषज्ञ डॉ. डी.एस. कलसी ने मुंह के कैंसर के प्रति जागरूकता पर जोर दिया, जबकि डॉ. विशाखा ग्रोवर ने उपचार में आधुनिक तकनीकों के उपयोग की आवश्यकता बताई। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. आई.के. पंडित ने सभी विशेषज्ञों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और आधुनिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराने के प्रयास आगे भी जारी रहेंगे।

मन व आत्मा की शुद्धि के लिए योग बहुत जरूरीः दर्शना गुप्ता

कैथल (अप्रस/ओम प्रकाश)। हुड्डा सेक्टर 20 के पार्क में चल रहे सह योग शिक्षक प्रशिक्षण शिविर व सर्व रोग निदान शिविर के बाहरवें दिन का शुभारंभ समाजसेवी पूर्व प्रिंसिपल दर्शना गुप्ता व उनके पुत्र अनिल गुप्ता ने दीप प्रज्वलन करके किया। युवा भारत जिला प्रभारी अनिल गुप्ता व शहरी प्रभारी राणा अनिल कुमार आर्य ने योग की सभी क्रियाएं करवाई तथा बारीकी से आसन प्राणायाम करने का तरीका व उनसे होने वाले लाभों के बारे में विस्तारपुर की जानकारी दी। दर्शना गुप्ता ने कहा की योग हमारे जीवन के लिए अति आवश्यक है योग से हमारा पाचन तंत्र बेहतर होता है, प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। शरीर के सभी अंग लचीले बनते हैं, बीपी शुगर संतुलित रहते हैं, तनाव डिप्रेशन समाप्त हो जाता है, एकाग्रता बढ़ती है, नींद अच्छी आती है, मन शांत हो जाता है और आत्मा परिशुद्ध हो जाती है दिन भर ऊर्जा भरी रहती है। उन्होंने उन्होंने कहा कि यह भागवत कार्य है। उन्होंने पतंजलि योग समिति के पदाधिकारीयों व खाटू श्याम सालासर सेवा समिति का धन्यवाद किया और आए हुए साधकों काआह्वन किया कि योग नियमित रूप से अवश्य करें और इस श्रृंखला में अपने मित्र अपने रिश्तेदारों को परिचितों को जरूर जोड़ें। भारत स्वाभिमान प्रभारी शिविर के संयोजक राम चरण ने कहा कि वर्तमान समय में योग ऋषि पूज्य स्वामी रामदेव जी महाराज ने समाज की आवश्यकताओं पर दृष्टि डाली योग का पूरा अध्ययन किया, उसको प्रतिशोधित किया और अपने मेहनत तपोबल से समाज के लिए एक ऐसा पैकेज तैयार किया। दुनिया के करोड़ों लोगों पर योग के बारे में प्रयोग और परीक्षण हो चुके हैं और यह साबित हो चुका है कि इससे नए केवल साधक का शरीर बल्कि उसके मन विचार और चरित्र भी संतुलित और शुद्ध होते हैं। मुख्य अतिथि को समिति की तरफ स्वदेशी उपहार भेंट किया गया। शिविर के उपरांत मनोज सिंगला ने गौतम अग्रवाल की तरफ से प्रसाद वितरित किया गया। इस आयोजन में बदन सिंह आर्य कोषाध्यक्ष, जिला मीडिया प्रभारी नरेश पंवार, तहसील प्रभारी वीरभान कौशिक, जिला प्रचार सचिव प्रेम जांगड़ा, व्यापार प्रकोष्ठ के जिला प्रभारी, पंकज मित्तल, रामफल, सतपाल गुप्ता, ओम प्रकाश, महेंद्र, जसवंत, शकुंतला देवी, रमा देवी, कविता के अलावा सैकड़ों साधक मौजूद रहे।

बिंजलपुर में एक पेड़ माँ के नाम मुहीम के तहत किया पौधरोपण

अर्थ प्रकाश/जयबीर राणा थंबड

बरांडा, 13 जून। वन विभाग द्वारा आयोजित पौधारोपण अभियान के अंतर्गत गांव बिंजलपुर में सरपंच रूलदा राम की देखरेख एवं ग्रामीणों के सहयोग से फलदार एवं औषधीय पौधों का रोपण किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना तथा आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ और हरित वातावरण उपलब्ध कराना रहा। इस अवसर पर पौधारोपण करते हुए उपस्थित लोगों ने पौधों की नियमित देखभाल और संरक्षण का भी संकल्प लिया। कार्यक्रम मे भाजपा जिला उपाध्यक्ष सतप्रकाश बिंजलपुर समेत संख्या में ग्रामीणो ने भी पौधे लगाए। रूलदा राम ने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ते प्रदूषण और घटते हरित क्षेत्र को देखते हुए पौधारोपण अत्यंत आवश्यक हो गया है। उन्होंने कहा कि केवल पौधे लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी सुरक्षा और नियमित देखभाल भी उतनी ही जरूरी है। उन्होंने रोपित पौधों का संरक्षण करने का संकल्प लेते हुए कहा कि पेड़-पौधे मानव जीवन का आधार हैं। सतप्रकाश बिंजलपुर ने कहा कि फलदार एवं औषधीय पौधे न केवल पर्यावरण को शुद्ध करते हैं बल्कि लोगों के स्वास्थ्य और आजीविका में भी सहायक सिद्ध होते हैं। उन्होंने ग्रामीणों से अपील करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाए और उसकी देखभाल अपने परिवार के सदस्य की तरह करे। उन्होंने कहा कि गांव सरकपुर को हराभरा और स्वच्छ बनाने के लिए पंचायत निरंतर प्रयासरत है तथा भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी अभियान जारी रहेंगे।

पुलिस ने किया लग्जरी होटल में सेक्स रैकेट का भंडाफोड़

4 युवतियां और 3 युवक भागने से पहले हिरासत में

अर्थ प्रकाश/शैलेंद्र जैन

करनाल, 13 जून। हरियाणा के करनाल में पुलिस ने एक होटल में सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस के होटल पहुंचते ही वहां मौजूद 4 युवतियां और 3 युवक भागने लगे, लेकिन पुलिस ने सभी को हिरासत में ले लिया। जांच में इस पूरे रैकेट में होटल संचालक और मैनेजर की भूमिका भी सामने आई है।पुलिस जांच में पता चला है कि आरोपी हर कस्टमर से 1 हजार रुपए वसूलते थे। इसमें से 500 रुपए युवतियों को दिए जाते थे, जबकि बाकी 500 रुपए होटल स्टाफ आपस में बांट लेता था। इस संबंध में दोनों पक्षों के बीच पहले से ही समझौता थाअसंध पुलिस को गश्त के दौरान इस सेक्स रैकेट की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस ने एक फर्जी ग्राहक बनाकर होटल में भेजा। छापेमारी के दौरान पुलिस को मौके से विजिटर रजिस्टर, क्यूआर कोड और कंडोम बरामद हुएसेक्स रैकेट की सूचना मिली़ करनाल के असंध में शुक्रवारशाम करीब 7 बजे पुलिस बाईपास सालवन चौक पर गश्त कर रही थी। इसी दौरान सूचना मिली कि जींद रोड स्थित होटल लग्जरी में सेक्स रैकेट चलाया जा रहा है। सूचना मिलते ही पुलिस ने डीएसपी मुख्यालय, करनाल से सर्च वारंट प्राप्त किया और होटल में छापेमारी की तैयारी शुरू कर दी। बोगस ग्राहक बनाकर होटल भेजा़ सूचना की पुष्टि के लिए पुलिस ने अपनी टीम में एक व्यक्ति को शामिल कर उसे फर्जी ग्राहक बनाकर होटल भेजा। होटल पर मौजूद व्यक्ति ने उससे एक हजार रुपए मांगे। बोगस ग्राहक ने यह राशि ऑनलाइन ट्रांसफर कर दी। इसके बाद जैसे ही उसे होटल की पहली मंजिल पर भेजा गया, उसने पुलिस टीम को संकेत दे दिया।10 मिनट बाद पुलिस ने मारी रेड़ इशारा मिलते ही 10 मिनट बाद पीएसआई संदीप टीम के साथ होटल पहुंचे। ग्राउंड फ्लोर के रिसेप्शन पर पुलिस को दो युवक मिले, जिन्होंने अपना नाम मंजीत कुमार और राहुल बताया। इसके बाद पहली मंजिल के 4 कमरों में चार महिलाएं और तीन पुरुष मिले।हर ग्राहक से लेते थे 1 हजार रुपए़ ष्ठस्क्क गोरखपाल राणा ने बताया- गोहाना के रूखी निवासी रामबीर ने यह होटल किराए पर लिया हुआ है। होटल में हाट निवासी मंजीत और बागडू निवासी राहुल मैनेजर हैं। तीनों मिलकर सेक्स रैकेटरैकेट चला रहे थे। वे ग्राहकों को होटल के कमरों में महिलाओं से मिलवाते थे और इसके बदले प्रत्येक ग्राहक से 1 हजार रुपए वसूलते थे।होटल से पकड़ी गई युवतियों को हिरासत में लेकर जाती पुलिस।.रजिस्टर, स्कैनर और कंडोम बरामदष्ठस्क्क गोरखपाल राणा के अनुसार, रिसेप्शन काउंटर से विजिटर रजिस्टर, एक कॉपी और स्कैनर बरामद किया गया। इसके साथ ही 2 कंडोम भी मिले। पुलिस ने सभी सामान को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।ष्ठस्क्क बोले- केस दर्ज कर जांच शुरू कीष्ठस्क्क गोरखपाल राणा ने बताया कि होटल मालिक रामबीर, मैनेजर राहुल, मंजीत कुमार और कस्टमर कृष व विशाल के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। क्कस्ढ्ढ संदीप की शिकायत पर थाना असंध में इनके खिलाफ केस दर्ज किया गया है। कोर्ट से रिमांड मिलने के बाद आरोपियों से आगे की पूछताछ की जाएगी।

केन्द्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में हुआ पौधारोपण कार्यक्रम

वृक्ष प्रकृति का अमूल्य उपहार, मानव जीवन के अस्तित्व के लिए इनका संरक्षण अत्यंत जरूरी : विधायक

अर्थ प्रकाश/वीरता

असंध, 13 जून। केन्द्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए असंध के विधायक योगेन्द्र राणा ने कहा कि वृक्ष प्रकृति का अमूल्य उपहार हैं और मानव जीवन के अस्तित्व के लिए इनका संरक्षण अत्यंत जरूरी है। अधिक से अधिक पौधे लगाकर और उनका संरक्षण कर हम आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित कर सकते हैं।

विधायक शनिवार को सरकार के गौरवशाली 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत वार्ड-1 में फाईव पौंड पर उपमंडल प्रशासन द्वारा आयोजित विशेष पौधरोपण कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। इस दौरान विधायक ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया तथा नागरिकों से अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं उनकी नियमित देखभाल करने का आह्वान किया। इस मौके पर एसडीएम सुमित सिहाग ने भी पौधारोपण कर आमजन को स्वच्छ व सुरक्षित वातावरण बनाएं रखने का संदेश दिया।

पौधारोपण कार्यक्रम में विधायक की अगुवाई में फाईव पौंड तालाब पर स्थानीय जनप्रतिधियों, विभिन्न विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों, समाज सेवियों व गणमान्य नागरिकों द्वारा विभिन्न प्रजातियों के 100 से अधिक पौधे लगाएं गए।

इस अवसर पर नगर पालिका की चेयरपर्सन सुनीता रानी, मार्किट कमेटी के चेयरमैन प्रवीन राणा, मार्किट कमेटी जुंडला के चेयरमैन सुशील शर्मा, नायब तहसीलदार राधेश्याम चावला, नपा सचिव प्रदीप जैन, रामअवतार जिंदल, राजिन्द्र ढिंगड़ा, संदीप लाठर, अमित राणा, मंडलाध्यक्ष हिमांशु छाबड़ा, डॉ बूटी राम, दीपक छाबड़ा, बृज लाल टक्कर, बाबा सुबे सिंह, पार्षदगण व विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी सहित गणमान्य लोग मौजूद रहे।

पीएम स्वनिधि योजना के तहत सफीदों में ऋण मेला आयोजित, रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं को मिला लाभ

अर्थ प्रकाश/दीवान

सफीदों/जीद 13 जून। नगर पालिका सचिव आशीष स्वामी ने बताया कि पीएम-स्व निधि योजना के तहत शुक्रवार को सफीदों की नगर पालिका में पथ-विक्रेताओं के लिये शुक्रवार को ऋण मेले का आयोजन किया गया। इस मौके पर मुकेश, अरुण कटारिया, टीसीओ मोहित ,बैंकर्स, एफ0आई0,टीम सफीदो व लाभार्थी मौजूद थे। इस अवसर पर लाभार्थियों का योजना के तहत 15 से 25 हजार रुपये तक के ऋण मुहैया करवाए गए।

सचिव आशीष स्वामी ने बताया कि जिला नगर आयुक्त के निर्देशानुसार प्रधानमंत्री स्व निधि योजना के छः वर्ष पूर्ण होने पर जिला में गत 1 जून से 30 जून तक नगर परिषद/पालिकाओं में लोक कल्याण मेले का आयोजन किया जा रहा है। इसी कडी में नगर पालिका सफीदों में शुक्रवार को लगे लोक कल्याण मेले मे लगभग 50 पात्र लाभार्थियों ने भाग लिया। राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन द्वारा इस मेले से पीएम स्व निधि योजना के तहत शहरी रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं व अन्य छोटे व्यवसाय जैसे नाई/सैलून सेवा, समाचार पत्र विक्रेता, कपड़े धोने व ईस्त्री (लांड्री), केवल टीवी संचालन, साइकिल मरम्मत, बढ़ईगिरी (कारपेंट्री), कूरियर सेवा, ताला बनाने का कार्य, जूता पॉलिश व मरम्मत (कोबलर), कार्बाइड धुलाई, पैकिंग एवं पैकेजिंग, रंगाई का कार्य, ऑटोमोबाइल सेवाएं, लोहार, पुस्तक बाईडिंग, टेंट सेवा, फोटोकॉपी एवं लमिनेशन, राजमिस्त्री, मजदूर (हेड लोड वर्कर), कबाड़ी घर-घर कचरा संग्रहण, आटा-चावल मिल संचालन वर्कर, फोटो फ्रेम बनाना, लिफाफा निर्माण, परिवहन सेवा/साईकिल रिक्शा चालक, चाकू धारवाला, दातून विक्रय, मानव बालों के अपशिष्ट के बदले बर्तन देना तथा सड़क किनारे मैकेनिक एवं वर्क शॉप सेवा, फूल विक्रय, नारियल विक्रय इत्यादि कार्य करने वालों को इस योजना का लाभ मिलेगा।

नवविवाहिता ने प्रेमी पर शादी के बाद दोबारा ब्लैकमेल करने का लगाया आरोप

अर्थ प्रकाश/शैलेंद्र जैन

करनाल, 13 जून। करनाल जिले के मूनक थाना क्षेत्र के एक गांव की नवविवाहिता ने अपने पहले प्रेमी पर शादी के बाद दोबारा ब्लैकमेल करने, पीछा करने और जान से मारने की धमकी देने के आरोप लगाए हैं। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी पहले उसे बहला-फुसलाकर होटल ले गया था, जहां नशीला पदार्थ देकर गलत काम किया और आपत्तिजनक वीडियो बना लिए।अब वही वीडियो दिखाकर उसे और उसके पति को परेशान किया जा रहा है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।शादी से पहले शुरू हुआ था संपर्कपीड़िता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसकी शादी करीब दो महीने पहले हुई थी। शादी से पहले उसकी गांव के युवक के साथ बातचीत होती थी। इसी दौरान युवक उसे बहला-फुसलाकर सफीदो के एक होटल के कमरे में ले गया, जहां उसके साथ जबरदस्ती की गई और आपत्तिजनक फोटो व वीडियो बना लिए गए।नशीला पदार्थ देकर बनाया शिकारपीड़िता ने बताया कि आरोपी ने उसे नशीला पदार्थ खिलाकर उसके साथ जबरदस्ती संबंध बनाए। इसके बाद वह उन वीडियो और फोटो के जरिए उसे ब्लैकमेल करने लगा। इसी दौरान युवक अपने साथियों के साथ उसे गाड़ी में बैठाकर भीवीडियो और फोटो के जरिए उसे ब्लैकमेल करने लगा। इसी दौरान युवक अपने साथियों के साथ उसे गाड़ी में बैठाकर भी ले गया था, जिसमें एक युवक गाड़ी चला रहा था।इस घटना के बाद जब मामला आरोपी व उसके दोस्त के परिवार तक पहुंचा, तो आरोपी युवक और उसके परिजनों ने माफी मांगते हुए भरोसा दिलाया कि वे आगे कोई परेशानी नहीं देंगे और सभी वीडियो व फोटो डिलीट कर दिए गए हैं। इसी भरोसे पर पीड़िता और उसके पिता ने उस समय कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की।शादी के बाद फिर शुरू हुई ब्लैकमेलिंगपीड़िता ने बताया कि कुछ समय बाद उसकी शादी कर दी गई। लेकिन शादी के कुछ दिनों बाद आरोपी ने अलग इंस्टाग्राम अकाउंट बनाकर उसे और उसके पति को मैसेज भेजने शुरू कर दिए। वह फिर से पुराने वीडियो के नाम पर ब्लैकमेल करने लगा और दबाव बनाने लगा।पति का पीछा कर डराने का आरोपमहिला ने शिकायत में कहा कि जब उसका पति करनाल से घर या दुकान आता-जाता है तो आरोपी युवक, उसका चाचा का लड़का और उसका दोस्त अलग-अलग गाड़ियों में उसका पीछा करते हैं। इतना ही नहीं, आरोपी उसके ससुराल के आसपास भी गाड़ी लेकर घूमते रहते हैं, जिससे परिवार में डर का माहौल बना हुआ है। पीड़िता ने खुद और अपने पति की जान को खतरा बताया है।केस दर्ज कर जांच में जुटी पुलिसपीड़िता ने मामले की शिकायत बल्लाह चौकी को की है।

जमीन के सौदे के नाम पर झूठा इकरारनामा दिखाकर 1 करोड़ से ज्यादा की ठगी

पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू

अर्थ प्रकाश/शैलेंद्र जैन

करनाल, 13 जून। करनाल के जयसिंह पूरा गांव में जमीन के सौदे के नाम पर झूठा इकरारनामा दिखाकर 1 करोड़ से ज्यादा की ठगी करने का केस सामने आया है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि आरोपी ने पहले जमीन का सौदा तय किया, फिर फेक डॉक्यूमेंट दिखाकर लाखों रुपए ले लिए और बाद में उसी जमीन को किसी अन्य व्यक्ति को बेच दिया। फिर पैसे वापस मांगने पर आरोपी ने गाली-गलौज की और चेक देकर भी धोखा किया। पीड़ित ने मामले की शिकायत पुलिस को की है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गांव जयसिंहपुरा निवासी महाबीर ने थाना असन्ध में दी शिकायत में बताया कि वह खेती-बाड़ी करता है। 9 अक्तूबर 2025 को उसका अलावला गांव निवासी शोभा सिंह के साथ 48 कनाल 1 मरला जमीन का सौदा हुआ था। जमीन की कीमत 93 लाख रुपए प्रति एकड़ फिक्स की गई थी। यह जमीन रानी पत्नी महेंद्र और नरेंद्र कौर पुत्री महेंद्र के नाम थी। यह सौदा गोंदर निवासी रवि और अलावला निवासी कमलजीत ने करवाया था। पहले ही दिन 48 लाख और अगले दिन 45 लाख दिए महाबीर के अनुसार, 9 अक्तूबर 2025 को इकरारनामा लिखवाने के बाद शोभा सिंह ने कहा कि वह असली बयाना नहीं लाया है और 2-3 दिन में दे देगा। रवि और कमलजीत केकहने पर उसी दिन 40 लाख रुपए कैश और 8 लाख रुपए आरटीजीएस के जरिए दे दिए गए। इसके अगले दिन 10 अक्तूबर को 45 लाख रुपए का चेक दे दिया गया। तय हुआ था कि बाकी 27 लाख रुपए तब दिए जाएंगे जब असली मालिकों के साथ किया गया बयाना दिखाया जाएगाशिकायतकर्ता ने बताया कि 9 अक्तूबर के बाद वह लगातार शोभा सिंह, रवि और कमलजीत से असली बयाना दिखाने के लिए कहता रहा, लेकिन तीनों टालमटोल करते रहे। इसी दौरान उसे पता चला कि 9 अक्तूबर तक शोभा सिंह के पास असली मालिकों के साथ कोई इकरारनामा था ही नहीं और जो दस्तावेज दिखाया गया था वह नकली था।क्करू31 अक्तूबर को शोभा सिंह ने महाबीर के हिस्सेदार फफड़ाना निवासी सुमित के खाते में 8 लाख रुपए आरटीजीएस किए। इसके बाद रवि और कमलजीत ने कहा कि जमीन में समस्या है और इसे वापस कर दिया जाए। उन्होंने बताया कि शोभा सिंह को कोई दूसरा खरीददार मिल गया है, जो ज्यादा कीमत देने को तैयार है। 23 लाख लेकर रसीद बनाई 6 नवंबर को कमलजीत और रवि महाबीर के पास आए। बातचीत में तय हुआ कि जमीन 98.71 लाख रुपए प्रति एकड़ के हिसाब से वापस शोभा सिंह को दे दी जाएगी। इसमें 5.71 लाख रुपए प्रति एकड़ का मुनाफा और पहले दिए गए 93 लाख रुपए रजिस्ट्री के समय दिए जाएंगे। उसी दिन 15 लाख रुपए कैश और पहले दिए गए 8 लाख मिलाकर कुल 23 लाख रुपए देकर सौदा वापस करने की रसीद बनाई गई। कहा गया कि 15 जनवरी तक रजिस्ट्री कर दी जाएगी। जांच में खुलासा, पहले ही बेच दी थी जमीन जनवरी के अंत में जब महाबीर ने रजिस्ट्री के बारे में पूछा त. कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। अपनी जांच में उसे पता चला कि शोभा सिंह ने 28 अक्तूबर को ही जमीन सनोली निवासी विजेंद्र को बेच दी थी। यानी सौदा वापस करने से पहले ही जमीन किसी और के नाम कर दी गई थी। करीब 20 दिन पहले महाबीर ने रवि और कमलजीत से इस बारे में बात की। इसके बाद महाबीर, रवि, कमलजीत और अलावला निवासी राजेंद्र शोभा सिंह के घर पहुंचे। वहां आरोपी ने माना कि उसने झूठा इकरारनामा दिखाकर 9 अक्तूबर को सौदा किया था और बाद में 13 अक्तूबर को असली मालिकों से इकरारनामा करने के बाद ज्यादा पैसे के लालच में जमीन 28 अक्तूबर को बेच दी। 10 फरवरी तक पैसे लौटाने का वादा, फिर मुकरा शोभा सिंह ने उस समय कहा कि उससे गलती हो गई और वह बीती 10 फरवरी तक सारे पैसे लौटा देगा। लेकिन तय तारीख तक पैसे नहीं दिए। 11 फरवरी को महाबीर, सुमित, राजेंद्र, कमलजीत और रवि उसके घर पहुंचे तो आरोपी ने गाली-गलौज की और साफ कह दिया कि वह एक पैसा भी नहीं देगा।

सम्पादकीय

आसमान छू रही प्रॉपर्टी की कीमतें कितनी वास्तविक, जांच का विषय

चंडीगढ़, मोहाली और पंचकूला में और इसके आसपास क्या आज सामान्य परिवारों के लिए एक अदद आशियाना बनाना आसान है। इन शहरों और इनके आसपास के हालात ऐसे हैं कि यहां घर खरीदने के महज सपने ही लिए जा सकते हैं, उन्हें हकीकत में बदलना मिडिल क्लास के लिए वैध तरीके से संभव नहीं है। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट भी इस संबंध में बीते दिनों टिप्पणी कर चुका है। यह भी सच है कि जिन सरकारी एजेंसियों का काम सस्ती दरों पर प्लॉट या फ्लैट मुहैया करवाना था, वे ही आज प्राइवेट बिल्डरों की भांति काम कर रही हैं या फिर उनसे जैसे होड़ कर रही हैं। यह सभी सरकारी एजेंसियां मुनाफाखोरी कर रही हैं तो इसमें कोई शक नहीं रह जाना चाहिए। जमीन आज के समय में बेशकीमती और चंद पलों में करोड़पति बनने का माध्यम हो गई है। यह भी गौरतलब है कि सरकारी फंड में गबन के पैसे को रियल एस्टेट में लगाया जा रहा है। यानी प्रॉपर्टी की कीमतें वास्तविक नहीं जान पड़ रही। बेशक, जिस हिसाब से विकास की रफ्तार बढ़ रही है, घरों और दूसरे व्यावसायिक कार्यों के लिए जमीन की उपलब्धता कम होती जा रही है, जिससे इसके दामों में इजाफा हो रहा है। हालांकि जिस प्रकार अदालत ने भी इस बात को समझा है कि ट्राईसिटी में सरकार की ओर से संचालित एजेंसियां भी लगातार कीमतों को बढ़ा रही हैं, वह सही है। एक जनकल्याणकारी सरकार का दायित्व जनता के हित में कदम उठाना है, लेकिन सरकारी हाउसिंग एजेंसियों को देखकर लगता है, जैसे वे पूरी तरह से प्रॉफिट बिजनेस मॉडल पर काम कर रही हैं। यह भी सच है कि जैसे उन्हें राजनीतिक निर्देश हासिल हो रहे हैं और इसी आधार पर जमीन की बिक्री शुरू हो रही है। कोई नहीं जान पा रहा कि उस जमीन की खरीद-फरोख्त में किसको कितना हिस्सा पहुंच रहा है। हरियाणा, पंजाब के शहरों में करोड़ों रुपये की कीमत के प्लाट ही बिक्री के लिए रखे गए हैं, यानी प्लॉट की कीमत ही अगर यह है तो फिर उसके ऊपर घर बनाने की कीमत कहां तक पहुंचेगी।

गौरतलब है कि हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, ग्रेटर मोहाली एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी और चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड की ओर से ट्राईसिटी में जिस कीमत पर प्लॉट और फ्लैट नीलाम किए जा रहे हैं, वे पेशेवरों, वेतनभोगी वर्ग और कम संपन्न वर्गों की पहुंच से बाहर हो चुके हैं। पहले सरकारी एजेंसियों के पास ड्रा सहित कई ऐसी योजनाएं थीं, जिनसे आम लोगों को प्लॉट मिल सकते थे लेकिन अब नीलामी की नीति अपनाकर वे अपने वैधानिक उद्देश्य से भटक गई हैं। अदालत का यह कहना सर्वथा उचित है कि सरकारी एजेंसियां वित्तीय रूप से मजबूत हैं और उनके पास पर्याप्त फंड है, इसके बावजूद वे आम लोगों के लिए सस्ते मकान उपलब्ध कराने के बजाय करोड़ों रुपये की न्यूनतम बोली वाले प्लॉट और फ्लैट नीलामी में डाल रही हैं।

दरअसल, हाईकोर्ट ने चंडीगढ़, हरियाणा और पंजाब सरकार को यह निर्देश देकर उचित ही किया है कि वे अदालत के समक्ष ऐसा प्रस्ताव रखें, जिससे आम और वेतनभोगी वर्ग के लिए आवास सुलभ बनाया जा सके। गौरतलब है कि सरकारी एजेंसियों की ओर से शहरों के आसपास जो नए सेक्टर बनाए जा रहे हैं, वहां पर ऑक्शन की जाती है, लेकिन इसके बावजूद वहां रेट इतने ऊंचे होते हैं कि अपर मिडिल क्लास के लोग भी ऐसे रेट देखकर पसीना-पसीना हो जाते हैं। सरकारी नौकरियां कर रहे लोगों के लिए इतने महंगे रेट पर प्रॉपर्टी खरीदना आसान नहीं रह जाता। अगर पूरी आय ईएमआई भरने में ही निकलेगी तो फिर बाकी खर्चों के लिए पैसा कहां से आएगा। यह सरकारों का काम है कि वे आम और वेतनभोगी वर्ग के लिए आवास सुलभ बनाए। यह भी आवश्यक है कि प्लॉट और फ्लैट के आवंटन के लिए ड्रा ऑफ लॉट्स जैसे वैकल्पिक तरीकों को फिर से लागू करने पर विचार किया जाए। अदालत के यह निर्देश आम आदमी और वेतनभोगी वर्ग को दिलासा देने वाले हैं कि सस्ती आवास नीति पर सरकारें ठोस प्रस्ताव पेश करें। हालांकि इसमें पर्याप्त संशय है कि सरकारों के पास ऐसी कोई कार्ययोजना होगी या फिर इसे बनाने के लिए काम होगा।

गौरतलब है कि हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण, ग्रेटर मोहाली एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी और चंडीगढ़ हाउसिंग बोर्ड की ओर से ट्राईसिटी में जिस कीमत पर प्लॉट और फ्लैट नीलाम किए जा रहे हैं, वे पेशेवरों, वेतनभोगी वर्ग और कम संपन्न वर्गों की पहुंच से बाहर हो चुके हैं। पहले सरकारी एजेंसियों के पास ड्रा सहित कई ऐसी योजनाएं थीं, जिनसे आम लोगों को प्लॉट मिल सकते थे लेकिन अब नीलामी की नीति अपनाकर वे अपने वैधानिक उद्देश्य से भटक गई हैं। अदालत का यह कहना सर्वथा उचित है कि सरकारी एजेंसियां वित्तीय रूप से मजबूत हैं और उनके पास पर्याप्त फंड है, इसके बावजूद वे आम लोगों के लिए सस्ते मकान उपलब्ध कराने के बजाय करोड़ों रुपये की न्यूनतम बोली वाले प्लॉट और फ्लैट नीलामी में डाल रही हैं। इस तरह की ऊंची कीमतें मध्यम वर्ग के लिए पूरी तरह से असंभव हैं। मालूम हो, संविधान के अनुच्छेद 21 में जीवन के अधिकार में आश्रय और किफायती आवास का अधिकार भी शामिल है। जमीन की खरीद फरोख्त अब सबसे बड़ा पेशा बन चुकी है और इसमें सरकारें एवं निजी बिल्डर अपना-अपना प्रॉफिट निकालने को बेताब हैं। लेकिन इस आपाधापी में आम आदमी के हाथ से जमीन निकल चुकी है, उसके लिए तो दो गज जमीन भी अब दूर की कौड़ी साबित हो चुकी है।

भारत का सांस्कृतिक पुनरोद्धार काल

दैनिक अर्थ प्रकाश

भारत आज विकास के विभिन्न आयामों में तेज गति से प्रगति कर रहा है। अर्थव्यवस्था, सामाजिक सुरक्षा, ऊर्जा, इन्फ्रास्ट्रक्चर, राष्ट्रीय सुरक्षा, विज्ञान सहित विभिन्न क्षेत्रों में देश नई ऊंचाइयों को छू रहा है। भौतिक प्रगति के इन आयामों में आगे बढ़ते हुए यह भी आवश्यक है कि हम अपनी प्राचीन संस्कृति, इतिहास, धरोहर और विरासत को विस्मृत ना करें। भारत विश्व की प्राचीनतम जीवंत संस्कृतियों में से एक है, शताब्दियों तक विदेशी आक्रांताओं के साथ चले संघर्ष में देश में राजनीतिक सत्ता में परिवर्तन आता रहा, लेकिन भारत अपनी संस्कृति को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक सफलतापूर्वक स्थानांतरित करता रहा। इन वर्षों में हुई राजनीतिक उथल पुथल में हमारे अनेक उपासना स्थल, ग्रंथ, पुस्तकालय, विश्वविद्यालयों का विध्वंस किया गया, लेकिन हमारी संस्कृति और परंपराएं फिर भी जीवित रहीं। सांस्कृतिक भारत पर दूसरी चोट हमारी शिक्षा पद्धति को बदलने से हुई, जिसके द्वारा हमारे अंतर्मन में अपनी संस्कृति के प्रति हीन भावना उत्पन्न करने के प्रयास हुए।

वर्ष 2014 से भारत ने आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन के साथ साथ सांस्कृतिक रूप से भी एक बड़ी करवट ली, जिसे हम संस्कृति के पुनरोद्धार के आरंभ का वर्ष भी कह सकते हैं। सांस्कृतिक भारत आज अपने गौरवशाली अतीत को पुनः स्मरण करते हुए उसके वैभव, उसकी भव्यता को ना सिर्फ पुनर्स्थापित कर रहा है, बल्कि सामाजिक जीवन में भी वह संस्कृति पुनः स्थापित हो रही है। आज हमारे उत्सव, प्राचीन और ऐतिहासिक स्मारक, खान-पान, वस्त्र, कला, नृत्य, संगीत, शास्त्र, शिल्प वैश्विक आकर्षण के केंद्र बन रहे हैं।

भारतीय संस्कृति की बढ़ती स्वीकार्यता: पिछले 12 वर्षों में विश्व में भारतीय संस्कृति की स्वीकार्यता बढ़ी है। आज पूरा विश्व 21 जून को योग दिवस मना रहा है। ये सिर्फ एक शारीरिक व्यायाम नहीं, अपितु यह प्राचीन भारतीय दर्शन हैस जिसे विश्व ने मान्यता दी। मानव जीवन में उसकी उपयोगिता को देखते हुए उसे अपनाया। आज विश्व के अनेक देशों से हमारी धरोहरें वापस देश में लौटीं हैं, जिनकी संख्या भी एक रोचक तथ्य है। वर्ष 2013 से पूर्व मात्र 13 धरोहरों को विदेशों से भारत लाया गया था, जबकि पिछले 12 वर्षों में 640 से अधिक धरोहरें विदेशों से भारत लौटी हैं। ये दर्शाता है कि संस्कृति में सिर्फ परंपराएं ही नहीं, अपितु संस्कृति के प्रतीक चिह्नों को वापस लाने के प्रति भी हमने गंभीरता दिखाई है। ये प्रतीक चिह्न हमारे लिए गौरव का विषय हैं, जो हमारे पूर्वजों की कला, शिल्प और विभिन्न विषयों के ज्ञान की निशानियां हैं, जिनसे हमें प्रेरणा मिलती है।

दुर्गा पूजा और दीपावली जैसे हमारे सामाजिक उत्सवों को यूनेस्को ने विश्व की अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर के रूप में मान्यता दी है। यह मान्यता मात्र उत्सवों को ही नहीं, अपितु इनके पीछे छुपे उन संदेशों को भी मिली है, जो बताती है कि असत्य पर सदैव सत्य की विजय होती है, बुराई हमेशा अच्छाई से पराजित होती है। हमारे प्राचीन इतिहास को भी आज यूनेस्को ने स्वीकारा है। उसका प्रमाण है कि भारत 44 विश्व धरोहर स्थलों के साथ ही विश्व में छटे और एशिया में दूसरे स्थान पर है। यह धरोहरें हमारी विरासत

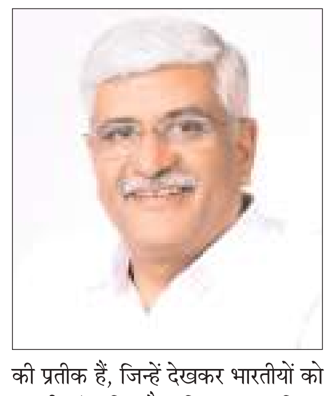

की प्रतीक हैं, जिन्हें देखकर भारतीयों को अपनी संस्कृति और इतिहास का परिचय मिलता है और उस पर गर्व होता है।

भूले और बिखरे ज्ञान का पुनर्संकलन: भारत एक लंबे समय तक विदेशी आक्रांताओं के साथ संघर्षरत रहा है। ज्ञान और संस्कृति का सम्मान ना करने वाले इन विदेशी आक्रमणकारियों ने देश के ज्ञान की अमूल्य विरासत रहे हमारे विश्वविद्यालय, गुरुकुल और पांडुलिपियों में लिखित ज्ञान को नष्ट करने के प्रयास किए। एक लंबे कालखंड में हमारी ज्ञान परंपरा की अमूल्य निधि पांडुलिपियां विभिन्न मठों, मंदिरों, संस्थानों और घरों में संरक्षित की गई, जिन्हें समय के साथ भुला दिया गया। ये दुःख का विषय है कि स्वतंत्रता के बाद भी इन्हें संकलित कर प्राचीन ज्ञान को पुनः प्राप्त करने का कोई प्रयास नहीं किया गया।

आज संपूर्ण देश में ज्ञान भारतम् राष्ट्रीय पांडुलिपि सर्वेक्षण के तहत इन पांडुलिपियों को सूचीबद्ध किया जा रहा है। यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि समस्त भारत से अब तक 88 लाख से अधिक पांडुलिपियां प्राप्त हो चुकी हैं। इस ज्ञान को संकलित करने के साथ ही इन्हें आधुनिकतम तकनीक के साथ डिजिटाइज किया जा रहा है। इनमें लिखित ज्ञान को संरक्षित और सुरक्षित करने के लिए ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) सहित विभिन्न तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। आने वाले समय में यह संकलन हमारी भावी पीढ़ियों को अध्यात्म, विज्ञान, कला, शिल्प जैसे विभिन्न क्षेत्रों में भारतीय प्राचीन ज्ञान और उसकी उत्कृष्टता से परिचित कराएगा और उस पर गर्व करने को प्रेरित करेगा।

संस्कृति के प्रतीक चिह्नों का पुनरोत्थान: भारत के मंदिर, किले, मेले, ऐतिहासिक धरोहर स्थल हमारी गौरवशाली संस्कृति और इतिहास के प्रतीक चिह्न हैं। यह दुःख का विषय है कि स्वतंत्रता के बाद से भारत के इन सांस्कृतिक स्थलों की उपेक्षा की गई। कुछ ही स्मारकों का वैश्विक स्तर पर प्रचार प्रसार किया गया। यह मंदिर भारत की विविधता भरी संस्कृति को एक सूत्र में जोड़ कर रखते हैं। देश के धार्मिक और सांस्कृतिक स्थल वर्षों से उपेक्षा और अव्यवस्था का शिकार रहे। पिछले 12 वर्षों में इन स्थलों का कायाकल्प किया गया है। आज भारत में देश की प्राचीन संस्कृति के वाहक रहे काशी विश्वनाथ धाम, महाकाल लोक कॉरिडोर, केदारनाथ, सोमनाथ सहित विभिन्न मंदिरों और तीर्थनगरियों का व्यापक विकास किया गया है, श्रद्धालुओं के लिए वहां सुविधाएं विकसित की गई हैं, जिससे आध्यात्मिक पर्यटन बढ़ने के साथ स्थानीय अर्थव्यवस्था मजबूत हुई। युवाओं में अपनी संस्कृति के प्रति जागरुकता भी आई। आज इन स्थानों पर आने वाले युवाओं की बढ़ती संख्या भारतीय संस्कृति के पुनरोत्थान का प्रतीक है। इन स्थानों के विकास और यहां की यात्राओं से युवाओं में अपनी संस्कृति के प्रति गर्व का एहसास बढ़ा है।

विरासत भी, विकास भी: आज हमारी संस्कृति के प्रतीक चिह्न हमारे धार्मिक स्थल, मंदिर, धार्मिक मेले स्थानीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ बने हुए हैं। आध्यात्मिक पर्यटन बढ़ने से स्थानीय इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास के साथ ही इन नगरों में आर्थिक गतिविधियां बढ़ी हैं, जिससे लोगों की जीवनशैली में व्यापक सुधार हुआ है।

आज ऋषिकेश, अयोध्या, प्रयागराज, काशी सहित भारत के विभिन्न आध्यात्मिक नगरों में विदेशी पर्यटक बड़ी संख्या में भारतीय संस्कृति को जानने और समझने के लिए आ रहे हैं। भारतीय संस्कृति की व्यापकता से अभिभूत हो रहे हैं। इससे ना सिर्फ भारत की संस्कृति को प्रचार प्रसार मिल रहा है बल्कि अर्थव्यवस्था को भी लाभ पहुंच रहा है।

जड़ों से जुड़ता भारत: आज भारत अपनी प्राचीन विरासत पर गर्व करते हुए आधुनिक विश्व के साथ कदम से कदम मिलाकर आगे बढ़ रहा है। आज भारत भूली बिसरा दी गई अपनी संस्कृति के पुनर्जागरण का एक नया अध्याय लिख रहा है। अनेक शताब्दियों तक संघर्ष में उलझा रहा भारत एक नई करवट के साथ आज अपनी पुरानी आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पहचान को पुनर्स्थापित कर रहा है। भारत आज विश्व को बता रहा है कि कैसे प्राचीन परंपरा और संस्कृति के साथ आधुनिकता को अपनाया जा सकता है, आने वाला समय नए भारत का है। भविष्य में भारत का विचार, भारत का दर्शन, भारत की संस्कृति विश्व को नई दिशा देने जा रही है।

–गजेन्द्र सिंह शेखावत
(लेखक केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री, भारत सरकार है)

अर्थ प्रकाश में 34 साल पहले आज का दिन

सेक्टर 44 में दुकानदार की हत्या, हत्यारे घर का सामान भी ले गए

चंडीगढ़। सेक्टर 44 में कुछ अज्ञात व्यक्तियों द्वारा हरबंस सिंह नामक एक व्यक्ति की हत्या कर दिए जाने का समाचार है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक हरबंस सिंह बुड़ैल में कन्फैक्शनरी आदि की दुकान चलाता था। रविवार की रात वह घर पर अकेला ही था। सूत्रों के अनुसार उसके परिवार के अन्य सदस्य किसी धार्मिक यात्रा पर गये हुए थे। घर में अकेला पाकर कुछ लोगों ने रात को उसके घर में घुस कर तेज धार हथियारों से हरबंस सिंह की हत्या कर डाली तथा उसका एक रंगीन टीवी, एक वीसीपी, एक टू इन वन तथा अन्य सामान उठा ले गए। पुलिस सूत्रों के अनुसार हरबंस सिंह की मृत्यु का पता गत शाम उस समय लगा जब हरबंस सिंह के दुकान पर न पहुंचने के बाद उसका भतीजा उसकी तलाश करते हुए घर पहुंचा। हरबंस सिंह के घर के ताले टूटे पाकर तथा उसका शव देखकर उसके भतीजे ने पुलिस को सूचित किया। लेकिन इस सारी घटना के पीछे किसका हाथ है इस बारे में अभी तक कोई सुराग नहीं लग सका है। पुलिस ने धारा 450, 302 के तहत मामला दर्ज करके छानबीन शुरु कर दी है।

सरकार संविधान संशोधन विधेयक पेश करने से मुकरी

नई दिल्ली। सरकार ने आज यह कह कर संसद को हैरान कर दिया जब विधि राज्यमंत्री हंसराज भारद्वाज ने कहा कि चुनाव आयोग को बहुसदस्यीय संस्था बनाई जाने संबंधी संविधान संशोधन विधेयक पेश करने का कोई इरादा नहीं है। जबकि वास्तव में संसद का विशेष अधिवेशन इस प्रस्तावित संविधान विधेयक की पास करवाने के लिए ही बुलाया गया था। सरकार के इस निर्णय पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए पूर्व प्रधानमंत्री चन्द्रशेखर ने इसे संसद की अवमानना बताया तथा सरकार के त्यागपत्र की मांग की। भाजपा नेता अटल बिहारी वाजपेयी ने भी सरकार की इस कार्रवाई के लिए कड़ी निंदा की है। दूसरी ओर सरकार की तरफ से सफाई देते हुए विधि मंत्री ने कहा कि क्योंकि सरकार संशोधन विधेयक बारे आम राय नहीं बना पाई है इसीलिए सरकार का विधेयक लाने का कोई इरादा नहीं है। सत्ता पक्ष को कुमारी ममता बनर्जी ने जल्दबाजी में संशोधन विधेयक पेश न किए जाने के लिए बधाई दी।

ज्ञान सागर : देखें आज के दिन क्या घटा

1444	भारतीय खगोलशास्त्री और गणितज्ञ नीलकंठ सोमयाजी का जन्म।	1996	भारतीय महिला मुक्केबाज़ निखत ज़रीन का जन्म।
1595	सिखों के छठे गुरु गुरु हरगोविंद सिंह का जन्म।	1999	थाबो मबेकी दक्षिण अफ़्रीका के राष्ट्रपति निर्वाचित।
1880	भारतीय राष्ट्रवादी, वैज्ञानिक और आविष्कारक सतीश चंद्र दासगुप्ता का जन्म।	2001	जांच आयोग ने राजकुमार दीपेन्द्र को ही नेपाल के शाही परिवार का हत्यारा बताया।
1900	'हवाई' क्षेत्र अमेरिका का 50वां राज्य बना।	2004	पंचशील सिद्धान्त की 50वीं वर्षगांठ पर बीजिंग में अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार।
1901	पहली बार गोल्फ प्रतियोगिता का आयोजन हुआ।	2005	माइकल जैक्सन बच्चों के साथ यौन दुर्व्यवहार से जुड़े 10 मामलों में बरी।
1905	भारतीय शास्त्रीय संगीतकार हीराबाई बरोदकर का जन्म।	2007	चीन के गोवी रेगिस्तान में पक्षीनुमा विशाल डायनसोर के जीवाश्म मिले।
1920	प्रसिद्ध जर्मन दार्शनिक एवं इतिहासकार मैक्स वेबर का निधन।	2011	रुद्रवीणा वादक असद अली ख़ां का निधन।
1922	फिल्म मुगल-ए-आजम के निर्देशक के. आसिफ का जन्म।	2012	विशाखापत्तनम में भारतीय इस्पात संयंत्र में विस्फोट से 11 लोगों की मौत हो गयी और 16 घायल हो गये।
1946	अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का जन्म।		
11949-	वियतनाम राष्ट्र का गठन।		
1958	डॉ. सीवी रमन को क्रेमलिन में लेनिन शांति पुरस्कार प्रदान किया गया।	2013	उत्तराखंड की केदारनाथ घाटी में आई तबाही।
1961	प्रसिद्ध भारतीय भौतिक वैज्ञानिक कार्यमाणिवकम श्रीनिवास कृष्णन का निधन।	2014	प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को भारतीय नौसेना ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया।
1969	जर्मनी की टेनिस स्टार स्टेफी ग्राफ का जन्म।	2020	भारतीय फिल्म अभिनेता, थियेटर और टीवी कलाकार सुशांत सिंह राजपूत का निधन।

बोल ब्यूटीफुल

विष्णु सोम: सबसे भयानक विमान

हादसों में से एक में 260 लोगों की मौत के एक साल बाद भी जांच के बारे में हमारे पास बस यही जानकारी है कि न कोई शुरुआती रिपोर्ट, न ही कोई फाइनल रिपोर्ट। फाइनल रिपोर्ट आने में ज्यादा समय लग सकता है, लेकिन यह बहुत निराशाजनक है कि जिन परिवारों ने अपनों को खोया है, उन्हें अब तक कोई समाधान या राहत नहीं मिली है।

डा. अवनींद राय: आजकल चुनावी रणनीतिकार बहुत है, संगठन शिल्पी भी मिल जाते है, लेकिन वर्तमान परिस्थितियों में तो पार्टी टूट बचाओ विशेषज्ञ का पद भी अब हर दल में आवश्यक होता जा रहा है।

नवनीत मिश्रा: तृणमूल में लगातार टूट की खबरे यही साबित करती है कि क्षेत्रीय दलों की कोई विचारधारा नहीं होती। यहां सब कुछ सुविधा पर टिका होता है। सुविधाएं खत्म तो रिश्ता खत्म।

संजय निरुपम: जसपाल राणा के आकस्मिक निधन ने पूरे देश को झकझोर दिया है। उन्होंने खुद तो देश का नाम रोशन किया ही, शूटिंग की दुनिया में भारत का नाम चमकाने वाले नए शूटर भी तैयार किया।

आंकड़ों से आपूर्ति तक : आईसीएमआर बेहतर भविष्य के लिए भारत के स्वास्थ्य अनुसंधान को नए सिरे से आकार दे रहा

दैनिक अर्थ प्रकाश

एक सदी की मौन क्रांति, एक दशक का जरूरी सुधार और विकसित भारत 2047 का रोडमैप

प्रभाव अकेले किसी व्यक्ति से नहीं– बल्कि प्रणालियों के तालमेल से संभव होता है। साथ मिलकर, हम आंकड़ों से, निर्णय, और फिर प्रभाव छोड़ने तक की यात्रा पूरी करेंगे।

अब जबकि देश 'विकसित भारत 2047' के सपने को साकार करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, हमारे सामने सवाल सिर्फ बीमारियों का इलाज करने के तरीकों का नहीं, बल्कि भविष्य की जरूरतों का अनुमान लगा लेने वाली एक ऐसी स्वास्थ्य प्रणाली के निर्माण का भी है जो सबके लिए न्यायसंगत और नई सोच पर आधारित हो। इस बदलाव के केन्द्र में स्वास्थ्य अनुसंधान का एक ऐसा नया दृष्टिकोण है, जो आंकड़ों (डेटा) को निर्णयों से और फिर निर्णयों को प्रभाव से जोड़ता है। कोविड-19 महामारी से मिले कठोर अनुभवों से सीख लेते हुए, जैव-चिकित्सा अनुसंधान (बायोमेडिकल रिसर्च) की देश की शीर्ष संस्था, इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर) ने भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए कई सुधार किए हैं। इन सुधारों में संस्थागत ढांचे को नए सिरे से तैयार करने से लेकर अनुसंधान के लिए फंड देने और उसे असरदार नतीजों में बदलने के तरीकों को ठोस बनाना शामिल है। जो प्रणाली कभी बिखरी हुई और जांचकर्ताओं की पूछताछ पर टिकी थी, वह अब तकनीक द्वारा संचालित और लक्ष्यों पर केन्द्रित एक इकोसिस्टम में बदल रही है। यह बदलाव महज प्रशासनिक नहीं, बल्कि दार्शनिक भी है। यह राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के अनुरूप, संस्थान-आधारित समन्वित अनुसंधान की दिशा में एक ऐसी सोची-समझी पहल को दर्शाता है, जहां विज्ञान का उद्देश्य सिर्फ ज्ञान का सृजन करना नहीं बल्कि सार्वजनिक स्वास्थ्य की गंभीर चुनौतियों का समाधान करना भी है।

इस बदलाव का एक मुख्य आधार आईसीएमआर के संस्थागत ढांचे का पुनर्गठन है। हालिया सुधारों ने कई संस्थानों के दायित्वों को बढ़ाया है और उन्हें सीमित दायरे वाली इकाइयों के बजाय अंतर-विषयक केन्द्रों के रूप में नई पहचान दी है। डिजिटल हेल्थ एवं डेटा साइंस, बच्चों की सेहत, महिलाओं की सेहत, और खून व प्रतिरक्षा प्रणाली से जुड़ी बीमारियों जैसे क्षेत्रों की ओर संस्थानों का झुकाव, भारत में बीमारियों के बदलते स्वरूप और तकनीकी क्षमताओं को दर्शाता है। देश भर में - पूर्वोत्तर के डिब्रूगढ़ से लेकर पश्चिम के जोधपुर तक - क्षेत्रीय 'नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ रिसर्च' के नेटवर्क का निर्माण एक और अहम कदम है। ये संस्थान राज्य और जिला स्तर की स्वास्थ्य प्रणालियों के साथ मिलकर संक्रियात्मक अनुसंधान (ऑपरेशनल रिसर्च) करेंगे, ताकि जरूरी अनुसंधान और उसके नतीजों का जमीनी स्तर पर सदुपयोग सुनिश्चित किया जा सके। ये कोई मामूली बदलाव नहीं हैं, बल्कि भविष्य की जरूरतों के अनुरूप तैयार विज्ञान की दिशा में एक ऐसे रणनीतिक बदलाव का संकेत हैं जिसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, जीनोमिक्स और रियल-टाइम डेटा सिस्टम सार्वजनिक स्वास्थ्य से जुड़े निर्णयों में अहम भूमिका निभाते हैं।

अलग-थलग रहकर काम करने के तरीके से हटकर एक आपस में जुड़े हुए राष्ट्रीय अनुसंधान इकोसिस्टम की दिशा में बढ़ना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। अब संस्थानों को ऐसे रिसोर्स सेंटरों के तौर पर देखा जा रहा है जो एक साझा राष्ट्रीय मिशन में योगदान दें और किसी एक स्थान पर मिले साक्ष्यों का उपयोग पूरे देश में कार्रवाई के लिए किया जाना सुनिश्चित करें। प्रणालीगत-स्तर की यह सोच एक ऐसे दौर में बेहद जरूरी है जब स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियां ङ्क चाहे वे रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस) या महामारी या फिर गैर-संचारी रोगों से जुड़ी हों ङ्क जटिल और आपस में जुड़ी हुई हैं। संस्थागत सुधारों के साथ-साथ, अनुसंधान से संबंधित फंडिंग इकोसिस्टम को बुनियादी तौर पर फिर से तैयार करना भी जरूरी है। फंडिंग के तरीके की दृष्टि से, आंतरिक (इंट्रा-म्यूरल) और बाह्य (एक्स्ट्रा-म्यूरल) अनुसंधान के बीच का विभाजन बिल्कुल साफ है। लेकिन साथ ही, उन्हें एक अपेक्षाकृत अधिक एकजुट और नतीजे पर केन्द्रित ढांचे के जरिए जोड़ा जाता है। आंतरिक अनुसंधान (इंट्राम्यूरल रिसर्च) अब मुख्य रूप से संस्थान की पहल पर की जाती है। यह स्पष्ट रूप से तय लक्ष्यों के अनुरूप होती है और अनुसंधान के नतीजों को असल इस्तेमाल में लाने की प्रक्रिया को

तेज करने के लिए इसे एक तय समय-सीमा के भीतर व्यवस्थित किया जाता है। दूसरी ओर, बाह्य अनुसंधान (एक्स्ट्रा-म्यूरल रिसर्च) को चार चरणों वाले नवाचार चक्र - विवरण, खोज, विकास और आपूर्ति - में फिर से व्यवस्थित किया गया है। इससे अच्छे विचारों को व्यवस्थित तरीके से ऐसे समाधानों में बदला जाना सुनिश्चित होता है, जिन्हें बड़े पैमाने पर लागू किया जा सके। प्रयोगशाला में की गई खोज से लेकर आम लोगों तक सेवा पहुंचाने तक की यह समन्वित प्रक्रिया, परियोजनाओं को फंड देने के बजाय समाधान तैयार करने की दिशा में एक अहम बदलाव है। इसे 'नेशनल हेल्थ रिसर्च प्रोग्राम' (एनएचआरपी) से और मजबूती मिलती है। इस कार्यक्रम ने रोगाणुरोधी प्रतिरोध (एंटीमाइक्रोबियल रेजिस्टेंस) एवं क्षय रोग से लेकर मानसिक स्वास्थ्य, पोषण और आपातकालीन देखभाल (इमरजेंसी केयर) जैसे तेरह प्राथमिकता वाले क्षेत्रों की पहचान की है। मिशन-मोड वाले ये कार्यक्रम वैसे विविध संस्थानों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्य से बनाए गए हैं, जिन्हें बड़े निवेश और असल नतीजों पर साफ फोकस का समर्थन हासिल है।

तकनीक भी परिवर्तनकारी भूमिका निभा रही है। डायग्नोस्टिक्स, निगरानी और कार्यक्रम को लागू करने की प्रक्रिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को शामिल करने से शहरी और ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं के बीच लंबे समय से चली आ रही खाई को पाटने में मदद मिल रही है। जहां क्षय रोग (टीबी) और डायबिटिक रेटिनोपैथी की जांच में एआई-आधारित उपकरण पहले से ही अग्रिम पंक्ति के स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की मदद कर रहे हैं, वहीं एआई-संचालित पोषण संबंधी निगरानी (न्यूट्रिशनल मॉनिटरिंग) जैसे रचनात्मक कदम बड़े पैमाने पर कार्यक्रम के कार्यान्वयन को बेहतर बना रहे हैं। टीके (वैक्सीन) पहुंचाने से शुरू हुई और अब कॉर्निया जैसी जरूरी चिकित्सीय आपूर्ति सुनिश्चित करने की विस्तारित भूमिका निभाने वाली 'आई-ड्रोन' पहल, इस बात को दर्शाती है कि कैसे आधुनिक तकनीक भौगोलिक बाधाओं को पार करके समुदायों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचा सकती है। विज्ञान के मोर्चे पर, चिकित्सा तकनीक (मेडटेक) के दायरे में हो रही प्रगति - जिसमें चिकित्सीय उपकरणों एवं डायग्नोस्टिक्स से लेकर अगली पीढ़ी के टीके और इलाज के तरीके शामिल हैं - मरीजों पर केन्द्रित और अधिक सटीक इलाज को संभव बना रही है। इसके साथ ही, नए एवं साक्ष्यों पर आधारित मॉडलों के जरिए पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों को शामिल करने की प्रक्रिया को दुनिया भर में पहचान मिल रही है। स्थानीय स्तर पर रचनात्मकता को बढ़ावा देने के कदमों से इन प्रयासों को और मजबूती मिल रही है। 'फर्स्ट इन द वर्ल्ड चैलेंज' जैसी योजनाओं के साथ-साथ 'मेडटेक-मित्र' और 'मेडिकल इनोवेशन-पेटेंट मित्र' जैसे प्लेटफॉर्म, अनुसंधान से लेकर व्यावसायीकरण तक की यात्रा को गति दे रहे हैं। इससे सरकारी फंडिंग से होने वाली वैज्ञानिक प्रगति का लोगों के लिए सस्ती एवं आसानी से उपलब्ध होने वाली तकनीक में बदल जाना सुनिश्चित हो रहा है।

हालांकि, इन सुधारों की असली परख जन-स्वास्थ्य पर इनके प्रभाव से होती है। 'इंडिया हाइपरटेंशन कंट्रोल इनिशिएटिव' जैसी पहलों ने यह दिखाया है कि साक्ष्यों पर आधारित रणनीतियां कैसे बड़े पैमाने पर पुरानी बीमारियों के प्रबंधन में बदलाव ला सकती हैं। आपातकालीन देखभाल (इमरजेंसी केयर) के क्षेत्र में मिशन-मोड प्रोग्राम, जिनमें मोबाइल स्ट्रोक यूनिट और तेजी से काम करने वाले कार्डियक रिस्पॉन्स सिस्टम शामिल हैं, जानलेवा स्थितियों में इलाज के नतीजों को नए सिरे से परिभाषित कर रहे हैं। डायग्नोस्टिक नेटवर्क का विस्तार और स्वदेशी तकनीकें, कैंसर से लेकर संक्रामक बीमारियों के प्रकोप तक की विभिन्न बीमारियों का शीघ्र पता लगाने और उनके इलाज की प्रक्रिया को बेहतर बना रही हैं। ये कोशिशें 'राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017' के अनुरूप हैं, जो बीमारी से बचाव और स्वास्थ्य को बढ़ावा देने, सभी के लिए स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ बनाने और अच्छी गुणवत्ता वाली देखभाल पर जोर देती हैं। ये समानता के प्रति एक व्यापक प्रतिबद्धता को भी दर्शाती हैं ताकि वैज्ञानिक प्रगति का लाभ इलाके या सामाजिक-आर्थिक स्थिति के बंधनों से परे हर नागरिक तक पहुंचे। भविष्य की ओर देखते हुए, हमारा दृष्टिकोण बिल्कुल स्पष्ट है। आईसीएमआर एक उत्प्रेरक के तौर पर काम करना जारी रखेगा और एक मजबूत व तेजी से सक्रिय होना वाला स्वास्थ्य इकोसिस्टम बनाने हेतु अनुसंधानकर्ताओं, डॉक्टरों, नीति-निर्माताओं और उद्योग जगत को एक मंच पर लाएगा। वर्ष 2047 का रोडमैप डिजिटल हेल्थ, बायो-मैन्यूफैक्चरिंग और सतत विकास (सस्टेनेबल डेवलपमेंट) के क्षेत्र में हुई प्रगति से तय होगा, जिसमें क्षमता विकास और वैश्विक सहयोग पर खास जोर दिया जाएगा। यह समझना जरूरी है कि स्वास्थ्य अनुसंधान कोई अलग-थलग रहकर किया जाने वाला काम नहीं, बल्कि यह एक सामूहिक राष्ट्रीय प्रयास है। आईसीएमआर में हो रहा बदलाव सभी हितधारकों को इस यात्रा में शामिल होने, मिलकर समाधान तैयार करने और यह सुनिश्चित करने का एक न्योता है कि विज्ञान सबसे सार्थक तरीके से समाज की सेवा करे। स्वास्थ्य अनुसंधान प्रणाली में सुधार अपने आप में कोई अंतिम लक्ष्य नहीं है। यह वह नींव है जिस पर एक स्वस्थ, अधिक न्यायसंगत और अधिक सुदृढ़ भारत का निर्माण होगा - एक ऐसा भारत जहां हर खोज का लाभ लोगों तक पहुंचेगा और हर नए कदम का प्रभाव वास्तव में दिखाई देगा।

–डॉ. राजीव बहल,
(लेखक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग के सचिव और भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के महानिदेशक हैं)

प्रदेश सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ अधिक से अधिक पशुपालकों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध

शिमला। हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी दूध उत्पादक संघ (मिल्कफेड) द्वारा पशुपालकों के हितों को ध्यान में रखते हुए तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ अधिक से अधिक ग्रामीण परिवारों तक पहुंचाने के उद्देश्य से दूध खरीद व्यवस्था में एक महत्त्वपूर्ण निर्णय लिया गया है।

राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने आज यहां बताया कि सरकार द्वारा दूध उत्पादकों को न्यूनतम समर्थन मूल्य उपलब्ध करवाए जाने के उपरांत प्रदेश में दूध उत्पादन एवं सहकारी व्यवस्था के प्रति पशुपालकों की सहभागिता में निरंतर वृद्धि हुई है। राज्य सरकार ने ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए गाय के दूध पर न्यूनतम समर्थन मूल्य को 32 रुपये से बढ़ाकर 61 रुपये प्रति किलो और भैंस के दूध पर 47 रुपये से बढ़ाकर 71 रुपये प्रति किलो किया है। न्यूनतम समर्थन मूल्य का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि इसका लाभ केवल सीमित परिवारों तक न रहकर प्रदेश के अधिकाधिक दूध उत्पादकों, विशेषकर छोटे एवं सीमांत पशुपालकों तक पहुंचे। दो वर्षों में मिल्कफेड में दूध उत्पादकों की भागीदारी 28,645 से ब?कर 42,500 तक पहुंच गई है। दूध संग्रहण भी 1.57 लाख लीटर प्रतिदिन से ब?कर 2.20 लाख लीटर प्रतिदिन हो गया है। यह वृद्धि प्रदेश के पशुपालकों के बढ़ते विश्वास एवं दूध क्षेत्र के विस्तार को दर्शाती है।

प्रवक्ता ने बताया कि इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए दूध खरीद पर प्रति पशुपालक प्रतिदिन अधिकतम 20 लीटर की सीमा निर्धारित करने का निर्णय लिया गया है। इस व्यवस्था का उद्देश्य अधिक से अधिक नए दूध उत्पादकों को सहकारी ढांचे से जोड़ना तथा ग्रामीण परिवारों की आय में वृद्धि के अवसर उपलब्ध करवाना है।

सुक्खू सरकार ने बल्क ड्रग पार्क को दी नई रफ्तार, 20 एमवीए बिजली आपूर्ति व्यवस्था के लिए 28.50 करोड़ मंजूर

अर्थ प्रकाश/रोहित शर्मा

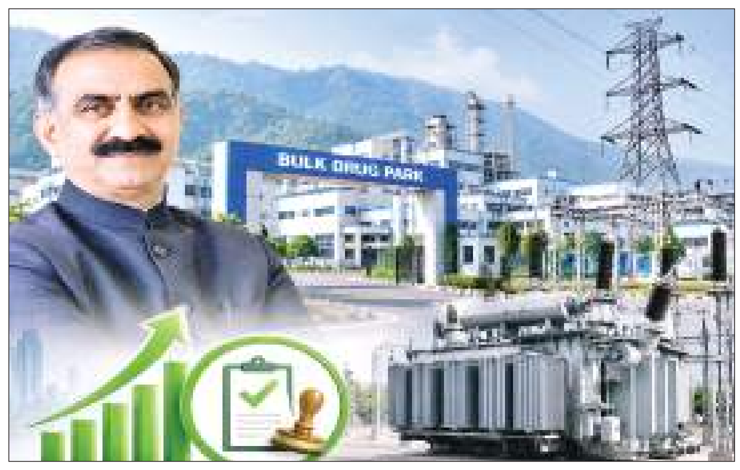

ऊना, 13 जून। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने राष्ट्रीय महत्व की बल्क ड्रग पार्क परियोजना को नई रफ्तार देते हुए जिला ऊना के हरोली में निर्माणाधीन बल्क ड्रग पार्क के लिए 20 एमवीए बिजली आपूर्ति व्यवस्था विकसित करने हेतु 28 करोड़ 50 लाख 54 हजार 28 रुपये की प्रशासनिक एवं व्यय स्वीकृति प्रदान की है। इस राशि से पार्क में स्थापित होने वाले उद्योगों के लिए विश्वसनीय एवं पर्याप्त बिजली आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि उपमुख्यमंत्री एवं हरोली के विधायक मुकेश अग्निहोत्री के सतत प्रयासों से इस महत्वाकांक्षी परियोजना को लगातार नई गति मिल रही है। परियोजना के लिए चरणबद्ध ढंग से सभी आवश्यक सुविधाओं का विकास किया जा रहा है, ताकि इसे शीघ्र धरातल पर उतारकर हिमाचल प्रदेश को देश के अग्रणी फार्मा एवं औद्योगिक केंद्र के रूप में स्थापित किया जा सके।

देश के केवल तीन बल्क ड्रग पार्कों में शामिल है हरोली परियोजना : 2,000 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित हो रही हरोली बल्क ड्रग पार्क परियोजना देशभर में स्थापित किए जा रहे केवल तीन बल्क ड्रग पार्कों में से एक है। इस परियोजना में केंद्र और राज्य सरकार एक-एक हजार करोड़ रुपये का समान निवेश कर रही हैं। यह परियोजना एक्टिव फार्मास्यूटिकल इंग्रीडिएंट्स (एपीआई) के घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने, दवाओं के कच्चे माल के लिए विदेशी निर्भरता कम करने तथा भारत को वैश्विक फार्मा आपूर्ति श्रृंखला में अधिक प्रतिस्पर्धी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

हजारों युवाओं के लिए खुलेगा रोजगार का नया द्वार : उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री का कहना है कि बल्क ड्रग पार्क परियोजना हरोली को राष्ट्रीय और वैश्विक औद्योगिक मानचित्र पर नई पहचान दिलाने के साथ-साथ प्रदेश के औद्योगिक भविष्य को भी नई दिशा देगी। उन्होंने कहा कि यह महत्वाकांक्षी परियोजना आने वाले समय में क्षेत्र को आधुनिक औद्योगिक हब के रूप में विकसित करेगी तथा स्थानीय युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार और स्वरोजगार के अवसर सृजित होंगे।

तेजी से मजबूत हो रही परियोजना की बुनियाद

प्रदेश सरकार द्वारा बल्क ड्रग पार्क के लिए आवश्यक सुविधाओं के विकास को प्राथमिकता दी जा रही है। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंद्र सिंह सुक्खू पहले ही परियोजना के तहत 250 करोड़ रुपये के साइट विकास एवं अन्य विकास कार्यों का शिलान्यास कर चुके हैं। इसके अतिरिक्त लगभग 66 करोड़ रुपये की पेयजल योजनाओं के कार्य पूर्ण किए जा चुके हैं, जबकि भविष्य की जरूरतों को देखते हुए 175 करोड़ रुपये की नई पेयजल योजना पर भी तेजी से कार्य चल रहा है। अब 20 एमवीए बिजली आपूर्ति व्यवस्था के लिए 28.50 करोड़ रुपये की मंजूरी से परियोजना को एक और महत्वपूर्ण मजबूती मिली है।

टेनिस वॉलीबॉल नेशनल चैंपियनशिप में पुरुष वर्ग के 22 और महिला वर्ग के 14 मुकाबले हुए

अर्थ प्रकाश/यशपाल कपूल

सोलन। हिमाचल की नेरवा में चल रही 28वीं नेशनल टेनिस वॉलीबॉल चैंपियनशिप के दूसरे दिन पुरुष वर्ग में 22 और महिला वर्ग में 14 रोमांचक मुकाबले हुए। हिमाचल की बेटियों ने सर्विस से धूम मचा दी, तो बेटों ने स्पाइक से स्टेडियम हिला दिया। कल के बाद अब सेमीफाइनल की रेस और तेज हो गई है। फाइनल मुकाबले कल होंगे।

पुरुषों के 22 मुकाबले दिनभर चले। कल फाइनल - अब हर सर्विस, हर पॉइंट नेशनल टीम के सपने के लिए है।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में राजकुमारी दिव्या कुमारी ने शिरकत की, विशिष्ट अतिथि के रूप में खेल जगत का सितारा अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी बालवीर सूरी, सेवानिवृत्ति तहसीलदार एच एल घेजटा, जितेंद्र बरागटा ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवा कर खिलाड़ियों के खेल कौशल की सराहना करते हुए आयोजित समिति का राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतिस्पर्धा नेरवा में करवाने के लिए धन्यवाद किया

शाला पंचायत के जीवानंद ने बढ़ाया क्षेत्र का मान, सहकारी बैंक में बने वरिष्ठ प्रबंधक

अर्थ प्रकाश/सुभाग सचदेवा

गोहर, 12 जून। उपमंडल गोहर की ग्राम पंचायत शाला के अंतर्गत आने वाले गांव खाननु के 43 वर्षीय जीवानंद को हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी बैंक में वरिष्ठ प्रबंधक पद पर पदोन्नत किए जाने पर पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है। उनकी इस उपलब्धि पर क्षेत्रवासियों, मित्रों और शुभचिंतकों ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं।

जीवानंदनाचन विधानसभा क्षेत्र के खाननु के एक साधारण एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवार से संबंध रखते हैं। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा राजकीय विद्यालय शाला, चच्योट और चैल चौक से प्राप्त की, जबकि स्नातक की शिक्षा राजकीय महाविद्यालय बासा से पूरी की।

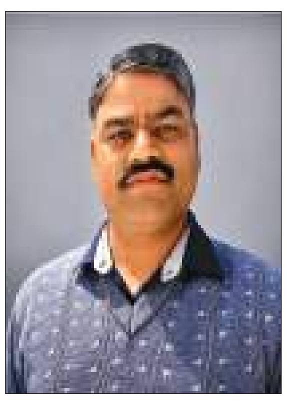

आर्थिक तंगी के कारण उनकी पढ़ाई में कई बार बाधाएं आई। परिस्थितियां ऐसी भी बनीं कि पढ़ाई छोड़ने की नौबत आ गई, लेकिन उन्होंने कठिनाइयों के आगे हार नहीं मानी और अपने लक्ष्य की ओर निरंतर बढ़ते रहे। उनकी मेहनत, लगन और संघर्ष का परिणाम आज उनकी इस बड़ी उपलब्धि के रूप में सामने आया है।

उनका बैंकिंग करियर वर्ष 2006 में हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी बैंक में कनिष्ठ लिपिक

के रूप में अनुबंध आधार पर शुरू हुआ था। वर्ष 2012 में उन्हें सहायक प्रबंधक, वर्ष 2022 में प्रबंधक तथा वर्ष 2026 में वरिष्ठ प्रबंधक पद पर पदोन्नति मिली। जीवानंद की धर्मपत्नी नितिका भारद्वाज भी इसी बैंक में अपनी सेवाएं बतौर सहायक प्रबंधक दे रही।

जीवानंद की यह उपलब्धि क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उनकी पदोन्नति उनकी कड़ी मेहनत, समर्पण और उत्कृष्ट कार्यक्षमता का परिणाम है। क्षेत्रवासियों ने उनके उज्ज्वल भविष्य और नई जिम्मेदारियों के सफल निर्वहन के लिए शुभकामनाएं व्यक्त की हैं। संघर्षों को अवसर में बदलने वाले 43 वर्षीय जीवानंद आज सफलता और मेहनत की मिसाल बन गए हैं।

नाकेबंदी के दौरान दो युवकों के कब्जे से 21.50 ग्राम अफीम बरामद

अर्थ प्रकाश/यशपाल कपूर

सोलन। सोलन के अंतर्गत आने वाले पुलिस थाना दाड़लाघाट की टीम ने नियमित यातायात चेकिंग के दौरान एक संदिग्ध कार को रोककर दो युवकों के कब्जे से 21.50 ग्राम अफीम बरामद की है। पकड़े गए आरोपियों में एक सोलन और दूसरा शिमला जिला का रहने वाला है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार को दाड़लाघाट थाने की एक टीम कानून व्यवस्था और यातायात नियमों की पालना सुनिश्चित करने के लिए क्षेत्र में नाकेबंदी पर थी। इसी दौरान हाईवे से गुजर रही एक संदिग्ध गाड़ी को जांच के लिए रोका गया। जब पुलिस टीम ने वाहन की गहनता से तलाशी ली, तो उसमें सवार दो व्यक्तियों के पास से 21.50 ग्राम अफीम बरामद हुई। पुलिस ने बिना देरी किए अफीम को तौलकर उसे सील कर दिया।

आरोपियों की हुई पहचान अरुण कुमार (28 वर्ष) निवासी गांव व डाकघर पारनू, तहसील अर्की, जिला सोलन तथा अजय कुमार (32 वर्ष) निवासी गांव दाडगी, डाकघर सैंज, तहसील सुन्नी, जिला शिमला के रूप में हुई है। दाड़लाघाट पुलिस ने मादक पदार्थ नियंत्रण कानून के तहत मामला दर्ज कर दोनों आरोपियों को सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। इसके साथ ही, अफीम की तस्करी के लिए इस्तेमाल की जा रही कार को भी पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया के तहत जब्त कर अपने कब्जे में ले लिया है। गिरफ्तारी के बाद दाड़लाघाट पुलिस की जांच टीम ने दोनों आरोपियों से थाने में कड़ी पूछताछ की। पुलिस अब इस मामले के बैकवर्ड और फॉरवर्ड लिंकेज को खंगालने में जुट गई है। इस बात की गहनता से तफ्तीश की जा रही है कि आरोपी यह अफीम कहां से खरीद कर लाए थे और इसे आगे सोलन या शिमला के किन क्षेत्रों में सप्लाई किया जाना था।

गुरुकुल स्कूल में 'थ्योरी ऑफ नॉलेज' प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित

अर्थ प्रकाश/यशपाल कपूर

सोलन। गुरुकुल इंटरनेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सोलन में आज सी.बी.एस.ई. क्षमता निर्माण कार्यक्रम के अंतर्गत 'थ्योरी ऑफ नॉलेज' विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ तथा संसाधन व्यक्तियों का हरित पौधे भेंट कर स्वागत किया गया।

कार्यशाला का संचालन प्रतिष्ठित शिक्षाविद् एवं सी.बी.एस.ई. रिसोर्स पर्सन रंजना भारद्वाज तथा श्रीमती इशु रानी द्वारा किया गया। रंजना भारद्वाज, मॉडर्नवेज पब्लिक स्कूल, चंडीगढ़ की एसोसिएट प्रिंसिपल हैं तथा पाठ्यचर्या नवाचार, शैक्षणिक उत्कृष्टता और राष्ट्रीय स्तर की सी.बी.एस.ई. सामग्री निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। वहीं सुश्री इशु रानी, सेंट विवेकानंद मिलेनियम स्कूल, पिंजौर में पीजीटी

भौतिकी के पद पर कार्यरत हैं और शिक्षण के क्षेत्र में अपने व्यापक अनुभव एवं अकादमिक विशेषज्ञता के लिए जानी जाती हैं।

कार्यशाला के दौरान ज्ञान की प्रकृति, आलोचनात्मक चिंतन, विभिन्न दृष्टिकोणों, साक्ष्य एवं तर्क, चिंतनशील अधिगम तथा वास्तविक जीवन में ज्ञान के अनुप्रयोग जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। संसाधन व्यक्तियों द्वारा अनेक रोचक गतिविधियाँ, समूह चर्चाएँ, विचार-मंथन सत्र तथा सहभागितापूर्ण अभ्यास करवाए गए, जिनमें प्रतिभागी शिक्षकों ने पूरे उत्साह और सक्रियता के साथ भाग लिया। इन गतिविधियों ने शिक्षकों को न केवल विषय की गहन समझ प्रदान की, बल्कि उन्हें अपने कक्षा-कक्षीय शिक्षण को अधिक प्रभावी एवं विद्यार्थीकेंद्रित बनाने की प्रेरणा भी दी।

विभिन्न विद्यालयों से आए शिक्षकों ने कार्यक्रम की सराहना करते हुए इसे अत्यंत ज्ञानवर्धक, प्रेरणादायक एवं व्यावहारिक बताया। प्रतिभागियों ने कहा कि इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम शिक्षण प्रक्रिया को नई दिशा प्रदान करते हैं तथा शिक्षकों के व्यावसायिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

न्यूज ब्रीफ

भुंतर-मणिकर्ण मार्ग में हादसे में तीसरे पर्यटक की मौत

कुल्लू, 13 जून (अशेष शर्मा)। भुंतर-मणिकर्ण मार्ग में सरसाड़ी के पास एक पर्यटक वाहन के दुर्घटनाग्रस्त होने से घायल तीसरे पर्यटक युवक की भी मौत हो गई है। वाहन में पांच लोग सवार थे। घटना में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई थी जबकि उनकी बेटी की रास्ते में मौत हुई। वाहन में सवार सभी पर्यटक पंजाब में जालंधर के रहने वाले हैं। जो धार्मिक पर्यटन नगरी मणिकर्ण में वीरवार को घूमने पहुंचे थे और शुक्रवार दोपहर बाद वह वाहन से मनाली की तरफ जा रहे थे कि सरसाड़ी नामक स्थान पर यह हादसा पेश आया और वाहन करीब दो सौ मीटर खाई में पार्वती नदी के किनारे जा गिरा। हादसे में मृतकों की पहचान परमिंदर दीवान (40) जालंधर (पंजाब) की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उनकी बेटी निधि दीवान (21) की अस्पताल लाते समय मौत हो गई। जबकि मृतक की पत्नी रितु दीवान (36), बेटा आदित्य दीवान (22) और एक अन्य मानव कश्यप (6) घायल हो गए हैं। घायलों में आदित्य और मानव की हालत गंभीर बनी हुई थी। उन्हें रात को ही कुल्लू से नेरचौक मेडिकल कॉलेज रैफर कर दिया था। लेकिन आदित्य दीवान की नैरचौक पहुंचते ही मौत हो गई जबकि मानव कश्यप (6) की हाथ को देखते हुए उसे बिलासपुर स्थित एम्स रेफर कर दिया गया है जो वहां वेंटिलेटर पर रखा गया है। इस हादसे में एक ही परिवार के पिता पुत्र व पुत्री की मौत हो गई है।

जानलेवा बन रही सड़क : भुंतर-मणिकर्ण मार्ग की हालत कई स्थानों पर खस्ता बनी हुई है। जो हादसों को न्यौता दे रहे हैं पर्यटकों के लिए यह स्थान जानलेवा बन रहे हैं। इससे पहले भी मार्ग में कई स्थानों पर हादसे हो चुके हैं। सरसाड़ी के पास ही इससे पहले बस दुर्घटनाग्रस्त हो चुकी है जिसमें 40 से ज्यादा लोगों ने जान गवाई थी। इसके साथ ही पर्यटक वाहन भी दुर्घटनाग्रस्त हो चुके हैं।

साहित्य अकादमी के राष्ट्रीय सम्मान से सम्मानित होंगे पीआईबी के संजीव शर्मा

शिमला (अनिल कुमार शर्मा)। पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) शिमला के प्रमुख एवं सहायक निदेशक संजीव कुमार शर्मा को मध्य प्रदेश साहित्य अकादमी का राष्ट्रीय पुरस्कार दिया जाएगा। यह पुरस्कार उनकी पुस्तक 'अयोध्या 22 जनवरी' के लिए मिलेगा। मध्यप्रदेश सरकार की साहित्य अकादमी की एक विज्ञप्ति के मुताबिक संजीव शर्मा को'अखिल भारतीय कुबेरनाथ राय राष्ट्रीय सम्मान' के लिए चयनित किया गया है। इस पुरस्कार के तहत एक लाख रुपए की सम्मान राशि, स्मृति चिन्ह, प्रशस्ति पत्र, शाल और श्रीफल से सम्मानित किया जाता है। इस पुस्तक को, इससे पहले महाराष्ट्र के साहित्य अर्चन मंच द्वारा भी 'श्रीमती देवकी सूर्यवंशी स्मृति सम्मान' प्रदान किया गया है। यह अयोध्या में मंदिर निर्माण और उसके बाद अयोध्या में आए बदलावों पर केंद्रित देश की पहली पुस्तक है। इसे पाठकों की भी भरपूर सराहना मिली है। संजीव शर्मा की अभी तक तीन पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं और राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक समाचार पत्रों में उनके लेख नियमित रूप से प्रकाशित होते रहते हैं।

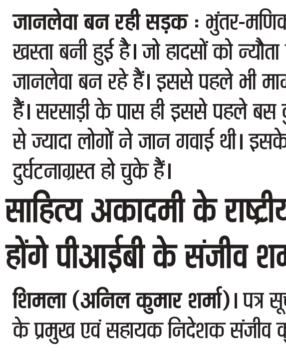

विधायक सुरेन्द्र शौरी ने लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह से की मुलाकात, क्षेत्र के विकासात्मक मुद्दे उठाए

अर्थ प्रकाश/अशेष शर्मा

कुल्लू, 13 जून। बंजार विधानसभा क्षेत्र के विधायक सुरेन्द्र शौरी ने तीर्थन घाटी प्रवास के दौरान माननीय लोक निर्माण मंत्री विक्रमदित्या सिंह से मुलाकात कर क्षेत्र के विकास एवं जनहित से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों को प्रमुखता से उठाया।

विधायक सुरेन्द्र शौरी ने मंत्री के समक्ष बंजार लोक निर्माण मंडल के अंतर्गत क्कल्लस्ड्ड-ढ्ढढ्ढ के तहत निर्माणाधीन सड़कों की धीमी प्रगति पर चिंता व्यक्त करते हुए कार्यों में तेजी लाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को बेहतर सड़क सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए इन परियोजनाओं का

समयबद्ध पूरा होना आवश्यक है।

इसके साथ ही उन्होंने क्कल्लस्ड्ड-ढ्ढ्ढ के अंतर्गत स्वीकृत नई सड़क परियोजनाओं पर शीघ्र कार्य आरंभ करने की मांग उठाई। विधायक शौरी ने ह्वा-305 सहित क्षेत्र की अन्य सड़कों पर चल रहे टारिंग कार्यों में गुणवत्ता एवं निर्धारित मानकों का विशेष ध्यान रखने का भी आग्रह किया, ताकि लोगों को टिकाऊ एवं बेहतर सड़क सुविधाएं मिल सकें। मुलाकात के दौरान बंजार विधानसभा क्षेत्र की विकासात्मक प्राथमिकताओं, सड़क संपर्क, आधारभूत सुविधाओं तथा अन्य जनहित के मुद्दों पर भी विस्तृत चर्चा हुई। विधायक सुरेन्द्र शौरी ने मंत्री को क्षेत्र की विभिन्न आवश्यकताओं एवं स्थानीय समस्याओं से अवगत कराते हुए उनके शीघ्र समाधान की मांग की।

इस अवसर पर तुंग समिति के वार्ड सदस्य पवन सिंह, शिल्ही पंचायत के प्रधान चिराग ठाकुर तथा तुंग पंचायत के पूर्व प्रधान घनश्याम ठाकुर भी उपस्थित रहे। उन्होंने भी क्षेत्र से संबंधित विभिन्न मांगों एवं समस्याओं को मंत्री के समक्ष रखा।

विधायक सुरेन्द्र शौरी ने कहा कि बंजार विधानसभा क्षेत्र के समग्र विकास और जनहित के मुद्दों को वह निरंतर सरकार एवं संबंधित विभागों के समक्ष मजबूती से उठाते रहेंगे, ताकि क्षेत्र के विकास को नई गति मिल सके।

पुलिस ने छापा मारकर पकड़े 10 हाई-प्रोफाइल जुआरी

अर्थ प्रकाश/यशपाल कपूर

सोलन। सोलन पुलिस की विशेष अन्वेषण इकाई की टीम ने शनिवार प्रातः एक गुप्त सूचना के आधार पर परवाणू के समीप चक्की मोड़ पर स्थित एक होटल में दबिश देकर एक बड़े जुआ रैकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने मौके से दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, उत्तराखंड और हिमाचल के रहने वाले एक महिला सहित कुल 10 हाई-प्रोफाइल जुआरियों को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

पुलिस टीम को पुख्ता इनपुट मिला था कि चक्की मोड़ के पास स्थित एक होटल के कमरे में कुछ बाहरी राज्यों के रईसजादे और अन्य लोग आधुनिक गैम्बलिंग कॉइन्स/चिप्स के माध्यम से मोटी धनराशि दांव पर लगाकर ताश के पत्तों से जुआ खेल रहे हैं। सूचना की गंभीरता को देखते हुए एसआईयू सोलन की टीम ने त्वरित योजना तैयार कर होटल के चिन्हित कमरे में अचानक छापेमारी की। जैसे ही पुलिस ने कमरे का दरवाजा खुलवाया, वहां अफरा-तफरी मच गई। कमरे के भीतर 1 महिला और 9 पुरुष बकायदा कैसिनो की तर्ज पर चिप्स और ताश के पत्तों पर नकद पैसा लगाकर अवैध रूप से जुआ खेल रहे थे।

पुलिस टीम ने जब जुए की फड़ और कमरे की गहन तलाशी ली, तो आरोपियों के कब्जे से ?78,078/- नकदी। भारी मात्रा में ताश के पत्ते और दांव लगाने के लिए इस्तेमाल होने वाले रंग-बिरंगे गैम्बलिंग चिप्स व कॉइन्स बरामद हुए हैं। पकड़े गए आरोपियों कंचन सिंह पुत्री कृष्णा सिंह निवासी रोहिणी, दिल्ली, नवीन पुत्र स्वर्गीय अशोक कुमार निवासी डेराबस्सी, जिला मोहाली (पंजाब), अनूप पुत्र अजीत सिंह निवासी पटियाला (पंजाब), साहिल पुत्र सुरेश कुमार निवासी जीरकपुर, जिला मोहाली (पंजाब), करण कुमार पुत्र केवल कृष्ण निवासी मोहाली (पंजाब), मोहित मेहता पुत्र आत्म प्रकाश निवासी जिला करनाल (हरियाणा), संजू राम पुत्र कन्नू राम निवासी जिला पंचकूला (हरियाणा), तायडे गणेश पुत्र बबन निवासी बुलढाणा (महाराष्ट्र), हाल निवासी पंचकूला, विक्रम सिंह पुत्र पूर्ण सिंह निवासी देहरादून (उत्तराखंड) व मोहन सिंह पुत्र अतर सिंह निवासी जिला सिरमौर (हिमाचल प्रदेश) शामिल हैं।

मेगा मॉक ड्रिल के दौरान फ्लैश फ्लड और भूस्खलन से निपटने पर मंथन

अर्थ प्रकाश/अशेष शर्मा

केलांग (कुल्लू), 13 जून। आगामी मेगा मॉक ड्रिल की तैयारियों तथा आपदा प्रबंधन से जुड़े विभिन्न पहलुओं की समीक्षा के लिए राज्य सरकार द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय टेबल टॉप बैठक में प्रदेश के सभी जिलों ने ऑनलाइन माध्यम से भाग लिया। बैठक के दौरान उपायुक्त लाहौल-स्पीति किरण भड़ाना ने जिले में ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड (तख्र्ह्रस्न), बाढ़, फ्लैश फ्लड, भूस्खलन तथा वनाग्नि जैसी संभावित आपदाओं से निपटने के लिए की गई तैयारियों एवं तैयार किए गए आपदा परिदृश्यों पर विस्तृत प्रस्तुति दी।

उपायुक्त ने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा संभावित तख्र्ह्रस्न एवं बाढ़ की परिस्थितियों में त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने, संचार तंत्र को सुदृढ़ बनाने, राहत एवं बचाव कार्यों को प्रभावी ढंग से संचालित करने तथा विभिन्न विभागों के मध्य बेहतर समन्वय स्थापित करने के लिए व्यापक

स्तर पर तैयारियां की गई हैं। उन्होंने कहा कि नोडल अधिकारियों की जिम्मेदारियां स्पष्ट रूप से निर्धारित की गई हैं तथा सभी संबंधित विभागों को पूर्व निर्धारित मानक संचालन प्रक्रियाओं के अनुरूप कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। साथ ही स्थानीय समुदायों, स्वयं सहायता समूहों तथा स्थानीय स्तर पर कार्यरत कर्मचारियों को भी आपदा की किसी भी स्थिति में जन-धन की हानि को न्यूनतम रखने के उद्देश्य से प्रशिक्षित एवं जागरूक किया जा रहा है।

उपायुक्त ने विशेष रूप से घेपन झील से ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड की स्थिति, सिस्सू क्षेत्र पर उसके संभावित प्रभावों तथा आपदा के उपरांत राहत एवं बचाव कार्यों की तैयारियों का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि झील के टूटने की स्थिति में बाढ़ का पानी लगभग 20 मिनट के भीतर सिस्सू क्षेत्र तक पहुंच सकता है। ऐसी परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए समय रहते चेतावनी जारी करने, सुरक्षित निकासी सुनिश्चित करने, राहत एवं बचाव दलों की त्वरित तैनाती तथा प्रभावित क्षेत्रों में आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता के लिए विशेष कार्ययोजना तैयार की गई है। इसके अतिरिक्त उपायुक्त ने शाकस नाला में संभावित फ्लैश फ्लड तथा उससे उत्पन्न होने वाले भूस्खलन, सड़क अवरोध और अन्य द्वितीयक प्रभावों से संबंधित परिदृश्यों की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ऐसी परिस्थितियों में त्वरित एवं समयबद्ध प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न विभागों, सुरक्षा बलों एवं आपदा प्रबंधन एजेंसियों की भूमिकाएं स्पष्ट रूप से निर्धारित की गई हैं। राहत एवं बचाव कार्यों, प्रभावित लोगों की सुरक्षित निकासी, संचार व्यवस्था की निरंतरता तथा आवश्यक संसाधनों की तैनाती से संबंधित तैयारियों का भी विस्तार से ब्यौरा प्रस्तुत किया गया। उपायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन, सेना, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण तथा अन्य संबंधित एजेंसियों के सहयोग से आपदा प्रबंधन तंत्र को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 15जून, 2026 को आयोजित होने वाली मेगा मॉक ड्रिल में विभिन्न आपदा प्रबंधन एजेंसियां सक्रिय रूप से भाग लेंगी। इस अभ्यास का उद्देश्य आपदा प्रबंधन से संबंधित मानक संचालन प्रक्रियाओं की प्रभावशीलता का परीक्षण करना, विभिन्न एजेंसियों के मध्य समन्वय का आकलन करना तथा संभावित कमियों की पहचान कर उन्हें दूर करना है।

AU SMALL FINANCE BANK
Registered Office:19-A Dhuleshwar Garden, Jaipur, Rajasthan, India, 302001. www.au.bank.in

स्वर्ण ऋण (Loan Against Gold) – "जैसी स्थिति है, जहाँ स्थिति है" आधार पर नीलामी सूचना

नीचे उल्लिखित उधारकर्ता(ओं) को एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड ("बैंक") से प्राप्त स्वर्ण ऋण सुविधा के अंतर्गत बकाया राशि के भुगतान हेतु नोटिस जारी किए गए हैं। चूँकि उधारकर्ता(ओं) द्वारा अपनी देय राशि का भुगतान नहीं किया गया है, अतः हम गिरवी रखी गई स्वर्ण वस्तुओं/आभूषणों की नीलामी 15 July 2026 को प्रातः 11:00 बजे से अपराह्न 3:00 बजे (समय) के मध्य, नीचे उल्लिखित शाखाओं में, वहाँ निर्दिष्ट माध्यम/प्रक्रिया के अनुसार आयोजित करने हेतु बाध्य हैं।
मृत उधारकर्ताओं के मामलों में, सभी शर्तें विधिक उत्तराधिकारियों पर लागू होंगी।
कृपया ध्यान दें कि यदि उपरोक्त नीलामी असफल रहती है, तो बैंक बिना किसी पूर्व सूचना के पुनः नीलामी आयोजित करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

भौतिक नीलामी शाखा का विवरण

Baddi -L9001090154193351 L9001090155666185 L9001090154509250|Sector 5 NEW SHIMLA -L9001090154347896 L9001090154983477 L9001090155512146 L9001090155656653|Una -L9001090153548970|Solan -L9001090145976270 L9001090154883054

नोट : 1. भौतिक नीलामी के विफल होने की स्थिति में, ई-नीलामी इस वेबलिंक का उपयोग करके आयोजित की जा सकती है - https://gold.samil.in
2.प्रस्तावित नीलामी के विफल होने की स्थिति में, कृपया इस सूचना को अगली नीलामी के लिए पूर्व-सूचना के रूप में स्वीकार करें।
3.नीलामी, बोली प्रारूप में उल्लिखित कुछ नियमों एवं शर्तों के अधीन होगी, जो नीलामी प्रारंभ होने से पूर्व उपलब्ध कराई जाएगी।

प्रबंधक
एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक लिमिटेड

AP No. 1802

12 वर्षों में विकास, सुशासन और जनकल्याण की नई मिसाल बना हरियाणा: शिक्षा मंत्री

मनोहर लाल की पारदर्शी व्यवस्था और नायब सैनी के नेतृत्व में विकास को मिली नई गति

अर्थ प्रकाश/सुभाष जैन

पानीपत, 13 जून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष और हरियाणा में पिछले साढ़े 11 वर्षों का कार्यकाल विकास, सुशासन, पारदर्शिता और जनकल्याण का स्वर्णिम काल रहा है। सरकार ने समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का कार्य किया है। आज देश और प्रदेश विकास के नए मानदंड स्थापित कर रहे हैं। यह बात हरियाणा के शिक्षा मंत्री महिपाल ढांडा ने शनिवार को केंद्र सरकार के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में स्थानीय लोक निर्माण विश्रामगृह में आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। सम्मेलन में पहुंचने पर उपायुक्त डॉ. हरीश कुमार वशिष्ठ ने शिक्षा मंत्री का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत एवं अभिनंदन किया।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री ने कहा कि हरियाणा में पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने पारदर्शी और जवाबदेह शासन व्यवस्था की मजबूत नींव रखी, जबकि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी उस व्यवस्था को और अधिक जनहितैषी, संवेदनशील तथा प्रभावी बनाते हुए विकास को नई ऊंचाइयों तक ले जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज हरियाणा देश के उन अग्रणी राज्यों में शामिल है जहां विकास योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के सीधे पात्र लोगों तक पहुंच रहा है। महिपाल ढांडा ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार ने शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि, खेल, उद्योग, महिला सशक्तिकरण, सामाजिक सुरक्षा, ग्रामीण विकास और आधारभूत ढांचे के निर्माण जैसे सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किए हैं। पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया, डिजिटल सेवाओं के विस्तार और भ्रष्टाचार पर प्रभावी नियंत्रण के कारण जनता का विश्वास शासन व्यवस्था में और अधिक मजबूत हुआ है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता केवल योजनाएं बनाना नहीं बल्कि उन्हें धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू करना है।

कैबिनेट मंत्री ने कहा कि प्रदेश में युवाओं के लिए रोजगार के अवसर लगातार बढ़ाए गए हैं। भर्ती प्रक्रियाओं को पूरी तरह पारदर्शी बनाया गया है, जिससे योग्य युवाओं को बिना किसी सिफारिश और बिना किसी अतिरिक्त खर्च के अवसर प्राप्त हुए हैं। कौशल विकास, रोजगारोन्मुखी शिक्षा और उद्योगों में निवेश बढ़ाकर युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में ठोस कार्य किए गए हैं। शिक्षा मंत्री ने शिक्षा क्षेत्र में हुए सुधारों का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकारी विद्यालयों और महाविद्यालयों में सुविधाओं का व्यापक विस्तार किया गया है। आधुनिक शिक्षा, डिजिटल तकनीक, स्मार्ट कक्षाओं और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए विशेष कार्यक्रमों ने विद्यार्थियों को नई दिशा प्रदान की है। मेधावी विद्यार्थियों को आईआईटी, नीट और अन्य राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं के लिए विशेष प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जा रहा है। उच्च शिक्षा संस्थानों के विस्तार से प्रदेश के विद्यार्थियों को अपने ही राज्य में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने के अवसर मिले हैं।

स्वास्थ्य सेवाओं की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार ने आम नागरिक को बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार कार्य किया है। मेडिकल कॉलेजों और स्वास्थ्य संस्थानों का विस्तार किया गया है। गरीब और जरूरतमंद परिवारों को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करने के लिए विभिन्न योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया गया है। ग्रामीण क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करने के लिए विशेष प्रयास किए गए हैं। कृषि क्षेत्र में हुए कार्यों का उल्लेख करते हुए मंत्री ने कहा कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने, फसल खरीद प्रक्रिया को सरल बनाने तथा भुगतान व्यवस्था को पारदर्शी बनाने की दिशा में सरकार ने ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। सिंचाई सुविधाओं का विस्तार, फसल विविधीकरण को बढ़ावा और आधुनिक कृषि तकनीकों के उपयोग से किसानों की आय बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि किसान हितों की रक्षा और कृषि को लाभकारी बनाने के लिए सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

हरियाणा में आंधी-तूफान से प्रभावित बिजली व्यवस्था की बहाली तेज, 1,552 कर्मचारी दिन-रात जुटे: विज

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़, 13 जून। हरियाणा के ऊर्जा मंत्री श्री अनिल विज ने प्रदेश में हाल ही में आए आंधी-तूफान के कारण प्रभावित हुई बिजली व्यवस्था का संज्ञान लेते हुए अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि सभी प्रभावित क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति को युद्धस्तर पर बहाल किया जाए तथा प्रभावित उपभोक्ताओं को न्यूनतम समय में राहत पहुंचाई जाए। उन्होंने कहा कि बिजली व्यवस्था को शीघ्र सामान्य बनाने के लिए विभाग द्वारा व्यापक स्तर पर विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

श्री विज ने बताया कि तेज आंधी और तूफान के कारण प्रदेश के विभिन्न जिलों में कुल 13,277 बिजली के खंभे क्षतिग्रस्त अथवा उखड़ गए, जिनकी मरम्मत एवं पुनर्स्थापना का कार्य तेजी से जारी है। इनमें उत्तर हरियाणा बिजली वितरण निगम (यूएचबीवीएन) के 2,791 तथा दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम (डीएचबीवीएन) के 10,486 खंभे शामिल हैं।

उन्होंने बताया कि प्रभावित क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति को जल्द से जल्द सुचारू करने के लिए विभाग द्वारा 1,552 कर्मचारियों की विशेष टीमें तैनात की गई हैं। इनमें यूएचबीवीएन के 620 तथा डीएचबीवीएन के 932 कर्मचारी एवं तकनीकी दल शामिल हैं, जो दिन-रात फील्ड में रहकर बिजली लाइनों, ट्रांसफार्मरों एवं अन्य बिजली ढांचे की मरम्मत का कार्य कर रहे हैं।

उन्होंने बताया कि आंधी-तूफान की वजह से प्रदेश में 233 गांवों में बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई है इसमें यूएचबीवीएन के तहत 32 गांव है जबकि डीएचबीवीएन के 201 गांव है। इसी प्रकार, प्रदेश में 842 फीडर प्रभावित हुए है जिनमें यूएचबीवीएन के 458 और डीएचबीवीएन 384 फीडर शामिल है।

ऊर्जा मंत्री ने कहा कि प्राकृतिक आपदा/आंधी-तूफान के कारण कई स्थानों पर बिजली व्यवस्था प्रभावित हुई थी, लेकिन विभाग की तत्परता और कर्मचारियों की मेहनत से अधिकांश क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बहाल कर दी गई है। शेष प्रभावित क्षेत्रों में भी तेजी से कार्य किया जा रहा है और विभाग का लक्ष्य है कि सभी उपभोक्ताओं को जल्द से जल्द निर्बाध बिजली उपलब्ध कराई जाए।

श्री विज ने कहा कि राज्य सरकार और ऊर्जा विभाग आमजन को बेहतर एवं निर्बाध बिजली सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मरम्मत कार्यों की लगातार निगरानी की जाए तथा जहां भी आवश्यक हो, अतिरिक्त संसाधन उपलब्ध कराए जाएं ताकि बिजली आपूर्ति बहाली में किसी प्रकार की देरी न हो।

उन्होंने प्रदेशवासियों से अपील की कि वे इस दौरान धैर्य बनाए रखें तथा बिजली लाइनों या टूटे हुए खंभों के आसपास जाने से बचें। किसी भी प्रकार की बिजली संबंधी समस्या की सूचना तुरंत संबंधित बिजली कार्यालय या शिकायत केंद्र को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

तीन दोस्तों की स्कॉर्पियो से कुचलकर हत्या के मामले में एक आरोपी गिरफ्तार

अर्थ प्रकाश/मनदीप कुमार

समालखा, 13 जून। डिकाडला गांव निवासी तीन दोस्तों की स्कॉर्पियो से कुचलकर हत्या करने के मामले में सीआईए-वन पुलिस ने शुक्रवार देर शाम एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान डिकाडला निवासी मनीष के रूप में हुई है।

उप पुलिस अधीक्षक (मुख्यालय) सतीश वत्स ने बताया कि पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह (आईपीएस) ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच सीआईए-वन टीम को सौंपी थी। पुलिस टीम ने अपने सभी स्रोत सक्रिय करते हुए शुक्रवार देर शाम आरोपी मनीष को पट्टीकल्याणा रोड से गिरफ्तार किया।

प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने अपने अन्य साथियों के साथ मिलकर पुरानी रंजिश के चलते स्कॉर्पियो वाहन से कुचलकर हत्या की वारदात को अंजाम देना स्वीकार किया है। शनिवार को आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे 10 दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। रिमांड के दौरान पुलिस आरोपी से गहन पूछताछ करेगी तथा फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश देगी।

थाना समालखा में डिकाडला निवासी वीरेंद्र पुत्र फतेह सिंह ने शिकायत दर्ज कराई थी कि 10 जून की रात करीब 9 बजे वह अपने छोटे भाई जितेंद्र के साथ समालखा स्थित अस्पताल में था। इसी दौरान पड़ोसी का फोन आया कि उसके भाई नरेंद्र और उसके दोस्तों विनोद व अनीप पर जानलेवा हमला हुआ है तथा उनकी हालत गंभीर है। सूचना मिलने पर वह अपने भाई जितेंद्र और दोस्त परवीन के साथ गांव के लिए रवाना हुआ। जीटी रोड पर पहुंचने पर कुछ ग्रामीण नरेंद्र को वाहन में लेकर आते मिले। नरेंद्र के माथे पर गंभीर चोट लगी हुई थी।

तीनों घायलों को पहले एक निजी अस्पताल और बाद में सिविल अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

शिकायत के अनुसार, नरेंद्र ने रास्ते में बताया था कि गांव निवासी मनीष, संदीप, रविंद्र, नवीन, तुषार, सचिन, नीरज, राजबीर तथा गांव आटा निवासी सूरज ने पुरानी रंजिश के चलते उन पर हमला किया। नरेंद्र ने बताया कि वह हरिद्वार से लौटने के बाद अपने दोस्तों विनोद और अनीप के साथ खेतों में सैर करने गया था। लौटते समय वे इलेक्ट्रिक स्कूटी पर घर आ रहे थे, तभी आरोपियों की स्कॉर्पियो ने पीछे से उनकी स्कूटी को टक्कर मार दी।

आरोप है कि टक्कर मारने के बाद आरोपी वाहन से उतर आए और डंडों व लात-घूंसों से मारपीट की। तीनों को मृत समझकर आरोपी मौके से फरार हो गए।

शिकायत में यह भी बताया गया कि मनीष खनन (माइनिंग) का कार्य करता है। कुछ माह पहले उसका ट्रैक्टर-ट्रॉली अवैध खनन मामले में जब्त हुआ था, जिसका शक वह नरेंद्र पर करता था। इसी रंजिश के चलते उसने अपने साथियों के साथ मिलकर इस वारदात को अंजाम दिया।

पुलिस ने शिकायत के आधार पर नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी थी। त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने वारदात की रात ही जीटी रोड स्थित एक ढाबे से घटना में प्रयुक्त स्कॉर्पियो बरामद कर ली थी। वाहन का एक टायर जलकर नष्ट हो गया था। आरोपी गाड़ी को ढाबे पर छोड़कर फरार हो गए थे।

जय बालाजी स्पोर्ट्स एकेडमी को खेलो इंडिया से मिली मान्यता, साइ निदेशिका ने किया शुभारंभ

अर्थ प्रकाश/भंवर सिंह

गोहाना, 13 जून। जींद रोड स्थित खंदराई मोड़ पर संचालित जय बालाजी बॉक्सिंग एकेडमी को खेलो इंडिया से मान्यता मिलने के बाद क्षेत्र के खेल प्रेमियों में खुशी का माहौल है। मान्यता के शुभारंभ अवसर पर भारतीय खेल प्राधिकरण सोनीपत (साई) की एग्जीयूटिव डायरेक्टर रितु ए पाठिक एकेडमी पहुंचीं। उन्होंने रिबन काटकर एकेडमी में खेलो इंडिया मान्यता का विधिवत शुभारंभ किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता एकेडमी के मुख्य कोच नवीन हुड्डा ने की, जबकि एकेडमी के संचालक जितेंद्र हुड्डा का मार्गदर्शन रहा।

उन्होंने पूरी एकेडमी का निरीक्षण किया और वहां उपलब्ध सुविधाओं व इन्फ्रास्ट्रक्चर की जानकारी ली। उन्होंने बॉक्सरों से बातचीत कर उनकी मेहनत, प्रशिक्षण और खेल को लेकर तैयारियों के बारे में भी जाना। एकेडमी की व्यवस्था और आधुनिक सुविधाओं को देखकर उन्होंने सराहना की।

रितु पाटिका ने कहा कि जय बालाजी बॉक्सिंग एकेडमी का इन्फ्रास्ट्रक्चर काफी बेहतर है। यहां खिलाड़ियों को आगे बढने के लिए अच्छा माहौल मिल रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस एकेडमी से भविष्य में कई प्रतिभाशाली बॉक्सर निकलकर प्रदेश और देश का नाम रोशन करेंगे।

एकेडमी संचालक जितेंद्र हुड्डा ने कहा कि खेलो इंडिया से मान्यता मिलना एकेडमी और खिलाड़ियों के लिए बड़ी उपलब्धि है। इससे क्षेत्र की युवा प्रतिभाओं को बेहतर प्रशिक्षण और आगे बढ़ने के नए अवसर मिलेंगे।

11 घंटे में अपहृत 12 वर्षीय बालक सकुशल बरामद, महिला समेत 3 आरोपी गिरफ्तार

अर्थ प्रकाश/सुभाष जैन

चंडीगढ़/पानीपत, 13 जून। हरियाणा पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पानीपत से अपहृत 12 वर्षीय बालक को महज 11 घंटे में सकुशल बरामद कर लिया। अपहरणकर्ताओं ने डेढ़ करोड़ रुपये की फिरौती मांगकर पुलिस को उत्तर प्रदेश की ओर गुमराह करने का प्रयास किया, लेकिन तकनीकी और फील्ड टीमों की मदद से पुलिस ने रोहतक से आरोपियों को दबोच लिया।

ऑपरेशन के दौरान एक महिला सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस मुठभेड़ में दो आरोपी घायल हो गए, जिन्हें उपचार के लिए पीजीआई रोहतक में भर्ती कराया गया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पानीपत निवासी विशाल, आदेश तथा रोहतक के भराण गांव निवासी शारदा के रूप में हुई है।

पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह ने बताया कि शुक्रवार रात 10:30 बजे अपहरण की सूचना मिलने के बाद विभिन्न टीमों को सक्रिय किया गया। जांच के दौरान शनिवार सुबह करीब 9:30 बजे रोहतक क्षेत्र से बालक कबीर को सुरक्षित बरामद कर लिया गया। आरोपियों ने भागने के दौरान पुलिस वाहन को टक्कर मारने और फायरिंग करने का प्रयास किया, जिसके जवाब में हुई कार्रवाई में दो बदमाश घायल हो गए।

हरियाणा के पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने इस सफल अभियान की सराहना करते हुए शामिल पुलिस टीमों को रुपये 1 लाख नकद पुरस्कार और प्रशंसा पत्र देने की घोषणा की।

भगवान शिव की होती है भक्तों पर विशेष कृपा दृष्टि: महंत जगन्नाथ पुरी

अर्थ प्रकाश/राजकुमार वालिया

कुरुक्षेत्र, 13 जून। अखिल भारतीय श्री मारकंडेश्वर जनसेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत जगन्नाथ पुरी ने बताया कि ज्येष्ठ पुरुषोत्तम मास (अधिक मास) के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि का अत्यंत विशिष्ट स्थान है। अधिक मास की त्रयोदशी पर महंत जगन्नाथ पुरी ने श्रद्धालुओं के साथ मारकंडा नदी के तट पर स्थित श्री मारकंडेश्वर महादेव मंदिर ठसका मीरां जी में मंत्रोच्चारण के साथ पूजन किया। उन्होंने बताया कि इस दिन भगवान शिव और माता पार्वती की संयुक्त आराधना का संयोग बनता है। इस पूजा से जीवन के संकटों से मुक्ति और अमोघ पुण्य की प्राप्ति है। शनिवार होने के कारण श्रद्धालुओं ने मंदिर परिसर में स्थित शनि शिला पर तेलाभिषेक भी किया। शिव मंदिर में पूजन से पूर्व भगवान भोलेनाथ एवं ऋषि मारकंडेय का श्रृंगार किया। इसके उपरांत भजन सत्संग हुआ। महंत जगन्नाथ पुरी ने बताया कि भगवान शिव को प्रसन्न करने के लिए त्रयोदशी पूजन का खास महत्व है। भोलेनाथ भक्तों के कष्ट दूर करते हैं और उनकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। पुरुषोत्तम मास (अधिक मास) में किए गए किसी भी पूजन, जप या दान का फल सामान्य दिनों की तुलना में कई गुना अधिक (अक्षय) प्राप्त होता है। इस अवसर पर स्वामी संतोषानंद, स्वामी रामनाथ पुरी, बिल्लू पुजारी, विक्रांत सिंह, शीशपाल, पवन कुमार, रामकुमार, सुमन रानी, अनीता, राज रानी, सुनीता देवी इत्यादि भी मौजूद रहे।

केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने किया पौधारोपण

विकसित भारत संकल्प में युवाओं की भागीदारी सबसे महत्वपूर्ण: बराला

अर्थ प्रकाश/संजीव सिंगला

टोहाना, 13 जून। केंद्र सरकार के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने गांव दमकौरा के खेल स्टेडियम में आयोजित कार्यक्रम में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर उन्होंने विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में युवाओं की भूमिका को सबसे महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि राष्ट्र निर्माण, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक जागरूकता जैसे अभियानों में युवाओं की सक्रिय भागीदारी से ही विकसित भारत का सपना साकार होगा। उन्होंने युवाओं को प्रकृति के प्रति अपनी जिम्मेदारी समझने और पर्यावरण संरक्षण के लिए सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।

राज्यसभा सांसद सुभाष बराला ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण और राष्ट्र निर्माण को समर्पित रहे हैं। इन वर्षों में देश ने विकास, आधारभूत ढांचे, डिजिटल क्रांति, सामाजिक सुरक्षा और आत्मनिर्भरता के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की है। उन्होंने कहा कि श्री नरेंद्र मोदी देश के इतिहास में सबसे लंबे समय तक चुने हुए प्रधानमंत्री के रूप में कार्य करने का रिकॉर्ड स्थापित कर चुके हैं। उनके नेतृत्व में भारत ने वैश्विक मंच पर अपनी मजबूत पहचान बनाई है और विश्व की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में अपना स्थान सुदृढ़ किया है। उन्होंने कहा कि विकास और पर्यावरण संरक्षण एक-दूसरे के पूरक हैं तथा दोनों के बीच संतुलन बनाकर ही सतत विकास का लक्ष्य प्राप्त किया जा सकता है।

इस अवसर पर एसडीएम आकाश शर्मा, नगर परिषद के चेयरमैन नरेश बंसल, मंडल अध्यक्ष रमन मड़िया, रेंज ऑफिसर कश्मीर सिंह सुभाष खिलेरी, कुलदीप डांगरा, जयदीप बराला, जिले सिंह बराला, वेद जांगड़ा, दलजीत नैन, लक्ष्मण गुल्लरवाला, बीरू, प्रकाश सैनी, कर्मजीत सिंह सरपँच, सुरजीत चेयरमैन, कोच मंजीत ओर हर्ष, मनजीत दमकोरा, रामफल, तन्नू सहित अनेक गणमान्य नागरिक, स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं ग्रामीण मौजूद रहे।

रंगिया मंडल में वॉटर वेंडिंग मशीन की स्थापना, परिचालन और रखरखाव

रंगिया मंडल मंडल में वॉटर वेंडिंग मशीन की स्थापना, परिचालन और रखरखाव के लिए ई-नीलामी आमंत्रित की जाती है। नीलामी कैटलॉग संख्या: MISS-RNY-WVM-26. रेट यूनिट : वार्षिक लाइसेंसिंग शुल्क; नीलामी शुरू होने की तिथि और समय (सभी लॉट) : 25-06-2026 को 11:00 बजे। दिन: 1826;

क्र.सं.	लॉट नं./श्रेणी	विवरण
AA/1	MSS-RNY-PBL-WVM-30-26-1 (एमआईएसपी-स्टैटिक-सर्विसेज-वॉटर वेंडिंग मशीन)	पाठशाला रेलवे स्टेशन पर वाटर वेंडिंग मशीन (डब्ल्यूवीएम) की स्थापना, परिचालन और रखरखाव।
AA/2	MSS-RNY-BNGN-WVM-22-26-1 (एमआईएसपी-स्टैटिक-सर्विसेज-वॉटर वेंडिंग मशीन)	बंगाईगांव रेलवे स्टेशन पर वाटर वेंडिंग मशीन (डब्ल्यूवीएम) की स्थापना, परिचालन और रखरखाव।
AA/3	MSS-RNY-NHLN-WVM-28-26-1 (एमआईएसपी-स्टैटिक-सर्विसेज-वॉटर वेंडिंग मशीन)	नाहरलागुन रेलवे स्टेशन पर वाटर वेंडिंग मशीन (डब्ल्यूवीएम) की स्थापना, परिचालन और रखरखाव।
AA/4	MSS-RNY-NBQ-WVM-27-26-1 (एमआईएसपी-स्टैटिक-सर्विसेज-वॉटर वेंडिंग मशीन)	न्यू बंगाईगांव रेलवे स्टेशन पर वाटर वेंडिंग मशीन (डब्ल्यूवीएम) की स्थापना, परिचालन और रखरखाव।
AA/5	MSS-RNY-NLV-WVM-29-26-1 (एमआईएसपी-स्टैटिक-सर्विसेज-वॉटर वेंडिंग मशीन)	नलबाड़ी रेलवे स्टेशन पर वाटर वेंडिंग मशीन (डब्ल्यूवीएम) की स्थापना, परिचालन और रखरखाव।
AA/6	MSS-RNY-BJF-WVM-21-26-1 (एमआईएसपी-स्टैटिक-सर्विसेज-वॉटर वेंडिंग मशीन)	बिजनी रेलवे स्टेशन पर वाटर वेंडिंग मशीन (डब्ल्यूवीएम) की स्थापना, परिचालन और रखरखाव।
AA/7	MSS-RNY-SBE-WVM-34-26-3 (एमआईएसपी-स्टैटिक-सर्विसेज-वॉटर वेंडिंग मशीन)	सरूपेटा रेलवे स्टेशन पर वाटर वेंडिंग मशीन (डब्ल्यूवीएम) की स्थापना, परिचालन और रखरखाव का ठेका।
AA/8	MSS-RNY-VNE-WVM-36-26-1 (एमआईएसपी-स्टैटिक-सर्विसेज-वॉटर वेंडिंग मशीन)	बिश्वनाथ चाराली रेलवे स्टेशन पर वाटर वेंडिंग मशीन (डब्ल्यूवीएम) की स्थापना, परिचालन और रखरखाव।
AA/9	MSS-RNY-TIHU-WVM-33-26-1 (एमआईएसपी-स्टैटिक-सर्विसेज-वॉटर वेंडिंग मशीन)	तिहु रेलवे स्टेशन पर वाटर वेंडिंग मशीन (डब्ल्यूवीएम) की स्थापना, परिचालन और रखरखाव का ठेका।
AA/10	MSS-RNY-GLPT-WVM-25-26-1 (एमआईएसपी-स्टैटिक-सर्विसेज-वॉटर वेंडिंग मशीन)	गोवालपारा टाउन रेलवे स्टेशन पर वाटर वेंडिंग मशीन (डब्ल्यूवीएम) की स्थापना, परिचालन और रखरखाव।
AA/11	MSS-RNY-BPRD-WVM-23-26-1 (एमआईएसपी-स्टैटिक-सर्विसेज-वॉटर वेंडिंग मशीन)	बरपेटा रोड रेलवे स्टेशन पर वाटर वेंडिंग मशीन (डब्ल्यूवीएम) की स्थापना, परिचालन और रखरखाव।
AA/12	MSS-RNY-RNY-WVM-31-26-1 (एमआईएसपी-स्टैटिक-सर्विसेज-वॉटर वेंडिंग मशीन)	रंगिया रेलवे स्टेशन पर वाटर वेंडिंग मशीन (डब्ल्यूवीएम) की स्थापना, परिचालन और रखरखाव।
AA/13	MSS-RNY-HMY-WVM-26-26-1 (एमआईएसपी-स्टैटिक-सर्विसेज-वॉटर वेंडिंग मशीन)	हारमती रेलवे स्टेशन पर वाटर वेंडिंग मशीन (डब्ल्यूवीएम) की स्थापना, परिचालन और रखरखाव।
AA/14	MSS-RNY-RPAN-WVM-35-26-1 (एमआईएसपी-स्टैटिक-सर्विसेज-वॉटर वेंडिंग मशीन)	रंगापाड़ा नार्थ रेलवे स्टेशन पर वाटर वेंडिंग मशीन (डब्ल्यूवीएम) की स्थापना, परिचालन और रखरखाव का ठेका।
AA/15	MSS-RNY-ULG-WVM-37-26-1 (एमआईएसपी-स्टैटिक-सर्विसेज-वॉटर वेंडिंग मशीन)	उदालगुड़ी रेलवे स्टेशन पर वाटर वेंडिंग मशीन (डब्ल्यूवीएम) की स्थापना, परिचालन और रखरखाव।
AA/16	MSS-RNY-DKGN-WVM-24-26-1 (एमआईएसपी-स्टैटिक-सर्विसेज-वॉटर वेंडिंग मशीन)	ढेकारगांव रेलवे स्टेशन पर वाटर वेंडिंग मशीन (डब्ल्यूवीएम) की स्थापना, परिचालन और रखरखाव।

लॉट समाप्ति की तिथि और समय: 25-06-2026 को 14:00 बजे। प्रारंभिक शीतलन की अवधि 30 मिनट। क्रमिक लॉट समापन का अंतराल 10 मिनट। अधिकतम स्वचालित विस्तार 10 बार। नोट: संभावित बोलीदाता से अनुरोध किया जाता है कि वे अधिक जानकारी के लिए आईआरईपीएस वेबसाइट www.ireps.gov.in पर ई-नीलामी लीजिंग मॉड्यूल देखें।

सीनियर डीसीएम, रंगिया

पूर्वोत्तर सीमा रेल

यात्रियों की सेवा में मुस्कान के साथ

AP-1815

जग ज्योति दरबार में हुआ हवन यज्ञ व विशाल भंडारे का आयोजन

कुरुक्षेत्र (अप्रस/अर्पण वधवा)। जग ज्योति दरबार के महंत राजेंद्र पुरी ने शनिवार को सर्व कल्याण की भावना से विशेष अनुष्ठान किया। श्रद्धालुओं ने संतों के साथ हवन यज्ञ में आहुतियां दी। इसी अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। महंत राजेंद्र पुरी सत्संग करते हुए कहा कि संत महापुरुषों ने हमेशा लोगों को मर्यादा में रहकर समाज की सेवा करने का संदेश दिया है। संत महापुरुष हमेशा समाज कल्याण व जनकल्याण चाहते हैं। उन्होंने कहा कि जीव को प्रभु सिमरन के साथ ही ज्ञान की प्राप्ति होती है। संतों के सान्निध्य एवं आशीर्वाद से समाज की जटिल समस्याओं का समाधान निकल सकता है। महंत राजेंद्र पुरी ने कहा कि संतों की वाणी भगवान की ही देन है। सत्संग से ही प्रभु के होने का अहसास होता है। उन्होंने कहा कि मनुष्य देह बड़े भाग्य से मिलती है, हमें हमेशा प्रभु सिमरन से समाज की सेवा करनी चाहिए।

भगवान वाल्मीकि जी की शिक्षाओं को जीवन में अपनाएं: डॉ. अर्चना गुप्ता

अर्थ प्रकाश/सचिन मलिक

मुलाना, 13 जून। भारतीय जनता पार्टी हरियाणा की नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने शनिवार को भगवान वाल्मीकि आश्रम सिरसगढ़ पहुंचकर भगवान वाल्मीकि जी की प्रतिमा के समक्ष शीश नवाया तथा उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। आश्रम पहुंचने पर भगवान वाल्मीकि शिक्षा प्रचार समिति हरियाणा के सदस्यों एवं भाजपा पदाधिकारियों ने उनका जोरदार स्वागत किया।

इस अवसर पर भगवान वाल्मीकि शिक्षा प्रचार समिति हरियाणा के सदस्यों ने समिति की ओर से डॉ. अर्चना गुप्ता को सरोपा पहनाकर तथा भगवान वाल्मीकि जी की तस्वीर भेंट कर सम्मानित किया। वहीं उपस्थित महिलाओं ने उन्हें पगड़ी पहनाकर सम्मान दिया। कार्यक्रम के दौरान महिला सशक्तिकरण के जयघोष भी लगाए गए।

प्रदेश अध्यक्ष डॉ. अर्चना गुप्ता ने कहा कि महर्षि भगवान वाल्मीकि जी ने समाज को सत्य, ज्ञान, सेवा और सदाचार का मार्ग दिखाया है। उनके आदर्श आज भी समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने कहा कि हमें भगवान वाल्मीकि जी की शिक्षाओं को अपने जीवन में अपनाकर भाईचारे, समानता और मानवता के मूल्यों को मजबूत करना चाहिए। युवा पीढ़ी को भी उनके जीवन और आदर्शों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र निर्माण में अपनी सकारात्मक भूमिका निभानी चाहिए। डॉ. अर्चना गुप्ता ने आश्रम प्रांगण में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया और सभी से अधिक से अधिक पौधे लगाने की अपील की। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की आवश्यकता है और प्रत्येक व्यक्ति को इस दिशा में अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष मनदीप राणा, भगवान वाल्मीकि आश्रम समिति के प्रधान सलिन्द्र कुमार, सचिव विनोद वाल्मीकि, मोहनलाल बग्गन, महासचिव रिंकु मचल,अंबाला प्रभारी रवि बतान, जिला सचिव सोनिया परोचा, महिला मोर्चा प्रदेश कार्यकारी सदस्य मोनिका कालड़ा, बराड़ा मंडल अध्यक्ष डिंपल राणा, , मोहन परोचा,गौरव लोहट, बलराम सिरसगढ़, सुरेश रूकड़ी सहित हल्का मुलाना से वाल्मीकि समाज के काफी संख्या में श्रद्धालु एवं भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

आध्यात्मिक उन्नतित व ग्रह दोष निवारण का केंद्र हैं राहु-केतु के ये मंदिर

ज्योतिष शास्त्र में राहु और केतु को भी उतना ही महत्वपूर्ण ग्रह हैं, जिनके की अन्य ग्रह हैं। राहु-केतु ग्रह को छाया ग्रह माना जाता है और इनको जीवन में अचानक होने वाले बदलाव, भ्रम और कर्मों के सबक के लिए जिम्मेदार माना जाता है। वहीं इन दोनों ग्रहों को आध्यात्मिक विकास और आत्म साक्षात्कार की तरफ बढ़ने वाली शक्तिशाली ताकतों के रूप में भी पूजा जाता है। देशभर में राहु-केतु से जुड़े 6 ऐसे मंदिर हैं, जहां पर भक्त इन स्थानों पर आकर अपने ग्रहीय प्रभावों को कम करने के लिए धार्मिक अनुष्ठानों का भी आयोजन करते हैं।

श्री कालहस्तीश्वर मंदिर: आंध्र प्रदेश के तिरुपति जिले में श्रीकालहस्तीश्वर में स्थित है। यह मंदिर देश के सबसे पूजनीय शैव तीर्थों में शामिल है। यहां पर भगवान शंकर को कालहस्तीश्वर के रूप में पूजा जाता है। जोकि वायु का प्रतिनिधित्व करते हैं।

तिरुनागेश्वरम नागनाथर मंदिर: तिरुनागेश्वर नागनाथर मंदिर तमिलनाडु में स्थित है। इसको राहु स्थलम के नाम से भी जाना जाता है। तिरुनागेश्वरम नागनाथर मंदिर तमिलनाडु के कुंभकोणम के नजदीक एक पूजनीय शिव मंदिर है। स्थानीय लोग यहां पर भगवान शिव को नागनाथ और मां पार्वती को पिरैसूदी अम्मन के रूप में पूजते हैं। नवग्रह स्थलों में शामिल यह स्थान राहु ग्रह का प्रतिनिधित्व करता है। मंदिर में चार गोपुरम, कई मंदिर और हॉल बने हैं। जिनमें सबसे ज्यादा आकर्षक नायक काल में बना भव्य अलंकृत हॉल शामिल है।

श्री नागनाथस्वामी केथु मंदिर: श्री नागनाथस्वामी केथु मंदिर तमिलनाडु के कीझापेरुमपल्लम में स्थित है। यह मंदिर भगवान शिव के नागनाथ स्वामी के रूप में समर्पित है। यह मंदिर समतल, साधारण और राजगोपुरम और दो प्रकारम है। यहां पर रोजाना सुबह 6 बजे से 8:30 बजे तक दिन में 4 बार पूजा होती है। वहीं महाशिवरात्रि के मौके पर मंदिर में भीड़ रहती है।

राहु केतु मंदिर: तेलंगाना में स्थित राहु-केतु मंदिर अपने शांत वातावरण के लिए जाना जाता है। देश भर से भक्त यहां पर आते हैं और राहु-केतु से जुड़े दोषों के निदान के लिए धार्मिक अनुष्ठान करवाते हैं। मंदिर का शांत वातावरण इन ग्रहों के नकारात्मक प्रभाव को कम करता है और आध्यात्मिक रूप से यह मंदिर खास स्थान प्रदान करता है।

श्री नीलकंडेश्वर मंदिर: चेन्नई के गेरुगमबक्कम में श्री नीलकंडेश्वर मंदिर स्थित है। यहां पर भगवान शंकर को नीलकंडेश्वरार के रूप में पूजा जाता है। वहीं मां पार्वती की पूजा मां कामाक्षी के रूप में होती है। मंदिर में केतु को समर्पित एक मंदिर है। जहां पर केतु से जुड़े दोषों से छुटकारा पाने के लिए अनुष्ठान किया जाता है।

राहु मंदिर: उत्तराखंड के ऊंचे पहाड़ों के बीच राहु मंदिर है। राहु को समर्पित यह मंदिर अपने अनुष्ठानिक महत्व और खुले वातावरण के लिए जाना जाता है। यहां के सौम्य और शांत वातावरण में भक्त ध्यान करते हैं। वहीं राहु के अशुभ दोषों को कम करने के लिए अनुष्ठानों में हिस्सा लेते हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा.अर्चना गुप्ता के अभिनंदन समारोह को लेकर जिला भर में भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता तैयारियों में जुटे

अर्थ प्रकाश/कपिल देव रोहिल्ला

कलायत। कैथल में 15 जून को आयोजित होने वाले भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा.अर्चना गुप्ता के अभिनंदन समारोह को लेकर जिला भर में भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता तैयारियों में जुटे हुए हैं। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए विभिन्न स्तरों पर बैठकें आयोजित की जा रही हैं। कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारियां सौंपी जा रही हैं। भाजपा जिला अध्यक्ष ज्योति सैनी के नेतृत्व में समारोह की व्यापक रूपरेखा तैयार की गई है। इसी कड़ी में कलायत में भाजपा मंडल अध्यक्ष राजीव राजपूत की अगुवाई में जन संपर्क अभियान जारी है। राजीव राजपूत ने बताया कि 15 जून को भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डा.अर्चना गुप्ता के अभिनंदन समारोह को लेकर विस्तार से चर्चा की गई जा रही है। बैठक में कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में भाग लेने का आह्वान किया गया। साथ ही स्वागत व्यवस्था, यातायात, जनसंपर्क और कार्यक्रम स्थल पर आवश्यक प्रबंधों को लेकर जिम्मेदारियां तय की गईं। नेताओं ने कहा कि यह समारोह संगठन की मजबूती और कार्यकर्ताओं के उत्साह का प्रतीक बनेगा। इसके लिए नगर पालिका पार्षदों, ब्लाक समिति, जिला परिषद, पंचायतों व आम लोगों में उत्साह का माहौल है। इस अवसर पर भाजपा मंडल महामंत्री सचिन शर्मा, मार्किट कमेटी चेयरमैन एवं मंडल सचिव राजकिशन राणा, उपाध्यक्ष वीरेंद्र राणा, सतबीर सिंणद, अरुण राणा, मार्किट कमेटी वाइस चेयरमैन रिषीपाल कौलेखां, सतीश हरिपुरा, कृष्ण कुमार, अनिल व पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। भाजपा नेताओं ने विश्वास जताया कि 15 जून का अभिनंदन समारोह ऐतिहासिक होगा।

नौकरियां यहां देखें

एम्स जम्मू
पोस्ट: गैर-संकाय तकनीशियन
कुल पद: 29
वेतनमान: लेवल-6 के अनुसार
आवेदन: 25 जून तक
फीस: 1,000 रुपये
पात्रता: 12वीं, डिप्लोमा, B.Sc.
आयु: अधिकतम 35 वर्ष
वेबसाइट: exams.aiimsjammu.edu.in

ओएसएसएसएससी
पोस्ट: नर्सिंग ऑफिसर
कुल पद: 5989
वेतनमान: पे-लेवल 9/10 के अनुसार
आवेदन: 13 जुलाई तक
फीस: जारी नहीं
पात्रता: GNM या B.Sc. (नर्सिंग)
आयु: 21 से 38 वर्ष
वेबसाइट: www.osssc.gov.in

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
पोस्ट: असिस्टेंट प्रोफेसर
कुल पद:90
वेतनमान: लेवल-10, 13A के अनुसार
आवेदन: 10 जुलाई तक
फीस: 2,000 रुपये
पात्रता: पीजी, नेट, पीएचडी
आयु: अधिकतम 57 वर्ष
वेबसाइट: www.curec.samarth.ac.in

पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट
पोस्ट: सफाई सेवक, माली
कुल पद: 167
वेतनमान: पद के अनुसार
आवेदन: 30 जून तक
फीस: 700 रुपये
पात्रता: हिंदी एवं क्षेत्रीय भाषा का ज्ञान
आयु: 18 से 35 वर्ष
वेबसाइट: www.highcourtchd.gov.in

मध्य प्रदेश पुलिस
कुल पद: 4164
पोस्ट: सिपाही/सिपाही (कार्यवाहक)
रिक्त पद: 3991
वेतनमान: 37,500-76,100
आवेदन की अंतिम तिथि: 3 जुलाई
फीस: 150 से 750
शैक्षणिक योग्यता: 12वीं पास
आयु सीमा: 18 से 33 वर्ष
वेबसाइट: esb.mp.gov.in

डीआरडीओ (DRDO)
कुल पद: 40
पोस्ट: डेंटल सर्जन
रिक्त पद: 40
वेतनमान: 30,000 प्रतिमाह
आवेदन की अंतिम तिथि: 15 जून
फीस: निःशुल्क
शैक्षणिक योग्यता: बीडीएस, एमडीएस
आयु सीमा: नियम अनुसार
वेबसाइट: drdo.gov.in

जॉब्स से संबंधित सूचनाएं पाने के लिए arthparkash.com देखें

नीट-2026 : सोनीपत में आठ केंद्रों पर 2569 अभ्यर्थी देंगे परीक्षा

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

सोनीपत। राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट)-2026 के शांतिपूर्ण और पारदर्शी आयोजन को लेकर जिला प्रशासन ने सभी तैयारियां पूरी कर ली हैं। उपायुक्त ने बताया कि 21 जून को दोपहर 2 बजे से शाम 5:15 बजे तक आयोजित होने वाली परीक्षा के लिए शहर में आठ परीक्षा केंद्र बनाए गए हैं, जहां 2569 अभ्यर्थी परीक्षा देंगे। उपायुक्त ने बताया कि परीक्षा केंद्रों में दोपहर 1:30 बजे तक ही प्रवेश मिलेगा। इसके बाद किसी भी अभ्यर्थी को केंद्र में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

परीक्षा की निष्पक्षता और गोपनीयता बनाए रखने के लिए राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी के दिशा-निर्देशों का कड़ाई से पालन कराया जाएगा। नीट परीक्षा की तैयारियों को लेकर हरियाणा के मुख्य सचिव और एनटीए के महानिदेशक ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी उपायुक्तों के साथ बैठक कर आवश्यक निर्देश दिए। प्रत्येक परीक्षा केंद्र पर सिविल और पुलिस विभाग के नोडल अधिकारी तैनात किए जाएंगे।

प्रश्नपत्रों की सुरक्षा के लिए स्ट्रॉन्ग रूम में सीसीटीवी और पुलिस सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम होंगे। 20 जून को सभी केंद्रों पर मॉक ड्रिल कर सीसीटीवी कैमरों और जैमर की कार्यक्षमता की जांच की जाएगी। परीक्षा के दौरान ट्रैफिक प्रबंधन, कंट्रोल रूम से निगरानी, एंबुलेंस और चिकित्सा सुविधाएं भी उपलब्ध रहेंगी। अभ्यर्थियों को एडमिट कार्ड और वैध पहचान पत्र साथ लाने तथा निर्धारित ड्रेस कोड का पालन करने के निर्देश दिए गए हैं।

भक्तजन जो इस उजाले से युक्त हो जाते हैं

सद्गुरू माता सुदीक्षा जी महाराज

सत्य का ज्ञान जीवन में उजागर करके जन्मों-जन्मों की अज्ञानता के अन्धकार को मिटाया जा रहा है, जिस अन्धकार के कारण लोग भ्रमों और बंधनों में रह कर इस जीवन के सफर को तय करते आ रहे थे। जिस-जिस को भी इस ज्ञान का उजाला प्राप्त हुआ वही अपने आपको धन्य बता रहा है कि सही मायनों में मेरा संसार में आना सफल हो गया। वरना मेरी ये जिन्दीगी ऐसे ही चली जाती। जैसा ये मोलक जन्म अज्ञानता में रहकर ही मैंने बितादेना था, जैसे लाखों-करोड़ों लोग बिता कर चले जाते हैं, हमें भी सत्य का ज्ञान नहीं होना था। हम भी केवल प्रभु के नाम से वाकिफ रहते लेकिन ब्रह्मज्ञानियों की कृपा हुई कि वो ज्ञान की नज़र दे दी, जिसके कारण नाम के आगे निकल गये और नामी की पहचान हो गई। इस परम अस्तित्व की पहचान हो गई जिसे राम कह कर भी पुकार रहे थे, जिसे हम अल्लाह, गॉ कह कर भी पुकार रहे थे, जिसे हम अकाल पुरख कह कर भी सम्बोधित कर रहे थे। ऐसे परम अस्तित्व का बोध हो गया इस आत्मा को और आत्मा धन्य हो गई। आत्मा को भी ठिकाना मिल गया, इसके बंधन भ्रमों के मिट जाने के कारण समाप्त हो गये। तो इस तरह से आत्मा के लिहाज़ से अपने आपको धन्य मान रहे थे। साथ ही साथ इसी उजाले के कारण जो भेद वाले भाव थे वो मिट गये हैं। कितने-कितने मान्यताओं से युक्त, कितने वहम-भुलेखों में पड़े हुए लोग जीवन जीते चले जा रहे हैं और उनके जीवन में ये सवेरा आया तो वो यही कह रहे हैं कि वाकई ये भी हमारे जीवन में ऐसा पड़ाव आया है जो हमारे जीवन को सरल बना रहा है। अब सरल महसूस होता है जीवन क्योंकि अब सत्य का आधार है और भेद वाले भाव मिट गये हैं। आज तक इसी अन्धकार के कारण हम भेद करते थे, हम उँची जाति वाले और वो नीची जाति वाले इस तरह से घृणा करते थे, नफ़रत करते थे।

भक्तजन जो इस उजाले से युक्त हो जाते हैं वो भी यही मानते हैं कि-

जात-पांत पूछे नहीं कोई।
हरि को भजे सो हरि का होई।

जाती-पाँति की मान्यताओं से युक्त कितने भेदभाव हो रहे हैं, कितने-कितने शोषण होते आये हैं, कितने दमन होते आये हैं। वसुधैव कुटुम्बकम की भावना से देखें तो सारी वसुधा मे बसने वाले तमाम लोग इसी परमात्मा निरंकार प्रभु की सन्तान है। एक नूर से ही सारा जगत उपजा है। अवतार बाणी में हम पढ़ते हैं-

इक्को नूर है सभ दे अन्दर नर है चाहे नारी ए।
ब्राह्मण खतरी वैश हरिजन इक दी खलकत सारी ए।

एक की ही खलकत सारी है चाह ब्राह्मण है, क्षत्रिय है, वैश्य है, हरिजन है ये सब प्रभु-परमात्मा की संतान हैं। लेकिन अज्ञानता ने भ्रम डाल दिये, ऊँच-नीच की दीवारें खड़ी हो गई, अभिमान-अहंकार में चूर हो गये और निकल पड़े दूसरों का दमन करने, जुल्मों-सितम करने।

कबीर जी कहते हैं कि-

जाति का गरब मत कर मूरख गंवारा।
इस गर्व से उपजे बहुत विकारा।

यानि कि इस जाति का अभिमान, जिसे गर्व कहते हें, ये बड़े विकारों को जन्म देता है। जाति का गर्व मत कर मूर्ख, तो मूर्ख भी हो गया, अहंकारी भी हो गया और भी कितने कितन विकार पैदा हो जाते हैं। केवल अभिमान ही नहीं नफ़रत भी और साथ ही हिंसा भी। क्योंकि नफ़रत आ गई तो हिंसक भी होंगे ही। वो हिंसा के मार्ग पर चल पड़ते हैं।

पंचांग

रविवार, 14 जून, 2026, सूर्योदय: 05:20 ए एम, सूर्यास्त: 07:27 पी एम, चन्द्रोदय: 05:06 ए एम, जून 15, चन्द्रास्त: 06:52 पी एम, शक सम्वत: 1948 पराभव, विक्रम सम्वत: 2083 सिद्धार्थी, गुजराती सम्वत: 2082 पिङ्गल, अमान्त महीना: ज्येष्ठ (अधिक), पूर्णिमान्त महीना: ज्येष्ठ (अधिक), वार: रविवार, पक्ष: कृष्ण पक्ष, तिथि: चतुर्दशी - 12:19 पी एम तक, नक्षत्र: रोहिणी - 10:14 पी एम तक, योग: धृति - 01:15 पी एम तक, करण: शकुनि - 12:19 पी एम तक, द्वितीय करण: चतुष्पाद - 10:21 पी एम तक, सूर्य राशि: वृषभ, चन्द्र राशि: वृषभ, राहुकाल: 05:41 पी एम से 07:27 पी एम, गुलिक काल: 03:55 पी एम से 05:41 पी एम, यमगण्ड: 12:23 पी एम से 02:09 पी एम, अभिजित मुहूर्त: 11:55 ए एम से 12:51 पी एम, दुर्मुहूर्त: 05:34 पी एम से 06:30 पी एम, अमृत काल: 07:26 पी एम से 08:50 पी एम, वर्ज्य: 03:14 पी एम से 04:38 पी एम, वर्ज्य: 03:06 ए एम, जून 15 से 04:30 ए एम, जून 15

भविष्य फल

मेष: बहुत ज्यादा मानसिक दबाव और थकान परेशानी की वजह बन सकता है। सेहत को ठीक बनाए रखने के लिए पर्याप्त आराम करें।

वृष: आज के दिन आप जो भी काम शुरू करेंगे उसमें सफल जरुर होंगे। पुराने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जाने का अवसर भी आपको मिलेगा।

मिथुन: बोलते समय और वित्तीय लेन-देन करते समय सावधानी बरतने की जरूरत है। आपका प्रिय दिन भर आपको याद करने में समय बिताएगा।

कर्क: आज किसी बड़ी बिजनेस डील को बहुत सोच समझकर करने की जरुरत है। किसी अनुभवी व्यक्ति या फिर विश्वास पात्र की राय लेने के बाद ही कदम आगे बढ़ाएं।

सिंह: आप किसी पुरानी बीमारी में काफी आराम महसूस करेंगे। लम्बे समय से अटके मुआवजे और कर्ज आदि आखिरकार आपको मिल जाएंगे।

कन्या: कोई पुरानी बिजनेस डील आपको अचानक से लाभ दिलाएगी, जिससे आपका मन प्रसन्न रहेगा। आज समाज में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी।

तुला: आज अगर आप दूसरों की बात मानकर निवेश करेंगे, तो आर्थिक नुकसान तकरीबन पक्का है। कोई चिट्ठी या ई-मेल पूरे परिवार के लिए अच्छी खबर लाएगी।

वृश्चिक: आज आप नई उर्जा से भरे रहेंगे। काम की दृष्टि से आज व्यस्तता ज्यादा रहेगी, लेकिन सारे काम शाम तक आसानी से निपट जायेंगे।

धनु: भविष्य को लेकर बेकार में चिंता करते रहना आपको बेचैन कर सकता है। आपको समझना चाहिए कि असली खुशी वर्तमान का पूरा मजा लेने से आती है, न कि भविष्य पर निर्भर रहने से।

मकर: आज आपको उचित समय की पहचान करनी होगी। आज का दिन सटीक योजनाएं बनाने का है।

कुंभ: आज का दिन मौज-मस्ती और आनन्द से भरा रहेगा- क्योंकि आप जिन्दगी को पूरी तरह जिएंगे। अनुमान नुकसानदेह साबित हो सकता है।

मीन: मित्रों और स्नेही स्वजनों के साथ रिश्ते पहले से बेहतर बनेंगे। आज पिता और बड़े भाई के सहयोग से आप कोई नया व्यापार शुरू कर सकते हैं, जिसमें आपको सफलता मिलेगी।

मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत सोमनाथ दर्शन कर लौटे 103 श्रद्धालु

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

सोनीपत। हरियाणा सरकार की मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के तहत गुजरात स्थित प्रथम ज्योतिर्लिंग के दर्शन कर लौटे सोनीपत जिले के 103 श्रद्धालुओं ने मुख्यमंत्री का आभार जताया। श्रद्धालुओं ने कहा कि सरकार की इस योजना के माध्यम से उन्हें देश के प्रमुख धार्मिक स्थलों में शामिल सोमनाथ धाम के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त हुआ। यात्रा से लौटे श्रद्धालुओं ने बताया कि सोमनाथ मंदिर की भव्यता, अरब सागर तट का मनमोहक दृश्य और धार्मिक वातावरण ने उन्हें आध्यात्मिक शांति एवं आत्मिक संतोष प्रदान किया। उन्होंने कहा कि यह यात्रा उनके जीवन की अविस्मरणीय स्मृतियों में शामिल हो गई है।श्रद्धालुओं ने बताया कि आर्थिक कारणों से वे कभी इतने दूर स्थित तीर्थस्थल की यात्रा नहीं कर सकते थे, लेकिन मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना ने उनका वर्षों पुराना सपना पूरा कर दिया। यात्रा के दौरान परिवहन, भोजन, आवास और सुरक्षा सहित सभी व्यवस्थाएं संतोषजनक रहीं। खरखौदा की निर्मला, गोहाना के आजाद सिंह और अन्य श्रद्धालुओं ने योजना की सराहना करते हुए कहा कि यह बुजुर्गों के लिए वरदान साबित हो रही है। श्रद्धालुओं ने कहा कि यह योजना धार्मिक पर्यटन के साथ-साथ सांस्कृतिक जागरूकता और सामाजिक समरसता को भी बढ़ावा दे रही है।

कल होगी जिला कष्ट निवारण समिति की बैठक

अर्थ प्रकाश/आदेश त्यागी

सोनीपत, जिला परिवाद एवं कष्ट निवारण समिति की मासिक बैठक 15 जून को प्रातः 10 बजे लघु सचिवालय के तृतीय तल स्थित सभागार कक्ष में आयोजित की जाएगी। उपायुक्त ने बताया कि बैठक की अध्यक्षता हरियाणा के शिक्षा मंत्री करेंगे, जो जिला परिवाद एवं कष्ट निवारण समिति के अध्यक्ष भी हैं।बैठक में विभिन्न विभागों से संबंधित लंबित शिकायतों और आमजन की समस्याओं पर सुनवाई की जाएगी। साथ ही समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाएंगे। जिला प्रशासन ने संबंधित विभागों को बैठक की तैयारी पूरी करने के निर्देश दिए हैं।

विकसित भारत के संकल्प के साथ जन- जन शक्तिकरण की धारा बह रही: अरुण सिंह

मुरथल ढाबा संगठन द्वाराविधायक देवेंद्र कादियान के नेतृत्व में संगठन के प्रधान मनजीत सिंह , अमरीक सिंह ने किया स्वागत

अर्थ प्रकाश/सुरेन्द्र कुमार

गन्नौर। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव एवं राज्यसभा सांसद अरुण सिंह का मुरथल ढाबा संगठन की तरफ से अमरीक सुखदेव ढाबा पर गन्नौर के विधायक देवेंद्र कादियान के नेतृत्व में संगठन के प्रधान मनजीत सिंह व अमरीक सिंह ने स्वागत किया । इस दौरान भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण एवं विकास के 12 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 12 वर्ष की यात्रा की जानकारी की बुक दी, उसके लिए संगठन के पदाधिकारी ने अरुण सिंह का आभार व्यक्त किया । हां उसका तो राष्ट्रीय महासचिव अरुण सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 12 वर्ष की यात्रा के दौरान नारी शक्ति, महिला सशक्तिकरण में बदलाव, युवा शक्ति, राष्ट्र निर्माण ही मिशन नई अर्थव्यवस्था, नया भारत नया विश्वास, जन जन तक डिजिटल, भारत विरासत भी विकास भी, सांस्कृतिक पूर्ण जागरण की गाथा , राष्ट्र प्रथम ही मंत्र , सामाजिक सुरक्षा का विस्तार आदि अनेक जनकल्याणकारी नीतियों बनाई है।

इस मौके पर विधायक कृष्णा गहलावत, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडौली, विधायक देवेंद्र कादियान, सोनीपत विधायक निखिल मदान, मेयर राजीव जैन, पूर्व सांसद रमेश कौशिक, पूर्व मंत्री कविता जैन, वरिष्ठ भाजपा नेता देवेंद्र कौशिक, वरिष्ठ भाजपा नेता माईराम कौशिक, वरिष्ठ भाजपा नेता मनिंदर सिंह सनी, जिला अध्यक्ष, गन्नौर मंडल अध्यक्ष अजय जैन , ढाबा संगठन के सदस्य मनीष, मनोज कुमार, दयानंद पहलवान, अंकुर लाठर नीलकंठ ढाबा, बिजेंदर पहलवान, सतीश अरोड़ा, समेत पदाधिकारी मौजूद रहे।

विधायक देवेंद्र कादियान ने अंतरराष्ट्रीय पहलवान दीपक राठी का पुरखास में किया सम्मान

अर्थ प्रकाश/सुरेन्द्र कुमार

गन्नौर। वियतनाम में आयोजित अंडर-23 एशियन चैंपियनशिप में रजत पदक और मंगोलिया केउलानबटार में आयोजित सीनियर वर्ल्ड रैंकिंग सीरीज में स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रोशन करने वाले अंतरराष्ट्रीय पहलवान दीपक राठी का शनिवार को गांव पुरखास में भव्य सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे विधायक देवेंद्र कादियान ने पहलवान दीपक राठी को सम्मानित कर उनकी उपलब्धियों की सराहना की।

उन्होंने कहा कि पुरखास की मिट्टी खेल प्रतिभाओं की खान रही है और यहां से कई खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन किया है।

विधायक देवेंद्र कादियान ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में खेल संस्कृति तेजी से विकसित हो रही है और अब बेटियां भी खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं और प्रोत्साहन देना समय की जरूरत है, ताकि वे और बड़ी उपलब्धियां हासिल कर सकें।

पहलवान दीपक राठी ने सम्मान के लिए ग्रामीणों का आभार जताते हुए अपनी सफलता का श्रेय परिवार, कोच और गुरुजनों को दिया। उन्होंने कहा कि यह सम्मान उन्हें आगे बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगा।कार्यक्रम में शीनू सरपंच प्रतिनिधि, जिप सदस्य सीता पुरखास, पूर्व सरपंच नरेश, पूर्व सरपंच उमेद, पूर्व सरपंच यशपाल, सुभाष राठी, ब्लॉक समिति सदस्य राजेश, कबड्डी कोच नीर गुलिया, मांगेराम राठी दादा, जयवीर पहलवान, बहादुर सरपंच, रामेहर राठी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद रहे।

नशीला पदार्थ रखने की महिला आरोपी गिरफ्तार

अर्थ प्रकाश संवाददाता

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र पुलिस ने 'ऑपरेशन मैदान-2 के तहत नशीला पदार्थ रखने की महिला आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक चन्द्र मोहन के कुशल मार्गदर्शन में थाना कृष्णा गेट की टीम ने 'ऑपरेशन मैदान-2' के तहत नशीला पदार्थ रखने की महिला आरोपी वासी गांधीनगर थानेसर को गिरफ्तार करके उसके कब्जा से 10.86 ग्राम स्मैक/चिट्टा बरामद करने में सफलता हासिल की है।

जानकारी देते हुए पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 12 जून 26 को थाना कृष्णा गेट प्रभारी निरीक्षक बलजीत सिंह के मार्ग निर्देश में सहायक उप निरीक्षक पंकज कुमार, पीएसआई साक्षी, मुख्य सिपाही मंजीत सिंह, सिपाही दीपक की टीम शेख चिल्ली के मकबरे के पास मौजूद थी। पुलिस टीम को सूचना मिली कि गांधी नगर वासी महिला संजना स्मैक/चिट्टा बेचने का काम करती है। आज भी महिला गांधी नगर की गली नंबर 1 में नशीला पदार्थ लेकर बेचने की फिराक में है। यदि तुरंत गली नंबर 1 में निगरानी करके महिला को काबू करके उसकी तलाशी ली जाये तो आरोपिया से काफी मात्रा में स्मैक/चिट्टा बरामद हो सकता है। सूचना पर पुलिस टीम गांधी नगर की गली नंबर 1 पहुंची जहां पर एक महिला गली में खड़ी दिखाई दी।

पुलिस टीम ने शक के आधार पर महिला को काबू करके उसका नामपता पूछने पर उसने अपना नाम संजना वासी गांधी नगर थानेसर बताया। महिला पुलिस द्वारा महिला की तलाशी लेने पर उसके कब्जा से 10.86 ग्राम स्मैक/चिट्टा बरामद हुआ।

न्यूज़ ब्रीफ

स्नातक में दाखिले के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 15 जून

लाडवा (अप्रस/विकास कश्यप)। एस.डी.एम. अनुभव मेहता ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने लाडवा विधानसभा के रामशरण माजरा में राजकीय कॉलेज की इसी सत्र से शुरुआत की है। कॉलेज का इसी सत्र से शुरू होना युवाओं के लिए सुनहरा अवसर है। कॉलेज में बी.ए. व बी.कॉम में दाखिला की प्रक्रिया चल रही है। इन विषयों के लिए कॉलेजों में स्नातक प्रथम वर्ष में दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 15 जून है। अनुभव मेहता शनिवार को लाडवा कार्यालय में पत्रकारों को जानकारी दे रहे थे। उन्होंने लाडवा क्षेत्र के पार्षदों और सरपंचों से अपील करते हुए कहा कि सभी अपने- अपने क्षेत्र में युवाओं को कॉलेज में दाखिले के लिए जागरूक करे। उन्होंने कहा कि इस सत्र की कक्षाओं को शुरू करने के लिए प्रशासन ने अपनी व्यवस्था तैयार कर ली है। अब क्षेत्र के विद्यार्थियों को कहीं दूर जाकर पढ़ाई करने की जरुरत नहीं है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को उच्चतर शिक्षा विभाग हरियाणा की आधिकारिक वेबसाइट इसकी पूरी जानकारी दी गई है। विद्यार्थी एडमिशन के लिए पोर्टल के माध्यम से सीधा ऑनलाइन फॉर्म भर सकते हैं। आवेदन के समय कक्षा 10वीं और कक्षा 12वीं की मार्कशीट, आधार कार्ड, कोई भी एक सरकारी पहचान पत्र, पासपोर्ट साइज रंगीन फोटो, हस्ताक्षर, जाति और आय प्रमाण पत्र जरूरी है। इसके अलावा मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी सहित अन्य मांगी गई जानकारी को उपलब्ध करवाना होगा।

मक्का की बंपर आवक, पीली फसल से भरी मंडी

लाडवा (अप्रस/विकास कश्यप)। लाडवा अनाज मंडी में गेहूं के बाद सलहैरी व सूरजमुखी की फसल खत्म भी नहीं हुई थी की मक्का की नई फसल ने दस्तक दे दी। इस समय लाडवा की अनाज मंडी मक्का की फसल से पीली हुई पड़ी है। पूरी मंडी में मक्का ही मक्का दिखाई दे रहा है। बताया जाता है कि मंडी में प्रतिदिन करीब 8 से 10 हजार बोरी मक्का की फसल पहुंच रही है। फिलहाल मंडी में सूखे मक्का का भाव1400 से 1950 रुपए प्रति क्विंटल तक बिक रहा है, जबकि गीला मक्का बिना सुखाया 800 से 1400 रुपए प्रति क्विंटल तक बिक रहा है। इस बार भी मंडी में किसानों को गत वर्ष जितने ही दाम मिल रहे है। इस सीजन का मक्का सरकारी खरीद में नहीं आता। जो मक्का धान की जगह लगेगा सरकार उस मक्का की फसल को सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदती है। वैसे हर साल किसानों की मांग रहती है कि बसंत कालीन मक्का को भी सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य के दायरे में लाकर सरकार इसकी खरीद करें, ताकि किसानों को राहत मिल सके। यदि किसानों को मक्का की फसल के उचित दाम मिलते रहे तो मक्का की फसल किसानों के लिए लाभदायक सिद्ध होगी और किसान धान सहित अन्य फसलों को छोड?र मक्का की तरफ रुख करना शुरू कर देंगे। इस वर्ष जिस हिसाब से मक्का की फसल मंडी में पहुंच रही है उससे साफ जाहिर है कि इस बार मक्का की फसल गत वर्ष से अधिक हुई है। किसानों के अनुसार इस बार मक्का की आवक गत वर्ष से कम निकल रही है। किसान मुकेश कुमार, विक्रम ङ्क्षसह, दर्शन लाल आदि के अनुसार इस वर्ष 40 से 50 क्विंटल प्रति एकड़ मक्का निकल रहा है, जबकि गत वर्ष मक्का 50 से 60 क्विंटल प्रति एकड़ तक निकल रहा था।

हेरोइन मामले के मुख्य सप्लायर को किया काबू

टोहाना (अप्रस/संजीव सिंगला)। थाना शहर टोहाना पुलिस ने हेरोइन

बरामदगी के मामले में कार्रवाई करते हुए टोहाना के किला मोहल्ला निवासी विशाल उर्फ किशन पुत्र देवराज उर्फ नन्ना को काबू किया है। आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। इस मामले में एक आरोपी को पहले ही काबू किया जा चुका है। थाना शहर टोहाना प्रभारी निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि 25 मई 2026 को पुलिस टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर भुना रोड टोहाना क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए टोहाना के किला मोहल्ला निवासी चंद्रप्रकाश उर्फ भावु पुत्र सुभाष को 8.30 ग्राम हेरोइन सहित काबू किया था। इस संबंध में थाना शहर टोहाना में अभियोग संख्या 152 दिनांक 25.05.2026 के तहत धारा 21-बी, 61 एवं 85 एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया था। उन्होंने बताया कि मामले की तफ्तीश, आरोपी से पूछताछ तथा तकनीकी जांच के दौरान विशाल उर्फ किशन की मुख्य सप्लायर के रूप में संलिप्तता सामने आई। इसके आधार पर पुलिस ने उसे काबू कर न्यायालय में पेश किया, जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। मामले की जांच जारी है।

कैथल में पुलिस बदमाशों के बीच दोहरी मुठभेड़

होटल में लूट का प्रयास और शहर में छीना-झपटी के बाद तीन बदमाश गोली लगने से जख्मी

अर्थ प्रकाश/ओम प्रकाश

कैथल, 13 जून। हथियारों के बल पर होटल में लूट का प्रयास, शहर में दिनदहाड़े छीना-झपटी और फिर पुलिस के साथ मुठभेड़ शनिवार को कैथल में अपराधियों और पुलिस के बीच चले हाई-वोल्टेज घटनाक्रम ने पूरे जिले को हिला दिया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में तीन बदमाश पैर में गोली लगने के बाद दबोच लिए गए, जबकि उनका एक साथी फरार होने में सफल रहा। उसकी तलाश में पुलिस ने कई घंटे तक व्यापक सर्च अभियान चलाया। कैथल डीएसपी क्राइम सुशील प्रकाश ने पत्रकारवार्ता में बताया कि शनिवार सुबह सूचना मिली थी कि चार हथियारबंद युवकों ने कलायत क्षेत्र स्थित एक होटल में लूटपाट का प्रयास किया है। इसके बाद आरोपियों ने कैथल शहर के बलराज नगर क्षेत्र में एक युवक से पिस्तौल की नोक पर स्कूटी और नकदी छीन ली। सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में

स्पेशल डिटेक्टिव यूनिट, सीआईए-1, एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ तथा कलायत पुलिस की संयुक्त टीमों ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। भैणी माजरा शुगर मिल के समीप पुलिस ने स्कूटी सवार चारों संदिग्धों को घेर लिया और आत्मसमर्पण करने की चेतावनी दी। लेकिन बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी और अलग-अलग दिशाओं में भाग निकले। इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों को मुठभेड़ के बाद काबू कर लिया। पुलिस के अनुसार, गांव खांडा खेड़ी (जिला जींद) निवासी साहिल को एएसआई मनीष कुमार की टीम ने गिरफ्तार किया। उसके दोनों पैरों में गोली लगी है। इसी गांव के अंकित को इंस्पेक्टर सुनील कुमार के नेतृत्व वाली स्पेशल डिटेक्टिव यूनिट ने दबोचा, जिसके पैर में भी गोली लगी। वहीं, गांव मिर्चपुर (जिला हिसार) निवासी अशोक उर्फ गोलू को एंटी व्हीकल थेफ्ट स्टाफ प्रभारी एसआई मुकेश कुमार की टीम ने गिरफ्तार किया। उसके एक पैर में गोली लगी है। तीनों घायलों को उपचार के लिए नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपियों ने कलायत की घटना से पहले अग्रोहा क्षेत्र में एक दुकान से करीब 40 हजार रुपये की लूट की थी। इसके अतिरिक्त लगभग 15 से 20 दिन पूर्व चंडीगढ़ में भी 20 हजार और 50 हजार रुपये की दो लूट की वारदातों में इनके शामिल होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस इनकी आपराधिक पृष्ठभूमि खंगाल रही है। जांच में यह भी सामने आया कि कलायत स्थित सहारण होटल में घुसकर बदमाशों ने कर्मचारियों से मारपीट की और कैश काउंटर खुलवाने का प्रयास किया। हालांकि होटल संचालक रामनरेश ने कर्मचारियों और मौजूद ग्राहकों के सहयोग से साहस का परिचय देते हुए बदमाशों का विरोध किया, जिसके चलते आरोपी वहां से भाग निकले। फरार आरोपी की तलाश में पुलिस ने भैणी गांव और शुगर मिल कॉलोनी क्षेत्र में कई घंटे तक सघन तलाशी अभियान चलाया। पुलिस का कहना है कि शेष आरोपी को भी जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बीमारी में भी जनता को लूट रही सरकार : रणदीप सुरजेवाला

अर्थ प्रकाश/ओम प्रकाश

कैथल, 13 जून। राज्यसभा सदस्य और कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने केंद्र की भाजपा सरकार पर बीमारी की आड़ में जनता को लूटने का आरोप लगाया है। शनिवार को कैथल के किसान भवन में आयोजित प्रेसवार्ता में उन्होंने दावा किया कि सरकार ने कैंसर, टिटनेस और घाव की जीवनरक्षक दवाओं के दामों में 50 प्रतिशत तक की भारी वृद्धि कर दी है, जो पूरी तरह से अमानवीय है। उन्होंने कहा कि पेट्रोल-डीजल और रसोई गैस के बाद अब दवाओं की महंगाई से गरीब और आम आदमी की कमर टूट रही है। सुरजेवाला ने 11 जून, 2026 को बढ़ाई गई कीमतों के तुलनात्मक आंकड़े पेश करते हुए बताया कि कैंसर कीमोथैरेपी में इस्तेमाल होने वाली 'सिसप्लेटिन' की कीमत 7.26 रुपये प्रति मिलीलीटर से बढ़कर 10.89 रुपये कर दी गई है। इसी तरह 'कार्बोप्लैटिन' के दाम 60.49 रुपये से बढ़कर 90.74 रुपये प्रति मिलीलीटर हो गए हैं। इसके अलावा एंटी टिटनस इम्युनोग्लोबिन (250 आईयू) 1,274.68 रुपये से बढ़कर 1,912.03 रुपये और 500 आईयू वाली दवा 1,920.79 रुपये से बढ़कर अब 2,881.19 रुपये की हो गई है।

कांग्रेस महासचिव ने बताया कि साल 2021 से 2026 के बीच 900 'जरूरी दवाओं' (एशेंशियल मेडिसिन्स) की कीमतों में लगभग 25.80 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। इसके अतिरिक्त ब्लड प्रेशर, हार्ट, एचआईवी, ब्लड थिनर और बच्चों के इलाज की जेनेरिक दवाओं के दामों में भी पिछले पांच वर्षों में 28 प्रतिशत तक का उछाल आया है। एम्लोडिपीन, एमॉक्सिसिलिन और एस्पिरिन जैसी आम दवाओं के बढ़े रेट का हवाला देते हुए उन्होंने इसे आम जनता के साथ ज्यादती करार दिया। सुरजेवाला ने केंद्र सरकार से बढ़ी हुई कीमतों को तुरंत वापस लेने और मरीजों को राहत देने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि देश की जनता इस महंगाई की लूट के लिए सरकार को कभी माफ नहीं करेगी। इस अवसर पर कैथल विधायक आदित्य सुरजेवाला, सुदीप सुरजेवाला, जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष रामचन्द्र गुर्जर ढांड, सोनू सेठ, रामनिवास मितल, सुरेन्द्र रांझा, पीएल भारद्वाज, रोशन पाड़ला, बृजपाल राणा, सुनील कुंडू, हाकम सीड़, रामपाल बरसाना भी मौजूद रहे।

35 वर्षों की संगठनात्मक तपस्या का मिला सम्मान, राकेश बिंदल बने हरियाणा व्यापारी कल्याण बोर्ड के वाइस चेयरमैन

अर्थ प्रकाश/सुशील कुमार

नारायणगढ़, 13 जून। नारायणगढ़ क्षेत्र के वरिष्ठ भाजपा नेता एवं समाजसेवी राकेश बिंदल को हरियाणा सरकार द्वारा हरियाणा व्यापारी कल्याण बोर्ड का वाइस चेयरमैन नियुक्त किए जाने पर क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। उनकी नियुक्ति को भारतीय जनता पार्टी में लगभग 35 वर्षों की सक्रिय संगठनात्मक सेवाओं और समर्पित कार्यशैली का सम्मान माना जा रहा है।

नियुक्ति के बाद राकेश बिंदल ने हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी, भारतीय जनता पार्टी के केंद्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पार्टी ने उन पर जो विश्वास जताया है, वह उस विश्वास पर पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे।

उन्होंने कहा कि व्यापारी वर्ग की समस्याओं के समाधान और उनके हितों की रक्षा के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य किया जाएगा।

राकेश बिंदल का जन्म 21 अक्टूबर 1969 को नारायणगढ़ विधानसभा क्षेत्र के गांव बरोली में हुआ। उनके पिता स्वर्गीय ओम प्रकाश बिंदल भारतीय जनसंघ और बाद में भारतीय जनता पार्टी के समर्पित कार्यकर्ता रहे। वर्ष 1962 से जनसंघ की गतिविधियों में सक्रिय रहे ओम प्रकाश बिंदल आपातकाल के दौरान राजनीतिक बंदी के रूप में अंबाला सेंट्रल जेल में भी रहे। वर्ष 2016 में सरकार द्वारा उन्हें लोकतंत्र की रक्षा में उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया था। राकेश बिंदल वर्ष 1991 से भारतीय जनता युवा मोर्चा के माध्यम से सक्रिय राजनीति में आए और लगातार संगठन के विभिन्न दायित्वों का निर्वहन करते रहे।

अर्थ प्रकाश न्यूज पेपर्स के लिए मालिक, मुद्रक एवं प्रकाशक महावीर जैन द्वारा 'अर्थ प्रकाश प्रेस' से मुद्रित एवं प्रकाशित **1244, Sector 7, Karnal, Haryana-132001** से जारी। प्रधान संपादक : **महावीर जैन,** प्रबंध संपादकः **अक्षित जैन**
आर.एन.आई. पंजीक्रम : **HRHIN/25/A2947** फोनः 9501992227, 9815033624 E-mail : arthparkash@gmail.com, arthparkashnews@gmail.com मुख्य सलाहकारः हरीश चंद्र जैन, एचसीएस (सेवानिवृत्त)